भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

विवरणिका 2026-27

दृष्टि

- भारत तथा विश्व के विकास में वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा तथा अनुसंधान में उत्कृष्टता के माध्यम से योगदान देना; उद्योग और समाज के लिए मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करना; तथा सभी भारतीयों के लिए गर्व का स्रोत बने रहना।

लक्ष्य

- अत्याधुनिक अनुसंधान के माध्यम से नवीन ज्ञान का सृजन करना तथा अत्याधुनिक स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करके शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देना।
- भारतीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक आवश्यकताओं की सुविज्ञ समझ के आधार पर विशेषज्ञता के उन क्षेत्रों की पहचान करना, जिन पर संस्थान अपना ध्यान केंद्रित कर सके।
- ऐसी सहयोगात्मक परियोजनाएं संचालित करना जो अकादमिक और उद्योग जगत के साथ दीर्घकालिक सहभागिता के अवसर प्रदान करें।
- मानवीय क्षमता का पूर्ण विकास करना ताकि बौद्धिक रूप से सक्षम एवं रचनात्मक प्रतिभा से संपन्न नेतृत्वकर्ता विभिन्न क्षेत्रों में उभर सकें।

मूल्य

- शैक्षणिक अखंडता एवं जवाबदेही।
- प्रत्येक व्यक्ति के विचारों के प्रति सम्मान एवं सहिष्णुता।
- राष्ट्रीय महत्त्व तथा वैश्विक चिंता के विषयों के प्रति सजगता।
- मानविकी विषयों के ज्ञान सहित व्यापक समझ।
- बौद्धिक उत्कृष्टता एवं रचनात्मकता की सराहना।
- अन्वेषण, तर्कशीलता एवं उद्यमिता की निर्बाध भावना।

विवरणिका

2026- 2027

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु कृपया आई.आई.टी. दिल्ली की वेबसाइट (www.iitd.ac.in) देखें अथवा संपर्क करें।

संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक

: +91 11 2659 1708

: deanacad@admin.iitd.ac.in

सह संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक (पाठ्यक्रम)

: +91 11 2659 7004

: adcur@admin.iitd.ac.in

सह संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक (स्नातकोत्तर अनुसंधान)

: +91 11 2659 7005

: adres@iitd.ac.in

सह संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक (आउटरीच एवं नई पहलें)

: +91 11 2659 8726

: adoni@iitd.ac.in

उप कुलसचिव, शैक्षणिक

: +91 11 2659 1737

: drpgsr@iitd.ac.in

सहायक कुलसचिव/ वरिष्ठ परामर्शदाता, शैक्षणिक

: +91 11 2654 8796 / 2659 1718 / 8511

: aracad2@admin.iitd.ac.in, arugs@iitd.ac.in, aracad@admin.iitd.ac.in

कॉपीराइट © आई.आई.टी. दिल्ली

प्रकाशन : प्रकाशन प्रकोष्ठ द्वारा

अप्रैल, 2026

विषय-सूची

1 परिचय

6 शैक्षणिक

16 प्रवेश

33 शुल्क

37 छात्र कार्य

50 केन्द्रीय सुविधाएँ

70 औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास

78 प्रशासनिक संरचना

1. परिचय

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली भारत में विज्ञान, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और विकास के उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में से एक है।

वर्ष 1961 में एक इंजीनियरी कॉलेज के रूप में स्थापित इस संस्थान को बाद में "प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 1963" के अंतर्गत राष्ट्रीय महत्त्व का संस्थान घोषित किया गया तथा इसका नाम बदलकर "भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली" रखा गया। इसके पश्चात इसे डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत इसे अपनी शैक्षणिक नीतियाँ निर्धारित करने, स्वयं परीक्षाएँ आयोजित करने तथा अपनी उपाधियाँ/डिग्रियाँ प्रदान करने का अधिकार प्राप्त हुआ।

इस संस्थान को वर्ष 2018 में भारत सरकार द्वारा "उत्कृष्ट संस्थान" घोषित किया गया।

अपनी स्थापना के बाद से, आई.आई.टी. दिल्ली से इंजीनियरी, भौतिक विज्ञान, प्रबंधन तथा मानविकी एवं समाज विज्ञान सहित विभिन्न विषयों में लगभग 66,000 विद्यार्थी उत्तीर्ण कर चुके हैं। इनमें से 8,038 विद्यार्थियों ने पीएच.डी. उपाधि प्राप्त की है, जबकि 22,336 विद्यार्थियों ने बी.टेक. उपाधि प्राप्त की है। शेष विद्यार्थियों ने इंजीनियरी, विज्ञान, मानविकी एवं समाज विज्ञान, सार्वजनिक नीति तथा व्यवसाय प्रशासन में स्नातकोत्तर उपाधियाँ प्राप्त की हैं। ये पूर्व विद्यार्थी आज वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों, व्यवसाय प्रबंधकों तथा उद्यमियों के रूप में कार्यरत हैं। कई पूर्व विद्यार्थी ऐसे भी हैं, जो अपने मूल विषयों से हटकर प्रशासनिक सेवाओं या राजनीति में सक्रिय हो गए हैं अथवा गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के साथ जुड़े हुए हैं। इस प्रकार, उन्होंने राष्ट्र निर्माण तथा दुनिया भर में औद्योगीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है।

आई.आई.टी. दिल्ली दक्षिण दिल्ली के हौज़ खास में स्थित है, जो दिल्ली के रंगीन एवं गौरवशाली इतिहास का एक महत्त्वपूर्ण स्थल है।

पूर्व में श्री अरबिंदो मार्ग, पश्चिम में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर, दक्षिण में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद तथा उत्तर में आउटर रिंग रोड से घिरा यह संस्थान परिसर कुतुब मीनार तथा हौज़ खास स्मारकों के समीप है।

खुले एवं चौड़े मार्गों द्वारा शहर के प्रमुख केंद्रों से सुगमता से जुड़ा यह संस्थान परिसर दिल्ली जंक्शन (पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के रूप में लोकप्रिय) से लगभग 19 कि.मी., नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से 14 कि.मी., अंतर-राज्यीय बस टर्मिनल (कश्मीरी गेट) से 21 कि.मी. तथा दिल्ली हवाई अड्डे से 10 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। दिल्ली मेट्रो के दो प्रवेश द्वार संस्थान परिसर की तरफ खुलते हैं।

संस्थान का परिसर 312 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है। अनेक भौगोलिक विशेषताओं, आकर्षक प्राकृतिक दृश्यावलियों, विभिन्न स्वरूप एवं आकार की इमारतों तथा साफ़-सुथरी व चौड़े मार्गों से सुसज्जित यह परिसर स्थापत्य कला और प्राकृतिक सौंदर्य के सामंजस्य का एक मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करता है।

परिसर क्षेत्र को चार कार्यात्मक क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: (i) विद्यार्थियों के लिए आवासीय क्षेत्र; (ii) संकाय एवं कर्मचारियों के लिए आवासीय क्षेत्र; (iii) शैक्षणिक भवनों एवं कार्यशालाओं के लिए शैक्षणिक क्षेत्र; तथा (iv) विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक-सह-सामाजिक एवं मनोरंजन क्षेत्र।

परिसर में स्टाफ क्लब, अस्पताल, शॉपिंग सेंटर, बैंक, डाकघर, सामुदायिक केंद्र, स्टेडियम, खेल मैदान आदि जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं। छात्र गतिविधि केंद्र विद्यार्थियों की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों तथा शारीरिक विकास के लिए सभी सुविधाएँ प्रदान करता है।

केंद्रीय दो-मंजिला मनोरंजन परिसर, जिसमें स्विमिंग पूल तथा व्यायामशाला हॉल सम्मिलित हैं, में स्क्वैश कोर्ट, रुचि-आधारित कार्यशालाएँ/सेमिनार कक्ष, संगीत कक्ष तथा पठन एवं अंतःकक्षीय खेलों के लिए अन्य बहुउद्देशीय कक्ष जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं। आधुनिक शैली में निर्मित विशाल क्षमता वाला एम्फीथिएटर इस केंद्र की एक अतिरिक्त सुविधा है।

आई.आई.टी. दिल्ली अपनी सीमाओं का विस्तार कर रहा है। हरियाणा सरकार द्वारा आवंटित 50 एकड़ भूमि पर हरियाणा के सोनीपत में एक विस्तार परिसर स्थापित किया गया है। वर्ष 2023 में, आई.आई.टी. दिल्ली ने संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में अपना अंतरराष्ट्रीय परिसर स्थापित किया। आई.आई.टी. दिल्ली- अबू धाबी परिसर संयुक्त अरब अमीरात और भारत के बीच एक दूरदर्शी साझेदारी है। यह संयुक्त अरब अमीरात और दुनिया भर के विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं के लिए विश्व स्तरीय शिक्षा वातावरण प्रदान करने हेतु संयुक्त अरब अमीरात और भारत दोनों सरकारों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

1.1 प्रशासन

आई.आई.टी. दिल्ली, 'प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम' यथा संशोधित "प्रौद्योगिकी संस्थान (संशोधन) अधिनियम, 1963" के अंतर्गत कार्य करने वाला एक स्वायत्त सांविधिक संगठन है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों का प्रशासन केंद्रीय रूप से आई.आई.टी. परिषद द्वारा किया जाता है, जो इन संस्थानों की गतिविधियों के समन्वय हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित एक सर्वोच्च निकाय है।

भारत सरकार के माननीय शिक्षा मंत्री आई.आई.टी. परिषद के अध्यक्ष होते हैं। प्रत्येक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एक अभिशासी मंडल होता है, जो उसके समग्र प्रशासन और नियंत्रण के लिए उत्तरदायी होता है।

हरीश साल्वे

किंग्स काउंसिल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता

अध्यक्ष

बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स

किंग्स काउंसिल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री हरीश साल्वे ने वर्ष 1975 में नागपुर विश्वविद्यालय से वाणिज्य स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

उन्होंने वर्ष 1978 में चार्टर्ड अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त की तथा साल्वे एंड कंपनी में साझेदार के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

उन्होंने वर्ष 1980 में नागपुर विश्वविद्यालय से विधि स्नातक (एल.एल.बी.) की उपाधि प्राप्त की तथा अधिवक्ता के रूप में वकालत के पेशे से जुड़ गए।

उन्होंने जे.बी. दादाचांजी एंड कंपनी में प्रशिक्षु के रूप में तथा बाद में सहयोगी के रूप में कार्य किया। इसके पश्चात वे श्री सोली सोराबजी (भारत के पूर्व महान्यायवादी) के चैंबर में शामिल हुए। उन्होंने वर्ष 1986 में अपना स्वतंत्र चैंबर लिया। वर्ष 1992 में उन्हें वरिष्ठ अधिवक्ता नामित किया गया। वर्ष 1999 में वे भारत के सॉलिसिटर जनरल बने तथा 43 वर्ष की आयु में इस पद पर नियुक्त होने वाले सबसे युवा सॉलिसिटर जनरल रहे। वे नवंबर 2002 में पुनः वकालत में लौट आए।

वे वर्ष 2013 में इंग्लैंड बार से जुड़े तथा वर्ष 2020 में उन्हें क्वीन्स काउंसिल [अब किंग्स काउंसिल के नाम से जाना जाता है] नियुक्त किया गया।

उन्हें वर्ष 2015 में पद्म भूषण (भारत का तृतीय सर्वोच्च नागरिक सम्मान) से सम्मानित किया गया।

वे वर्तमान में इंग्लैंड और वेल्स के न्यायालयों तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों में वकालत करते हैं।

उनका कार्यक्षेत्र एक प्रमुख वकील के साथ-साथ एक मध्यस्थ (arbitrator) के रूप में भी है।

उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के समक्ष दो मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है तथा वर्तमान में सिंधु नदी घाटी से संबंधित पाकिस्तान के साथ विवाद में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

वर्ष 1996 में उन्हें वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के प्रवर्तन से संबंधित मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एमिकस क्यूरी (Amicus Curiae) नियुक्त किया गया। उसी वर्ष दिल्ली में वायु प्रदूषण से संबंधित एक अन्य मामले में भी भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें एमिकस क्यूरी (Amicus Curiae) नियुक्त किया। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों के परिणामस्वरूप दिल्ली की बसों को सी.एन.जी. में परिवर्तित किया गया।

वे अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता (arbitration) एवं न्यायिक वादों (litigation) के क्षेत्र में वैश्विक प्रतिष्ठा वाले अत्यंत अनुभवी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उनकी विधिक विशेषज्ञता का क्षेत्र सार्वजनिक अंतरराष्ट्रीय कानून, मानवाधिकार, दीवानी धोखाधड़ी, सार्वजनिक मामले, ऊर्जा तथा कर संबंधी मामलों तक विस्तारित है।

प्रो. रंगन बनर्जी
निदेशक
आई.आई.टी. दिल्ली

प्रो. रंगन बनर्जी आई.आई.टी. दिल्ली (फ़रवरी 2022 से) के निदेशक हैं तथा ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग के प्रोफ़ेसर हैं। उन्होंने यांत्रिक इंजीनियरी में बी.टेक. तथा आई.आई.टी. बॉम्बे से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की। वर्ष 1993 में आई.आई.टी. बॉम्बे में संकाय सदस्य के रूप में शामिल होने से पूर्व उन्हें कैडबरीन टी.ई.आर.आई. इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में कार्य करने का कुछ वर्षों का अनुभव था। उन्होंने आई.आई.टी. बॉम्बे में ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग की स्थापना में योगदान दिया तथा उसके प्रथम विभागाध्यक्ष रहे।

वे ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा तथा मॉडलिंग से संबंधित उद्योगों की अनेक परियोजनाओं में शामिल रहे हैं। वे आई.आई.टी. बॉम्बे में संकायाध्यक्ष (अनुसंधान एवं विकास) भी रहे हैं तथा अनुसंधान अवसंरचना, उद्योग संघों एवं केंद्रों, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं लाइसेंसिंग तथा विद्यार्थी अनुसंधान को समर्थन देने से संबंधित अनेक नई पहलों के लिए उत्तरदायी रहे हैं।

वे नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित मेगावाट क्षमता वाले सौर तापीय विद्त संयंत्र सह परीक्षण सुविधा की स्थापना में भी शामिल रहे हैं। वे 'टीम शून्य' (विद्यार्थी समूह) के संकाय सलाहकार रहे हैं, जिसने सोलर डेकाथलॉन यूरोप, चीन तथा अमेरिका में भारत का प्रतिनिधित्व किया और सौर ऊर्जा से संचालित घरों का निर्माण किया।

उन्होंने ऊर्जा संबंधी विषयों पर मुंबई शहर, महाराष्ट्र विद्त विनियामक आयोग, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, योजना आयोग तथा नीति आयोग को परामर्श प्रदान किया है। वे इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एप्लाइड सिस्टम्स एनालिसिस द्वारा समन्वित ग्लोबल एनर्जी असेसमेंट के प्रमुख लेखकों में से एक रहे हैं तथा यू.के. के ऊर्जा कार्यक्रम की RCUK समीक्षा हेतु अंतरराष्ट्रीय समीक्षा समिति के सदस्य भी रहे हैं।

उन्हें आई.आई.टी. बॉम्बे में उत्कृष्ट शिक्षण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है और वह इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ़ इंजीनियरिंग के फेलो हैं। वे कानेगी मेलन युनिवर्सिटी के इंजीनियरी और सार्वजनिक नीति विभाग में मानद सहायक प्रोफ़ेसर भी रहे हैं।

सीनेट

सीनेट संस्थान की शैक्षणिक नीति निर्धारित करती है तथा पाठ्यक्रम, विषयों एवं परीक्षा परिणामों को अनुमोदित करती है। यह समय-समय पर उत्पन्न होने वाले विशिष्ट शैक्षणिक विषयों की समीक्षा हेतु समितियों का गठन भी करती है। संस्थान में विभिन्न शैक्षणिक इकाइयों की शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों की सुविधाओं और मानक दोनों में सुधार के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है। सीनेट के अध्यक्ष संस्थान निदेशक होते हैं।

संस्थान समितियाँ

संस्थान को वित्तीय सलाह वित्त समिति द्वारा प्रदान किया जाता है। इसी प्रकार भवन एवं निर्माण कार्यों से संबंधित विषयों पर परामर्श देने हेतु एक भवन एवं निर्माण समिति भी है। इन समितियों की नियुक्ति बोर्ड ऑफ़ गवर्नर्स द्वारा की जाती है। इसके अतिरिक्त, संस्थान के कुशल संचालन में प्रशासन की सहायता हेतु सीनेट द्वारा शैक्षणिक कार्यक्रम बोर्ड, शैक्षिक एवं अनुसंधान योजना बोर्ड जैसी अनेक अन्य समितियाँ भी नियुक्त की जाती हैं।

2. शैक्षणिक

आई.आई.टी. दिल्ली गुणवत्तापूर्ण इंजीनियर-वैज्ञानिक तैयार करने के उद्देश्य से विज्ञान-आधारित इंजीनियरी शिक्षा प्रदान करता है। संस्थान का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को व्यापक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उनमें आजीवन सीखने एवं अन्वेषण की प्रवृत्ति का विकास भी करता है।

2.1 शैक्षणिक प्रणाली

स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों को विभागीय आवश्यकताओं के अतिरिक्त मूल विज्ञान, मानविकी एवं समाज विज्ञान तथा इंजीनियरी विज्ञान के क्षेत्रों में अनिवार्य आधारभूत पाठ्यक्रमों का अध्ययन करना होता है।

स्नातकोत्तर स्तर पर एम.एस. (आर.), एम.टेक., एम.बी.ए., एम.डिज़ाइन, एम.पी.पी., एम.ए., पी.जी.डी.आई.आई.टी. तथा एम.एससी. जैसे विभिन्न विशेषज्ञता पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थियों को अपने चयनित क्षेत्रों में अनुसंधान का अनुभव एवं प्रशिक्षण प्राप्त होता है।

संस्थान में उच्चस्तरीय पीएच.डी. कार्यक्रम उपलब्ध हैं, जिनके अंतर्गत विद्यार्थी संस्थान के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में उन्नत अनुसंधान कार्य करते हैं।

संस्थान ने अपने स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी. कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम में संशोधन किया है। प्रत्येक कार्यक्रम के प्रत्येक पाठ्यक्रम की व्यापक समीक्षा एवं पुनर्संरचना की गई है। संशोधित पाठ्यक्रम शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू किया गया है।

आई.आई.टी. दिल्ली लगभग प्रत्येक दस वर्ष में समय-समय पर अपने पाठ्यक्रम की समीक्षा करता है। वर्तमान पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया की शुरुआत वर्ष 2022 के प्रारंभ में की गई थी।

पाठ्यक्रम समीक्षा प्रक्रिया के दौरान विभिन्न हितधारकों, अर्थात् हजारों विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों तथा उद्योग विशेषज्ञों से व्यापक फीडबैक लिया गया। इसके पश्चात प्रत्येक विभाग ने पाठ्यक्रम के सूक्ष्म पहलुओं को निर्धारित करने हेतु सैकड़ों हितधारकों से अतिरिक्त प्रतिक्रिया प्राप्त की।

संशोधित स्नातक पाठ्यक्रम की केंद्रीय अवधारणाओं में शैक्षणिक लचीलापन, अनुभवात्मक एवं व्यावहारिक अधिगम पर गहन बल, तथा समकालीन वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप पर्यावरणीय सततता, नैतिक विवेक एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के अध्ययन पर विशेष जोर शामिल है।

का शैक्षणिक वर्ष जुलाई से अगले वर्ष जून तक निर्धारित है तथा इसमें दो नियमित सेमेस्टर सम्मिलित हैं। प्रायः प्रथम सेमेस्टर जुलाई के अंतिम सप्ताह में प्रारंभ होकर दिसंबर के प्रथम सप्ताह में समाप्त होता है, जबकि द्वितीय सेमेस्टर जनवरी के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होकर मई के द्वितीय सप्ताह तक संचालित होता है। आवश्यकता पड़ने पर मई के तृतीय सप्ताह से जुलाई के द्वितीय सप्ताह तक ग्रीष्मकालीन सत्र भी संचालित किया जाता है। प्रत्येक सेमेस्टर की विस्तृत शैक्षणिक गतिविधियाँ सेमेस्टर कार्यक्रम में पूर्वनिर्धारित रूप से प्रकाशित की जाती हैं।

2.2 शैक्षणिक संरचना

संस्थान की प्रमुख शैक्षणिक इकाइयाँ विभाग, केंद्र एवं विद्यालय हैं। अंतरविद्याशाखायी अनुसंधान का संचालन विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से किया जाता है। विभिन्न शैक्षणिक इकाइयाँ नीचे सूचीबद्ध हैं, और उनका विवरण इस दस्तावेज़ में आगे प्रस्तुत किया गया है। विभागों की गतिविधियों में सभी स्तरों पर शिक्षण एवं अनुसंधान शामिल हैं। केंद्रों का मुख्य ध्यान अंतःविषयक अनुसंधान तथा मुख्य रूप से स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण पर होता है।

विभाग

- अनुप्रयुक्त यांत्रिकी
- जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी
- रासायनिक इंजीनियरी
- रसायन विज्ञान
- सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- डिज़ाइन
- विद्युत इंजीनियरी
- उर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी
- मानविकी एवं समाज विज्ञान
- प्रबंध अध्ययन
- पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी
- गणित
- यांत्रिक इंजीनियरी
- भौतिकी
- वस्त्र एवं रेशा इंजीनियरी

केंद्र

- अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान
- वायुमंडलीय विज्ञान
- ऑटोमोटवि रसिर्च और ट्राइबोलॉजी
- जैव चिकित्सा इंजीनियरी
- इंजीनियरी में मूल्य शिक्षा का राष्ट्रीय संसाधन केंद्र
- प्रकाशिकी एवं फोटोनिक्स
- ग्रामीण विकास एवं प्रौद्योगिकी
- सेंसर, इंस्ट्रूमेंटेशन और साइबर फिजिकल सिस्टम इंजीनियरिंग
- परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण केंद्र

स्कूल

- अमरनाथ एवं शशि खोसला सूचना प्रौद्योगिकी
- भारती दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन
- कुसुमा जैव विज्ञान स्कूल
- सार्वजनिक नीति
- अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान स्कूल
- यार्डी स्कूल ऑफ आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस

अन्तरविद्याशाखायी अनुसंधान कार्यक्रम

- ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिकल कम्युनिकेशन
- वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन टूल्स और टेक्नोलॉजी

2.3 अनुसंधान एवं नवाचार

आई.आई.टी. दिल्ली अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार पर विशेष बल देता है। संकाय सदस्य अपनी रुचि के क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करते हैं। पाठ्यक्रम में इसके लिए उपयुक्त सुविधाएँ उपलब्ध होने के कारण अनेक स्नातकोत्तर तथा कुछ स्नातक विद्यार्थी भी इन गतिविधियों में भाग लेते हैं। यद्यपि कुछ अनुसंधान संस्थान द्वारा वित्तपोषित होते हैं, तथापि अधिकांश अनुसंधान गतिविधियाँ/परियोजनाएँ प्रायोजक एजेंसियों एवं/अथवा उद्योगों द्वारा वित्तपोषित होती हैं।

सरकारी एजेंसियों से वित्तपोषित सभी परियोजनाओं तथा उद्योगों द्वारा वित्तपोषित कुछ परियोजनाओं का प्रबंधन संस्थान के "औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास (आई.आर.डी.) एकक" के माध्यम से किया जाता है। अभिनव प्रौद्योगिकी विकास एवं औद्योगिक सहभागिता को "अभिनव परिवर्तन एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रतिष्ठान (FIIT)", जो आई.आई.टी.दिल्ली से संबद्ध एक गैर-लाभकारी संस्था है तथा परिसर में स्थित है, द्वारा प्रोत्साहित किया जाता है।

2.4 सहयोग

आई.आई.टी. दिल्ली राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर उद्योग, शैक्षणिक संस्थानों तथा सरकारों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से संलग्न है। यह सहभागिता संस्थान को वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रगति में अग्रणी स्थान पर बनाए रखने के साथ-साथ पारस्परिक लाभ के लिए ज्ञान के आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करती है। वर्तमान में आई.आई.टी. दिल्ली ने विश्वभर के विभिन्न संगठनों एवं संस्थानों के साथ 86 सक्रिय अंतरराष्ट्रीय समझौता ज्ञापन स्थापित किए हैं।

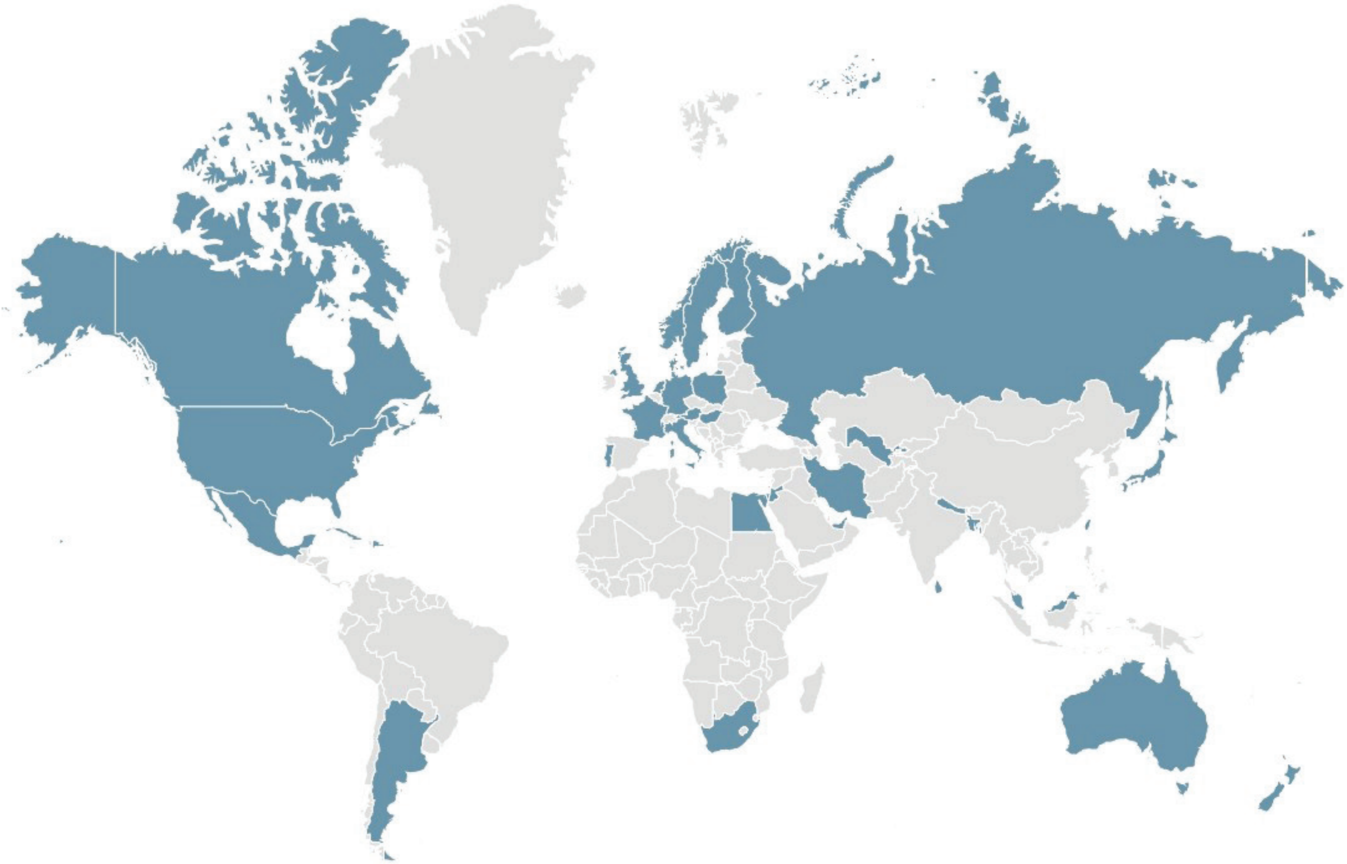

अर्जेंटीना
ऑस्ट्रेलिया
ऑस्ट्रिया
बांग्लादेश
कनाडा
क्यूबा
डेनमार्क
डोमिनिकन गणराज्य
मिस्र
फ़िनलैंड
फ्रांस
जर्मनी
हंगरी
ईरान
इज़राइल
इटली
जापान
मलेशिया
जॉर्डन
नेपाल
मेक्सिको
नीदरलैंड
न्यूज़ीलैंड
नॉर्वे
पोलैंड
पुर्तगाल
रूस
दक्षिण अफ्रीका
श्रीलंका
स्वीडन
ताइवान
यू.ए.ई.
यूनाइटेड किंगडम
संयुक्त राज्य अमेरिका
उज़्बेकिस्तान

2.5 विद्यार्थी विनिमय कार्यक्रम

आई.आई.टी. दिल्ली विभिन्न देशों के अग्रणी संस्थानों के साथ विनिमय कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है। विदेश में अध्ययन करने से विद्यार्थियों को बहुसांस्कृतिक एवं वैश्विक वातावरण का अमूल्य अनुभव प्राप्त होता है, जिससे उन्हें मेज़बान देश के नए दृष्टिकोणों, परंपराओं एवं गतिविधियों को समझने और अनुभव करने का अवसर मिलता है। विभिन्न विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विदेशी विश्वविद्यालयों में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होता है, वहीं उन संस्थानों के विद्यार्थियों को भी आई.आई.टी दिल्ली में अध्ययन करने का अवसर मिलता है। ये अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक विनिमय अवसर सेमेस्टर-आधारित सहभागिता कार्यक्रमों से लेकर एक-वर्षीय अकादमिक कार्यक्रमों तक विस्तारित हैं। विदेश में अपने प्रवास के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न देशों की कार्यप्रणाली तथा उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक विशेषताओं को समझने का अनुभव प्राप्त होता है। यह अनुभव उनकी निर्णय लेने तथा स्वतंत्र रूप से सोचने की क्षमता को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया https://international.iitd.ac.in/student-exchanges/ पर जाएँ। इसके अतिरिक्त, Erasmus+ मोबिलिटी कार्यक्रम के अंतर्गत आई.आई.टी. दिल्ली के विद्यार्थी पाठ्यक्रम समन्वयक से सीधे संपर्क कर अथवा विनिमय प्रक्रिया के माध्यम से Erasmus+ छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं। Erasmus+ विश्व के अन्य भागों से विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं कर्मचारियों को यूरोपीय विश्वविद्यालयों में अल्पकालिक शैक्षणिक आवागमन की सुविधा प्रदान करता है।

2.6 अकादमिक आउटरीच एवं नई पहलें

आई.आई.टी. दिल्ली में, शैक्षणिक आउटरीच एवं नई पहलें कार्यालय (AONI) अपने विभिन्न विस्तार पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करने हेतु उनके साथ मिलकर कार्य करता है। इस कार्यालय का नेतृत्व वर्तमान में सह संकायाध्यक्ष (अकादमिक आउटरीच और नई पहलें) प्रो. शिल्पी शर्मा कर रही हैं (जिन्हें विद्यार्थियो के बीच ADONI के नाम से जाना जाता है)। ADONI विद्यार्थी-चालित सह-पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक सहभागिता परिषद (CAIC) की देखरेख करता है, जिसमें 13 तकनीकी क्लब और 14 तकनीकी सोसाइटी शामिल हैं जिसमें 700 से अधिक विद्यार्थियों की एक टीम शामिल है।

AONI कार्यालय अक्सर वैश्विक लीडर्स की मेजबानी करता है और इसमें बिल गेट्स, डॉ. रघुराम राजन, सुनीता विलियम्स, डॉ. वर्नर वोगेल्स जैसे अग्रणी व्यक्तियों की मेजबानी की जा चुकी है। यह कार्यालय विद्यार्थियों को Amazon, AMD, Meta, CNBC TV18 सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों एवं उद्योग संगठनों के साथ संवाद एवं सहभागिता के अवसर उपलब्ध कराता है।

वार्षिक तकनीकी उत्सव- ट्रायस्ट (TRYST), CAIC टीम द्वारा आयोजित प्रमुख आयोजनों में से एक है। परिषद विद्यार्थियों को Formula Bharat, iGEM, DD Robocon जैसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर भी प्रदान करती है। वार्षिक इंटर आई.आई.टी. टेक मीट की टीम का नेतृत्व CAIC के सदस्य करते हैं। विभिन्न आउटरीच पहलों के माध्यम से विद्यार्थियों को TEDx जैसे मंचों पर अपने विचारों को वैश्विक स्तर पर प्रस्तुत करने का अवसर भी मिलता है। यह इकाई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शाखाओं की स्थापना के माध्यम से विस्तार कर रही है, जो वर्तमान में प्रक्रियाधीन हैं।

2.7 शैक्षणिक कार्यक्रम

आई.आई.टी. दिल्ली विभिन्न पृष्ठभूमि वाले विद्यार्थियों के लिए विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करता है, जो निम्नलिखित है-

डॉक्टर ऑफ़ फिलॉसफी (पीएच.डी.)

सभी विभाग, केंद्र और स्कूल पीएच.डी. कार्यक्रम प्रदान करते हैं।

मास्टर ऑफ़ टेक्नॉलजी (एम.टेक.)

- इंजीनियरी विश्लेषण एवं डिज़ाइन
- बायोमोलेक्यूलर और बायोप्रोसेस इंजीनियरी
- रासायनिक इंजीनियरी
- आणविक इंजीनियरी: रासायनिक संश्लेषण एवं विश्लेषण
- भू-तकनीकी और भू-पर्यावरणीय इंजीनियरी
- रॉक इंजीनियरी एवं भूमिगत संरचनाएं
- स्ट्रक्चरल इंजीनियरी
- ऊर्जा एवं पर्यावरण प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरी
- नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन
- कम्युनिकेशन सिस्टम्स
- एकीकृत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सर्किट
- कंप्यूटिंग और इंटेलिजेंट सिस्टम इंजीनियरी
- सिस्टम, लर्निंग एवं कंट्रोल
- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल मशीनें एवं ड्राइव्स
- स्मार्ट एवं सतत विद्युत प्रणालियाँ
- पदार्थ विज्ञान एवं इंजीनियरी
- मैकेनिकल डिज़ाइन
- औद्योगिक इंजीनियरी
- प्रोडक्शन इंजीनियरी
- थर्मल इंजीनियरी
- अनुप्रयुक्त प्रकाशिकी
- जल संसाधन इंजीनियरी
- निर्माण इंजीनियरी एवं प्रबंधन
- निर्माण प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन
- पर्यावरणीय इंजीनियरी एवं प्रबंधन
- परिवहन इंजीनियरी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- ठोस अवस्था पदार्थ (सॉलिड स्टेट मटेरियल्स)
- फाइबर इंजीनियरी एवं टेक्सटाइल केमिकल प्रोसेसिंग
- वस्त्र इंजीनियरी
- रेडियो फ्रीक्वेंसी डिज़ाइन एवं प्रौद्योगिकी.
- इलेक्ट्रिक मोबिलिटी
- वायुमंडलीय-समुद्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
- जैवचिकित्सा इंजीनियरी
- फोटोनिक्स
- मशीन इंटेलिजेंस और डेटा साइंस (MINDS)
- साइबर सुरक्षा
- इंस्ट्रूमेंट टेक्नॉलजी
- ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं ऑप्टिकल कम्युनिकेशन
- रोबोटिक्स
- दूरसंचार प्रौद्योगिकी और प्रबंधन
- वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन टूल्स एंड टेक्नॉलजी

एम.एससी. (अनुसंधान) [एम.एस.(आर.)]

- अनुप्रयुक्त यांत्रिकी
- वायुमंडलीय एवं महासागरीय विज्ञान
- ऑटोमोटिव अनुसंधान एवं ट्राइबोलॉजी
- दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन
- यांत्रिक इंजीनियरी
- हेल्थकेयर टेक्नॉलजी
- जैविक विज्ञान
- वी.एल.एस.आई. डिज़ाइन टूल्स एवं प्रौद्योगिकी
- सूचना प्रौद्योगिकी
- ऑप्टिक्स एवं फोटोनिक्स
- जैव रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी
- रासायनिक इंजीनियरी
- सिविल एवं पर्यावरणीय इंजीनियरी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी
- विद्युत इंजीनियरी
- सेंसर, इंस्ट्रूमेंटेशन एवं साइबर-भौतिक प्रणाली इंजीनियरी
- मशीन इंटेलिजेंस एवं डेटा विज्ञान
- परिवहन सुरक्षा एवं चोट निवारण

मास्टर ऑफ़ बिज़नेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)

- एम.बी.ए.
- टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम्स मैनेजमेंट
- एक्जीक्यूटिव एम.बी.ए. कार्यक्रम (पार्ट-टाइम)

मास्टर ऑफ़ साइंस (एम.एससी.)

- रसायन विज्ञान
- संज्ञानात्मक विज्ञान
- अर्थशास्त्र
- गणित
- भौतिकी
- जैविक विज्ञान

मास्टर ऑफ़ पब्लिक पॉलिसी (एम.पी.पी.)

- सार्वजनिक नीति

मास्टर ऑफ़ आर्ट्स (एम.ए.)

- संस्कृति, समाज एवं विचार

संयुक्त एम.एससी. आई.आई.टी. सॉरबोन

- सार्वजनिक नीति

मास्टर ऑफ़ डिज़ाइन (एम.डिज़ाइन)

- औद्योगिक डिज़ाइन

दोहरी-डिग्री (बी.टेक. एवं एम.टेक.)

- रासायनिक इंजीनियरी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- गणित एवं कंप्यूटिंग

स्नातकोत्तर डिप्लोमा

- स्नातकोत्तर डी.आई.आई.टी. (नौसैना निर्माण) (भारतीय नौसेना द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थियों के लिए)
- संयुक्त स्नातकोत्तर डिप्लोमा इन विज़नरी लीडरशिप इन मैन्युफैक्चरिंग (वी.एल.एफ.एम.) (आई.आई.एम. मुंबई के साथ संयुक्त रूप से)

बैचलर ऑफ़ साइंस (बी.एससी.)

- रसायन विज्ञान

बैचलर ऑफ़ डिज़ाइन (बी.डिज़ाइन)

- डिज़ाइन

बैचलर ऑफ़ टेक्नॉलजी (बी.टेक.)

- जैव-रासायनिक इंजीनियरी एवं जैव प्रौद्योगिकी
- रासायनिक इंजीनियरी
- कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी
- सिविल इंजीनियरी
- विद्युत इंजीनियरी
- यांत्रिक इंजीनियरी
- प्रोडक्शन एवं इंडस्ट्रीज इंजीनियरी
- विद्युत इंजीनियरी (पावर एवं ऑटोमेशन)
- ऊर्जा विज्ञान एवं इंजीनियरी
- इंजीनियरी एवं संगणनात्मक यांत्रिकी
- पदार्थ इंजीनियरी
- गणित एवं कंप्यूटिंग
- इंजीनियरी भौतिकी
- वस्त्र इंजीनियरी
- डिज़ाइन

3. प्रवेश

आई.आई.टी. दिल्ली के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं उपाधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE Advanced), डिज़ाइन हेतु स्नातक सामान्य प्रवेश परीक्षा (UCEED), ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरी (GATE), डिज़ाइन हेतु सामान्य प्रवेश परीक्षा (CEED), कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) तथा एम.एससी. हेतु संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JAM) जैसी विभिन्न राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से किया जाता है।

3.1 स्नातक कार्यक्रम

अध्याय 2 में सूचीबद्ध सभी स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश- बी.टेक./बी.एस./ड्युअल डिग्री के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जे.ई.ई.) (मेन्स एवं एडवांस्ड) के माध्यम से तथा बी.डिज़ाइन के लिए अंडरग्रेजुएट कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन फॉर डिज़ाइन (UCEED) के माध्यम से किया जाता है (अधिक जानकारी के लिए कृपया UCEED: वेबसाइट (https://www.uceed.iitb.ac.in/2026/) देखें। बी.टेक. इन डिज़ाइन के लिए प्रवेश जे.ई.ई. (मेन्स और एडवांस्ड) के माध्यम से होगा, जिसमें UCEED एक पात्रता आवश्यकता के रूप में अनिवार्य होगा।

विज़िटिंग स्टूडेंटशिप

स्नातक विद्यार्थियों के लिए

भारत या विदेश के किसी मान्यता प्राप्त संस्थान/विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग या टेक्नॉलजी की डिग्री के लिए पंजीकृत विद्यार्थी अधिकतम 6 महीने/एक सत्रार्ध के लिए, आई.आई.टी. दिल्ली में विज़िटिंग विद्यार्थी के रूप में विचार करने के लिए पात्र है। अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर देखें: https://academics.iitd.ac.in/

हाई स्कूल के विद्यार्थियों के लिए

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में अधिकतम छह माह की अवधि तक प्रयोगशाला एवं अन्य शैक्षणिक सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु विद्यार्थी का भारत अथवा विदेश के किसी मान्यता प्राप्त उच्च विद्यालय में पंजीकृत होना आवश्यक है। भारतीय नागरिकता नहीं रखने वाले विद्यार्थियों के लिए आगंतुक विद्यार्थी के रूप में प्रवेश भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में प्रवेश ग्रहण करने के समय वैध वीज़ा प्रस्तुत किए जाने की शर्त के अधीन होगा।

उन्नत स्तर सहित स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में स्नातक विद्यार्थियों का प्रवेश

आई.आई.टी.दिल्ली के उन्नत स्तर (Advanced Standing) प्राप्त स्नातक विद्यार्थी आई.आई.टी. दिल्ली के स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु पात्र हैं। इस संबंध में विस्तृत विवरण Courses of Study में उपलब्ध है।

ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फेलोशिप

अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों/संस्थानों के विद्यार्थियों को आई.आई.टी. दिल्ली में चल रही अनुसंधान गतिविधियों से परिचित कराने के उद्देश्य से, संस्थान ने अन्य इंजीनियरी संस्थानों के स्नातक विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फेलोशिप कार्यक्रम संचालित किया है।

3.2 स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रवेश प्रक्रिया

प्रत्येक वर्ष मार्च/अक्टूबर में कार्यक्रमों का विज्ञापन जारी कर अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके पश्चात अभ्यर्थियों को विज्ञापन में दिए गए निर्देशों के अनुसार ऑनलाइन आवेदन करना होता है।

सामान्यतः, एम.टेक. कार्यक्रमों में प्रवेश ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरी (GATE), एम.डिज़ाइन के लिए कॉमन एंट्रेंस एग्ज़ामिनेशन फॉर डिज़ाइन (CEED), एम.बी.ए. के लिए कॉमन एडमिशन टेस्ट (CAT) तथा एम.एससी. कार्यक्रमों के लिए जॉइंट एडमिशन टेस्ट (JAM) के माध्यम से किया जाता है। पात्रता की विस्तृत शर्तों एवं चयन प्रक्रिया के लिए कृपया अनुभाग 3.5 देखें।

पीएच.डी. / एम.एस. (अनुसंधान) कार्यक्रम में प्रवेश, वर्ष में किसी भी समय संकायाध्यक्ष, शैक्षणिक की स्वीकृति से विभाग अनुसंधान समिति (DRC) / केंद्र अनुसंधान समिति (CRC) / विद्यालय अनुसंधान समिति (SRC) के माध्यम से हो सकता है। अधिक जानकारी के लिए कृपया संस्थान की वेबसाइट www.iitd.ac.in देखें।

आई.आई.टी. दिल्ली, स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर प्रवेश में आरक्षण नीति का पालन करता है तथा समय-समय पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क संरचना के अनुसार शुल्क निर्धारित एवं अधिरोपित करता है।

संस्थान के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु एक स्नातकोत्तर कार्यक्रम से दूसरे स्नातकोत्तर कार्यक्रम में स्थानांतरण का प्रावधान उपलब्ध है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों को (i) एम.टेक./एम.एस. (अनुसंधान) से पीएच.डी., (ii) एम.टेक. से एम.एस. (अनुसंधान), तथा (iii) एम.एस. (अनुसंधान) से एम.टेक. कार्यक्रम में स्थानांतरित होने की सुविधा प्रदान की जाती है। इन प्रावधानों का विस्तृत विवरण Courses of Study में उपलब्ध है।

विदेशी विद्यार्थी का प्रवेश

संस्थान में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (एम. एससी./एम. टेक./एम. एस. (अनुसंधान)/एम. डिज./एम. बी. ए/एम. पी. पी./पीएच. डी.) में प्रवेश के लिए विदेशी विद्यार्थी से आवेदन सीधे संस्थान द्वारा प्राप्त किए जाते हैं। (अधिक जानकारी के लिए कृपया https://international.iitd.ac.in/ देखें।

- **अंतरराष्ट्रीय पीएच.डी. फेलोशिप कार्यक्रम (आई.पी.एफ.पी.) :**

आई.आई.टी. दिल्ली ने प्रतिभाशाली युवाओं को वैश्विक स्तर पर आकर्षित करने के प्रयास के रूप में अंतरराष्ट्रीय पीएच.डी. फेलोशिप कार्यक्रम (IPFP) की घोषणा की है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय पीएच.डी. विद्यार्थियों को भारतीय विद्यार्थियों के समान फेलोशिप प्रदान की जाती है।

- **अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स छात्रवृत्ति कार्यक्रम:**

ऐसे अंतरराष्ट्रीय एम.टेक./एम.डिज़ाइन/एम.एस. (अनुसंधान) विद्यार्थियों के लिए सीमित संख्या में छात्रवृत्तियाँ उपलब्ध हैं, जिन्होंने GATE/CEED अर्हता प्राप्त नहीं की है। यह सहायता भारतीय विद्यार्थियों के बराबर है। हालांकि, ऐसे विद्यार्थियों का चयन संबंधित शैक्षणिक इकाइयों की अनुशंसा के आधार पर एक केंद्रीय समिति द्वारा किया जाएगा।

- **सांस्कृतिक विनिमय फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत अभ्यर्थी:**

इस फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आई.आई.टी. दिल्ली के स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एम.एससी. / एम.डिज़ाइन / एम.टेक /एम.बी.ए. /एम.एस. (अनुसंधान) / एम.पी.पी. / पीएच.डी.) में प्रवेश के इच्छुक विदेशी नागरिकों को अपने-अपने देशों में स्थित भारतीय उच्चायोगों/दूतावासों में आवेदन करना आवश्यक है। अभ्यर्थियों के मामले की जांच करने के बाद, संबंधित भारतीय उच्चायोग/दूतावास नामों की अनुशंसा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), नई दिल्ली को करेंगे। तत्पश्चात भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद निर्धारित प्रक्रिया के अंतर्गत चयन हेतु अभ्यर्थियों के नाम इस संस्थान को प्रेषित करेगा।

- **समझौता ज्ञापन (MoU) के अंतर्गत विद्यार्थी :**

संस्थान में विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों (एम. एससी. / एम.टेक / एम.एस. (अनुसंधान) / एम. डिज़ाइन / एम.बी.ए. / एम.पी.पी. / एम.ए. / पीएच.डी.) में विदेशी विद्यार्थी का प्रवेश, आई.आई.टी. दिल्ली तथा संबंधित देश / विश्वविद्यालय / संस्थान के बीच हुए समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) की शर्तों एवं नियमों के अनुसार किया जाएगा।

3.3 संयुक्त डिग्री कार्यक्रम

आई.आई.टी. दिल्ली निम्नलिखित प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थानों के सहयोग से डॉक्टरल स्तर पर संयुक्त उपाधि कार्यक्रमों के संचालन की दिशा में सक्रिय पहल कर रहा है।

- **आई.आई.टी. दिल्ली और क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के बीच संयुक्त पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रम**

  इस कार्यक्रम के तहत, पीएच.डी. विद्यार्थियों (भारत, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देश के विद्यार्थी) को प्रवेश दिया जाएगा। आई.आई.टी. दिल्ली और क्वींसलैंड विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य संयुक्त रूप से परियोजनाएँ तैयार करेंगे और इन परियोजनाओं के लिए विद्यार्थियों का चयन संयुक्त रूप से किया जाएगा।

  इस अकादमी के अंतर्गत विद्यार्थी अपने मूल संस्थान में तीन वर्ष तथा सहयोगी संस्थान में कम-से-कम एक वर्ष व्यतीत करेंगे। कार्यक्रम की सभी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त डिग्री प्रदान की जाएगी। (अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://uqiitd.org/ देखें)

- **आई.आई.टी. दिल्ली और नेशनल यांग मिंग चिआओ तुंग विश्वविद्यालय (NYCU), ताइवान के बीच संयुक्त पीएच.डी. डिग्री कार्यक्रम**

  यह एक उद्योग-प्रायोजित संयुक्त डिग्री कार्यक्रम है। इस संयुक्त डिग्री कार्यक्रम (JDP) के माध्यम से एक शैक्षणिक और विद्यार्थी विनिमय विकसित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत जो विद्यार्थी कार्यक्रम की सभी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे, उन्हें दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त डिग्री प्रदान की जाएगी। विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों में प्रवेश दिया जाएगा, चाहे वे कार्यक्रम में शामिल होने के समय हों या नियमित पीएच.डी. कार्यक्रम में शामिल होने के बाद। (अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.iitd.ac.in देखें)

- **स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में आई.आई.टी. दिल्ली और सोरबोन विश्वविद्यालय के बीच संयुक्त पीएच.डी. कार्यक्रम।**

3.4 छात्रवृत्तियाँ

स्नातक कार्यक्रम

संस्थान की योग्यता-सह-साधन (Merit-cum-Means) छात्रवृत्तियाँ

संस्थान इंजीनियरी और प्रौद्योगिकी के स्नातक विद्यार्थियों को मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। ये छात्रवृत्तियाँ उन लगभग 25% विद्यार्थियों को दी जाती हैं जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये तक होती है।

मेरिट-कम-मीन्स छात्रवृत्ति का वर्तमान मूल्य सामान्य/ओ.बी.सी./ई.डब्ल्यू.एस. विद्यार्थियों के लिए 4000 रुपये प्रति माह है, जो ई.आर.पी. (ERP) पर हर वर्ष वैध पारिवारिक आय प्रमाण अपलोड करने पर दी जाती है। इस छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता को ट्यूशन फीस से भी छूट दी गई है।

इस MCM छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के लिए विद्यार्थियों को न्यूनतम सी.जी.पी.ए. और एस.जी.पी.ए., अर्थात् 6.0, बनाए रखना आवश्यक है।

संस्थान योग्यता पुरस्कार और प्रमाण पत्र

संस्थान प्रत्येक 4-वर्षीय बी.टेक. और 5-वर्षीय ड्युअल डिग्री कार्यक्रमों के शीर्ष 7% विद्यार्थियों को 8वें/10वें सत्रार्ध तक प्रत्येक सत्रार्ध में योग्यता (मेरिट) पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान करता है। मेरिट पुरस्कार का मूल्य प्रति सत्रार्ध 2500 रुपये है।

संस्थान निःशुल्क छात्रवृत्ति

संस्थान योग्यता-सह-साधन के पात्र विद्यार्थियों के 25% से अधिक होने पर केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर 10% विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस में छूट प्रदान करता है।

अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और दिव्यांग (PwD) विद्यार्थियों के लिए शिक्षण शुल्क में छूट

शिक्षण शुल्क छूट सभी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/पी.डब्ल्यू.डी. विद्यार्थियों के लिए स्वीकार्य है, चाहे उनके माता-पिता/अभिभावक की आय कुछ भी हो। संस्थान ई.आर.पी. पर वार्षिक रूप से वैध पारिवारिक आय प्रमाण अपलोड करने पर इन श्रेणियों के विद्यार्थियों को कई अन्य लाभ प्रदान करता है।

संस्थान की निःशुल्क भोजन सुविधा और पॉकेट भत्ता

इसमें बेसिक मेन्यू चार्ज के साथ-साथ अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए एक निश्चित अवधि (कार्यक्रम के अनुसार) तक 1000 रुपये प्रति माह का पॉकेट भत्ता शामिल होता है, बशर्ते विद्यार्थी की वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये से कम हो।

वैध पारिवारिक आय प्रमाण को प्रत्येक वर्ष SCorner पर अपलोड करना आवश्यक है।

दाता छात्रवृत्तियाँ

संस्थान में कई दाता छात्रवृत्तियाँ संचालित की जा रही हैं। ये छात्रवृत्तियाँ परिवार की आय, कार्यक्रम, लिंग, शाखा, जे.ई.ई. रैंक और शैक्षणिक प्रदर्शन (एस.जी.पी.ए./सी.जी.पी.ए.) पर आधारित होती हैं। इन छात्रवृत्तियों को पूर्व विद्यार्थियों, व्यक्तियों, न्यासों और संगठनों से प्राप्त अनुदान से आरंभ किया गया है। इसके लिए परिवार की आय का वैध प्रमाण प्रत्येक वर्ष ई.आर.पी. पर अद्यतित करना आवश्यक है। अधिकांश दाता छात्रवृत्तियों की प्रक्रिया स्वत: ही शुरू होती है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रम

संस्थान की योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति योजना

संस्थान के द्वारा एम.ए., एम.एससी. और एम.पी.पी. कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती है।

ये छात्रवृत्तियाँ लगभग ऐसे 25% विद्यार्थियों, जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये तक होती है, को दी जाती हैं।

योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति की वर्तमान राशि सामान्य/अ.पि.व./आर्थिक रूप से कमज़ोर विद्यार्थियों के लिए 4000/- रुपये प्रति माह है और छात्रवृत्ति पाने वाले विद्यार्थियों को ट्यूशन फीस देने से छूट प्राप्त है। प्रत्येक वर्ष ई.आर.पी. पर परिवार की आय का वैध प्रमाण अद्यतित करना अनिवार्य है।

इस योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति के नवीनीकरण के लिए विद्यार्थियों को न्यूनतम सी.जी.पी.ए. और एस.जी.पी.ए. अर्थात् 6.0 प्राप्त करना आवश्यक है।

एम.टेक., एम.एस. (अनुसंधान) और एम. डिज़ाइन कार्यक्रम

संस्थान द्वारा एम.टेक., एम.एस. (अनुसंधान) और एम.डिज़ाइन कार्यक्रम के विद्यार्थियों को भारत सरकार के वर्तमान दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान किया जाता है। यह वित्तीय सहायता शिक्षण/अनुसंधान सहायता के बदले में दी जाती है। इसके अतिरिक्त, उद्योगों, पूर्व विद्यार्थियों और व्यक्तियों द्वारा अन्य फेलोशिप एवं छात्रवृत्तियाँ भी उपलब्ध हैं।

पीएच.डी. कार्यक्रम

आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा पीएच.डी. कार्यक्रमों के विद्यार्थियों को भी भारत सरकार के मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत, पूर्णकालिक आधार पर प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों को शिक्षण/अनुसंधान सहायता के लिए प्रस्ताव दिया जाता है। ऐसा तभी किया जाता है जब उन्हें किसी बाह्य स्रोत से कोई अन्य समकक्ष फेलोशिप प्राप्त न हो रही हो। इसके अतिरिक्त, विभिन्न स्रोतों से कुछ चुनिंदा शोधार्थियों के लिए कुछ अत्यंत महत्त्वपूर्ण फेलोशिप भी उपलब्ध हैं।

3.5 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश

एम.एससी.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

सामान्य/अ.पि.व. (नॉन क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लिए अर्हक उपाधि में बिना पूर्णांक (राउंड ऑफ़- जिसमें भाषा और सहायक विषयों सहित सभी विषय और सभी वर्षों के अंक शामिल हों) किए न्यूनतम 55%* कुल अंक या 10-पॉइंट स्केल पर 5.5 सी.जी.पी.ए./सी.पी.आई.।

जिन विद्यार्थियों के पास अन्य पैमानों पर लेटर ग्रेड/सी.जी.पी.ए. हैं, उनकी समकक्षता संस्थान द्वारा तय की जाएगी।

एम.एससी. (रसायन विज्ञान) के लिए: स्नातक उपाधि जिसमें रसायन विज्ञान एक विषय के रूप में तीन वर्ष/छह सेमेस्टर तक रहा हो और गणित (10+2) स्तर पर पढ़ा हो।

एम.एससी. (गणित) के लिए: स्नातक उपाधि जिसमें गणित एक विषय के रूप में कम से कम दो वर्ष/चार सेमेस्टर तक रहा हो।

एम.एससी. (भौतिक विज्ञान) के लिए: स्नातक उपाधि जिसमें भौतिक विज्ञान एक विषय के रूप में दो वर्ष/चार सेमेस्टर तक रहा हो और गणित कम से कम एक वर्ष/दो सेमेस्टर तक पढ़ा हो।

एम.एससी. (अर्थशास्त्र) के लिए: बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम./बी.टेक./बी.ई./बी.स्टेट/बी.मैथ. में 3 या 4 वर्ष की स्नातक उपाधि या समकक्ष।

एम.एससी. (कॉग्निटिव साइंस) के लिए: बी.ए./बी.एससी./बी.कॉम./बी.एम.एस./बी.टेक./बी.ई./बी.स्टेट/बी.मैथ. या समकक्ष।

एम.एससी. (जैविक विज्ञान) के लिए: एस.टी.ई.एम. (STEM) की किसी भी शाखा में 3 या 4 वर्ष की स्नातक उपाधि।

चयन का आधार:

- रसायन विज्ञान, गणित, भौतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र और जीव विज्ञान में एम.एससी. के लिए जेम (JAM)
- गेट (GATE) और साक्षात्कार (कॉग्निटिव साइंस के लिए)

एम.टेक.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

सामान्य/अ.पि.व. (नॉन-क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग श्रेणी के विद्यार्थी, जिनके पास वैध गेट स्कोर हो और बी.ई./बी.टेक./बी.एस./बी.एससी. (कम से कम 4 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम)/ एम.एससी. या इसके समकक्ष उपाधि, जिसमें (a) 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. या कुल मिलाकर 60% अंक हों।

केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों (CFTIs) में वर्तमान में पंजीकृत विद्यार्थी जिनका सी.जी.पी.ए. 8.00 या उससे ज़्यादा (10-पॉइंट स्केल पर) है और जिन्होंने 12वीं कक्षा पूरी करने के बाद कम से कम चार वर्ष का नियमित स्नातक पूर्व कार्यक्रम (जैसे बी.ई./बी.टेक./बी.एस./बी.एससी. या इसके समकक्ष कोई उपाधि) किया है—और जिसमें प्रवेश जे.ई.ई. के आधार पर होता है—उनके लिए गेट/राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता नहीं है।

ए.एम.आई.ई./ आई.ई.टी.ई. स्नातक अभ्यर्थी पात्र हैं, बशर्ते वे टिप्पणी* 7 में दी गई शर्त पूरी करते हों।

चयन का आधार:

गेट (GATE) और/या (लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार)

अंशकालिक:

सामान्य/अ.पि.व. (नॉन क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्गों के अभ्यर्थी जिनके बी.ई./बी.टेक./ बी.एस./बी.एससी. (कम से कम 4 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम)/ एम.एससी. या संबंधित क्षेत्र में इसके समकक्ष उपाधि, जिसमें (a) 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. या समग्र रूप से 60% अंक हों, और न्यूनतम अनुभव (तालिका 3.5.1 के अनुसार) हो। नियोक्ता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' (नोट 4 के अनुसार) जमा करना अनिवार्य है। संस्थान आई.आई.टी. दिल्ली से 50 कि.मी. के दायरे में स्थित होना चाहिए। नोट 4 भी देखें।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

प्रायोजित पूर्णकालिक

एम.टेक. (अंशकालिक) की आवश्यकताओं और नियोक्ता से प्रायोजित प्रमाणपत्र के संबंध में भी यही नियम लागू होंगे, जैसा कि नोट* 5 में बताया गया है।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

एम. डिज़ाइन

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

बी.एड./बी.टेक/बी.डेस./बी.आर्क/बी.एफ.ए. (4 वर्ष की अवधि)/ बी.वी.ए. (4 वर्ष की अवधि), एम.एससी./ एम.ए. या संबंधित क्षेत्र में इसके समकक्ष उपाधि, जिसमें 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. या समग्र रूप से 60% अंक हों और एक वैध सी.ई.ई.डी. स्कोर हो।

चयन का आधार:

सी.ई.ई.डी. और साक्षात्कार

एम.बी.ए.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

एम.बी.ए.

सामान्य/अ.पि.व. (नॉन-क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों लिए एक वैध सी.ए.टी. (CAT) स्कोर के साथ स्नातक उपाधि या इसके समकक्ष (10+2 के बाद कम से कम 3 वर्ष की अवधि), जिसमें 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 का सी.जी.पी.ए. हो, या समग्र रूप से 60% अंक हों।

चयन का आधार:

व्यक्तिगत साक्षात्कार

टेलीकम्यूनिकेशन सिस्टम मैनेजमेंट में एम.बी.ए.

सामान्य/अ.पि.व. (नॉन-क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के लिए वैध सी.ए.टी. (CAT) स्कोर के साथ इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी वास्तुकला/भेषज विज्ञान/बी.एससी. कृषि इंजीनियरी में स्नातक उपाधि (10+2 के बाद कम से कम 4 वर्ष) या भौतिक/रासायनिक/गणित विज्ञान की किसी भी शाखा जैसे भौतिक विज्ञान/रसायनशास्त्र/गणित/सांख्यिकी/कंप्यूटर एप्लीकेशन/इलेक्ट्रॉनिकी विज्ञान/पर्यावरण विज्ञान में स्नातक उपाधि, या कम्प्यूटेशनल/सूचना विज्ञान/कृषि; या वाणिज्य/अर्थशास्त्र/सी.ए./आई.सी. डब्ल्यू.ए. में स्नातक उपाधि, जिसमें 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. या समग्र रूप से 60% अंक हों।

चयन का आधार:

व्यक्तिगत साक्षात्कार

अंशकालिक

एग्जीक्यूटिव एम.बी.ए. (सायं काल में कक्षाएँ)

- सामान्य/अ.पि.व. (नॉन-क्रीमी लेयर)/आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के लिए स्नातक उपाधि या इसके समकक्ष (10+2 के बाद कम से कम 3 वर्ष), जिसमें 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. या कुल मिलाकर 60% अंक हों।
- कम से कम 3 वर्ष का कार्य अनुभव।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

संस्कृति, समाज और चिंतन में एम.ए.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

- किसी भी विषय में बी.ए. की उपाधि के साथ स्नातक: समग्र रूप से न्यूनतम 55%* अंक या 10-पॉइंट स्केल पर 5.5 सी.जी.पी.ए./सी.पी.आई.।
- अन्य सभी विषयों के स्नातक (जैसे, बी.टेक, बी.एससी., बी.कॉम, बी.डिज़ाइन, बी.एड.): फर्स्ट डिवीज़न या 10-पॉइंट स्केल पर इसके समकक्ष सी.जी.पी.ए./सी.पी.आई.।
- अर्हता उपाधि प्रदर्शन की गणना सभी सेमेस्टर/वर्षों में भाषाओं और सहायक सहित सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए अर्हता उपाधि के सभी वर्षों में प्रदर्शन को मिलाकर की जाती है।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा/गेट स्कोर (किसी भी XH विषय में) और/या साक्षात्कार में प्रदर्शन।

एम.एस. (आर.)

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक/अंशकालिक और प्रायोजित

- केंद्र द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों (CFTIs) में बी.टेक./बी.ई./इंटीग्रेटेड एम. टेक./ इंटीग्रेटेड एम.एससी. कार्यक्रम (या न्यूनतम चार वर्ष के किसी भी दूसरे कार्यक्रम, जिसमें प्रवेश जे.ई.ई. के आधार पर होता है), के लिए आई.आई.टी. दिल्ली में एम.एस. (आर.) कार्यक्रम में प्रवेश के लिए गेट/जेस्ट/राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ऐसे विद्यार्थियों का स्नातक में (और एम.एस. (आर.) कार्यक्रम के लिए औपचारिक रूप से पंजीकरण करने से पहले) सी.जी.पी.ए. 8.0 या उससे अधिक होना चाहिए।
- केंद्र द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों (CFTIs) से बी.टेक./बी.ई./बी.एस./बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम), इंटीग्रेटेड एम. एससी. कार्यक्रम (या न्यूनतम चार वर्ष के किसी भी दूसरे कार्यक्रम, जिसमें प्रवेश जे.ई.ई. के आधार पर होता है) की उपाधि प्राप्त करने वाले सभी स्नातक विद्यार्थियों के लिए, एम.एस. (आर.) कार्यक्रम में प्रवेश पर विचार करने हेतु गेट/जेस्ट/ राष्ट्रीय परीक्षा की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है; बशर्ते स्नातक में उनका सी.जी.पी.ए. 8.0 या उससे अधिक हो।

किसी भी आई.आई.टी. से 8.0 या उससे अधिक सी.जी.पी.ए. के साथ एम.ए./एम.एससी. करने वाले विद्यार्थियों के लिए गेट/जेस्ट /राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता भी समाप्त कर दी गई है।

चयन का आधार:

संबंधित एम. टेक. के लिए आवश्यकताओं के समान

एम.पी.पी.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

एम.बी.बी.एस., बी.ए. एल.एल.बी. (ऑन.), बी.आर्क. या इसके समकक्ष में पांच वर्ष की स्नातक उपाधि; बी.टेक, बी.एससी. (कृषि), बी.वी.एससी. या इसके समकक्ष में चार वर्ष की स्नातक उपाधि; एम.ए., एम.एससी., एम.फिल., इंटीग्रेटेड एम.एससी./एम.ए., एम.टेक. या इसके समकक्ष में स्नातकोत्तर उपाधि में 60% या 10-पॉइंट स्केल पर 6.00 सी.जी.पी.ए. हो।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

पीएच.डी.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पूर्णकालिक

सामान्य/अ.पि.व./आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के लिए 10-पॉइंट स्केल पर सी.जी.पी.ए. 6.00 या कुल मिलाकर 60% अंकों के साथ इंजीनियरी/प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर उपाधि या विज्ञान/मानविकी/इतिहास या संबंधित विषय में इसके समकक्ष योग्यता।

पूर्णकालिक विद्यार्थी, जिनके पास एम.टेक या समकक्ष उपाधि नहीं है, उनके लिए एक वैध गेट/जेस्ट/सी.ई.ई.डी. * स्कोर, या यू.जी.सी/ सी.एस.आई.आर./डी.बी.टी./आई.सी.एम.आर./इंस्पायर/डी.एस.टी./ एन.बी.एच.एम. फेलोशिप परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

अथवा

बी.टेक/बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम) या इसके समकक्ष, जिसमें 10-पॉइंट स्केल पर 7.0 सी.जी.पी.ए. या समग्र रूप से 70% अंक हों, और जिन्होंने गेट/जेस्ट या यू.जी.सी/ सी.एस.आई.आर./डी.बी.टी./आई.सी.एम.आर./इंस्पायर/डी.एस.टी./एन.बी.एच.एम. फेलोशिप उत्तीर्ण की हो। जैव-चिकित्सा इंजीनियरी के लिए एम.बी.बी.एस. के साथ 60% अंक या अधिक वाले अभ्यर्थी भी प्रवेश के लिए पात्र होंगे, बशर्ते उन्होंने आई.सी.एम.आर. उत्तीर्ण किया हो। एम.बी.बी.एस. के बाद 60% अंक या अधिक के साथ मेडिसिन (एम.डी.)/सर्जरी (एम.एस.) में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त अभ्यर्थी भी सी.बी.एम.ई. में पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए पात्र होंगे।

- केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों (CFTIs) में वर्तमान में पंजीकृत जिन विद्यार्थियों का सी.जी.पी.ए. 8.00 या उससे ज़्यादा (10-पॉइंट स्केल पर) है और जो बी.टेक/बी.ई./ इंटीग्रेटेड एम.टेक/ इंटीग्रेटेड एम.एससी कार्यक्रम (या न्यूनतम चार वर्ष के किसी भी दूसरे कार्यक्रम, जिसमें प्रवेश जे.ई.ई. के आधार पर होता है) के आखिरी सेमेस्टर/वर्ष में हैं, आई.आई.टी. दिल्ली में पीएचडी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए गेट/राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, ऐसे अभ्यर्थियों का स्नातक में (और पीएचडी. कार्यक्रम के लिए औपचारिक रूप से पंजीकरण करने से पहले) सी.जी.पी.ए. 8.0 या उससे ज़्यादा होना चाहिए।

- केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी संस्थानों के उन सभी स्नातकों जिन्हें बी.टेक/बी.ई/बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष का नियमित पाठ्यक्रम) या इंटीग्रेटेड एम. एससी. (या न्यूनतम चार वर्ष का कोई भी दूसरा कार्यक्रम, जिसमें प्रवेश जे.ई.ई. के आधार पर होता है) की उपाधि प्राप्त है और स्नातक में 8.0 या उससे ज़्यादा सी.जी.पी.ए. प्राप्त किया है, के लिए पीएचडी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए गेट/जेस्ट/राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है।
- किसी भी आई.आई.टी. से एम.ए. या एम.एससी. की उपाधि प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों, जिनका सी.जी.पी.ए. 8.0 या उससे अधिक है, के लिए गेट/जेस्ट/राष्ट्रीय परीक्षा की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

अंशकालिक

पीएच.डी. (पूर्णकालिक) के समान ही, न्यूनतम अनुभव (तालिका 3.5-1 के अनुसार) और नियोक्ता से 'अनापत्ति प्रमाण पत्र' आवश्यक है।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

प्रायोजित पूर्णकालिक या अंशकालिक

पीएच.डी. (पूर्णकालिक) के समान ही, और नियोक्ता से प्रमाण पत्र (नोट 8 के अनुसार)। किसी गेट/जेस्ट/ राष्ट्रीय परीक्षा की आवश्यकता नहीं है (नोट*11)।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

दिल्ली में पदस्थ अंशकालिक विदेशी नागरिक।

पूर्णकालिक के समान; नोट* 12 में निर्धारित शर्तों के अधीन।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

संयुक्त पीएच.डी.

प्रवेश के लिए न्यूनतम पात्रता :

पी.एम.आर.एफ.

प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप (पी.एम.आर.एफ.) योजना के अंतर्गत संस्थान को एक निश्चित संख्या में फेलोशिप आवंटित की जाती हैं। हालांकि पी.एम.आर.एफ. शोधार्थियों पर वही शैक्षणिक नियम लागू होते हैं, जो किसी भी अन्य शोधार्थी पर लागू होते हैं; वहीं पी.एम.आर.एफ. शोधार्थियों का चयन सभी आई.आई.टी./आई.आई.एस.सी. में एक केंद्रीकृत प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। (अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://pmrf.in/ देखें)।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

आई.आई.टी.डी.-क्यू.यू. संयुक्त पीएच.डी.

क्यू.यू. और आई.आई.टी.डी. में संयुक्त पीएच.डी. में प्रवेश के लिए कृपया https://uqiitd.org/ देखें।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

आई.आई.टी.डी.-एन.वाई.सी.यू. संयुक्त पीएच.डी.

इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक संस्थान को अपने स्वयं के मानदंडों के अनुरूप अपने मूल संस्थान में विद्यार्थियों को प्रवेश देना होता है। विद्यार्थियों को सह-पर्यवेक्षक (Co-Supervisor) की पहचान करने के उपरांत ही मेज़बान संस्थान में प्रवेश के लिए आवेदन करना होगा। मेज़बान संस्थान अपने मानदंडों के अनुसार चयन करेगा। विद्यार्थी अपने मूल संस्थान में प्रवेश लेने के 12 महीनों के भीतर मेज़बान संस्थान में प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं।

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आई.आई.टी.डी.- सोरबोन विश्वविद्यालय संयुक्त पीएच.डी. कार्यक्रम।

चयन का आधार:

लिखित परीक्षा और/या साक्षात्कार

नोट/टिप्पणी:

1. 15% सीटें अ.जा. के अभ्यर्थियों के लिए, 7.5% अ.ज.जा. अभ्यर्थियों के लिए, 27% अ.पि.व. (नॉन-क्रीमी लेयर) अभ्यर्थियों के लिए और 10% आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं।

2. अ.जा., अ.ज.जा. और दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए अर्हक उपाधि में 5% अंकों या 0.5 सी.जी.पी.ए. (दस-पॉइंट स्केल पर) की छूट दी जाएगी। न्यूनतम अर्हक मानदंडों में सी.जी.पी.ए. में 5.50 तक या 55% अंकों तक में छूट उन सामान्य/ अ.पि.व./ आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को दी जा सकती है, जिनके पास मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग में पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए अंग्रेज़ी में एम.ए. की उपाधि है।

3. विभिन्न स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूर्णकालिक विद्यार्थियों के लिए आबंटित की गई सीटों में से 5% सीटें (प्रायोजित विद्यार्थियों, अन्य स्रोतों से असिस्टेंशिप पाने वाले विद्यार्थियों और विदेशी विद्यार्थियों को छोड़कर) दिव्यांगजन के लिए आरक्षित हैं। दिव्यांगजन कोटे के तहत चयनित अभ्यर्थियों को उनकी संबंधित श्रेणियों जैसे अ.जा., अ.ज.जा., अ.पि.व., आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग/सामान्य वर्ग में रखा जायेगा।

4. अनापत्ति प्रमाण पत्र में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि अभ्यर्थी को अंशकालिक आधार पर अपनी पढ़ाई जारी रखने की अनुमति है और पढ़ाई की अवधि के दौरान उसका स्थानांतरण किसी अन्य स्थान पर नहीं किया जाएगा।

5. प्रायोजन पत्र (प्रायोजक संगठन के पत्रशीर्ष पर) में यह स्पष्ट रूप से उल्लेख होना चाहिए कि अध्ययन की अवधि में अभ्यर्थी को 'ड्यूटी पर' माना जाएगा, जिसके लिए सामान्य वेतन और भत्ते दिए जाएँगे; साथ ही, अध्ययन की पूरी अवधि के लिए उन्हें कार्यभार से पूर्णतः मुक्त कर दिया जाएगा और अध्ययन अवकाश प्रदान किया जाएगा।

6. एग्जीक्यूटिव एम.बी.ए. कार्यक्रम के लिए कक्षाएँ शाम को आयोजित की जाती हैं।

7. न्यूनतम पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले ए.एम.आई.ई./ आई.ई.टी.ई. स्नातक अभ्यर्थियों को संबंधित कार्यक्रम द्वारा निर्धारित स्नातक स्तर के 24 अर्जित क्रेडिट पूर्ण करने हेतु विज़िटिंग विद्यार्थी के रूप में प्रवेश दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। इसके उपरांत उन्हें GATE परीक्षा में सम्मिलित होकर एम.टेक. कार्यक्रम में प्रवेश हेतु पुनः आवेदन करना होगा।

8. अंशकालिक अभ्यर्थियों को संगठन के संबंधित अधिकारी से उचित पत्रशीर्ष पर एक "अनापत्ति प्रमाण पत्र" (NOC) जमा करना आवश्यक है, जिसमें निम्नलिखित बिंदु स्पष्ट रूप से अंकित हों:

   i. अभ्यर्थी को अंशकालिक आधार पर अध्ययन करने की अनुमति है।

   ii. उन्हें ड्यूटी से पूरी तरह मुक्त कर दिया जाएगा और कोर्स वर्क पूरा करने के लिए आवश्यक रेजिडेंसी अवधि के दौरान संस्थान में रहने की अनुमति दी जाएगी (यह उन अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक नहीं है जो एन.सी.आर. में या संस्थान से 50 कि.मी. की दूरी के भीतर स्थित संगठनों में कार्यरत हैं)।

   iii. उनके आधिकारिक कर्तव्य उन्हें आई.आई.टी. दिल्ली की समय-सारिणी के अनुसार आवश्यक कक्षाओं में उपस्थित होने की अनुमति देते हैं।

   iv. उनके सरकारी कर्तव्य उन्हें अनुसंधान के लिए पर्याप्त समय देने की अनुमति देते हैं;

   v. यदि प्रस्तावित पीएच.डी. अनुसंधान योजना के अनुसार अभ्यर्थी को अपने कार्यस्थल पर भौतिक रूप से उपस्थित रहते हुए वहाँ उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग करना आवश्यक हो, तो अभ्यर्थी के अनुसंधान क्षेत्र से संबंधित अनुसंधान सुविधाएँ उसके कार्यस्थल पर उपलब्ध होनी चाहिए।

9. अध्ययन अवकाश पर आने वाले पूर्णकालिक अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के समय कम से कम 3 वर्ष (एम.टेक. उपाधि धारकों के मामले में 2 वर्ष) के अध्ययन अवकाश का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा।

10. सी.जी.पी.ए. का अर्थ 'Cumulative Grade Point Average' है। आई.आई.टी. दिल्ली में प्रवेश के लिए प्रतिशत को सी.जी.पी.ए. (10 से भाग देकर) में बदलने के लिए 10 के परिवर्तन गुणक का इस्तेमाल किया जाएगा। हालाँकि, सी.जी.पी.ए. में यह परिवर्तन केवल तभी लागू होगा, जब प्रवेश चाहने वाले अभ्यर्थी के स्नातक संस्थान में मूल्यांकन का मुख्य तरीका प्रतिशत अंक हो।

अन्य पॉइंट स्केल वाले सी.जी.पी.ए. के लिए, एक लीनियर इंटरपोलेशन अर्थात् $G=G_X*10/X$ का उपयोग किया जाएगा।

$$G=G_X*10/X$$

यहाँ G, 10-पॉइंट स्केल पर GPA है और G_X, 'x' पॉइंट स्केल पर GPA है। कुछ स्केल्स के लिए, ऊपर दिए गए सूत्र का इस्तेमाल करके निकाले गए परिवर्तन नीचे दी गई सारिणी में दिए गए हैं:

प्रतिशत	सी.जी.पी.ए. 10	सी.जी.पी.ए. 9	सी.जी.पी.ए. 6	सी.जी.पी.ए. 4
50	5	4.5	3	2
55	5.5	4.95	3.3	2.2
60	6	5.4	3.6	2.4
70	7	6.3	4.2	2.8
75	7.5	6.75	4.5	3
80	8	7.2	4.8	3.2
90	9	8.1	5.4	3.6

अर्हक परीक्षाओं के सभी वर्षों/सेमेस्टरों के कुल अंकों में से निर्धारित न्यूनतम 60/55/50% अंकों की गणना आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा निम्नलिखित उदाहरण के अनुसार की जाती है:-

	पहला सेमेस्टर	प्रतिशत	दूसरा सेमेस्टर	प्रतिशत
प्रथम वर्ष	250/400	62.50	290/400	72.50
द्वितीय वर्ष	205/400	51.25	280/400	70.00
तृतीय वर्ष	210/400	52.50	350/400	87.50
चतुर्थ वर्ष	240/400	60.00	150/400	75.00
कुल	905/1600	%	1070/1600	%

- कुल (%) (सभी वर्षों/सेमेस्टरों का) 1975 / 3200 = 61.71%

11. प्रायोजित (पूर्णकालिक)/अंशकालिक अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर/पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए गेट/सीड स्कोर होना आवश्यक नहीं है।

12. दिल्ली में रह रहे विदेशी नागरिकों का पीएच.डी. कार्यक्रम में अंशकालिक आधार पर पंजीकरण, निम्नलिखित नियमों और शर्तों के अनुसार किया जा सकता है :-

(i) आई.आई.टी. दिल्ली में अध्ययन के लिए प्रवेश, शोध वीज़ा प्रस्तुत करने के अधीन होगा।

(ii) अभ्यर्थी को अंशकालिक शोधार्थियों पर लागू होने वाली सभी आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

3.5.1 : अंशकालिक पीएच.डी./एम.टेक./एम.एस.(आर.) कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवश्यक अनुभव।

अंशकालिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए	योग्यता	कार्य अनुभव (योग्यता पश्चात्)
पीएच.डी.	एम.ई./एम.टेक./एम.एस. (आर.)/एम.डी. या समकक्ष	शून्य
पीएच.डी.	सी.एफ.टी.आई./केंद्रीय विश्वविद्यालयों से बी.ई./बी.टेक./बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी./एम.ए./एम.बी.ए./एम.बी.बी.एस. या समकक्ष	1 वर्ष
पीएच.डी.	बी.ई./बी.टेक/बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी/एम.ए./एम.बी.ए./एम.बी.बी.एस. या समकक्ष, और आई.आई.टी. दिल्ली में कार्यरत *(परियोजना या नियमित) *उचित माध्यम से	1 वर्ष
पीएच.डी.	सी.एफ.टी.आई./ केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त अन्य संस्थानों से बी.ई./बी.टेक/बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी/एम.ए./एम.बी.ए./एम.बी.बी.एस. या समकक्ष	2 वर्ष
एम.टेक./एम.एस.(आर.)	सी.एफ.टी.आई./केंद्रीय विश्वविद्यालयों से बीई/बी.टेक./बी.एस./बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी. या समकक्ष	6 माह
एम.टेक./एम.एस.(आर.)	बी.ई./बी.टेक/बी.एस/बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी या समकक्ष, और आई.आई.टी. दिल्ली में कार्यरत* (परियोजना या नियमित) *उचित माध्यम से	6 माह
एम.टेक./एम.एस.(आर.)	बी.ई./बी.टेक./बी.एस./बी.एससी. (न्यूनतम 4 वर्ष नियमित रूप से) एम.एससी या सी.एफ.टी.आई./केंद्रीय विश्वविद्यालयों के अतिरिक्त अन्य संस्थानों से समकक्ष	1 वर्ष

3.6 पदक और पुरस्कार

आई.आई.टी. दिल्ली परीक्षाओं/परियोजनाओं के साथ-साथ खेलकूद, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों आदि में विद्यार्थियों के सर्वांगीण प्रदर्शन के आधार पर उन्हें अनेक पदक और पुरस्कार भी प्रदान करती है। वर्तमान में, 100 से अधिक ऐसे पदक और पुरस्कार प्रचलन में हैं।

4. शैक्षणिक क्रेडिट बैंक

विद्यार्थियों को अपने आधार नंबर का उपयोग करके नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (NAD) पर अपनी ए.बी.सी./ए.पी.ए.ए.आर. आईडी बनानी होगी और पंजीकरण के समय इसे साझा करना अनिवार्य है। विद्यार्थियों के सेमेस्टर ग्रेड और उपाधि डीजी लॉकर (DigiLocker) पर अद्यतित किए जाएँगे।

5. प्रवेश वर्ष 2026 के विद्यार्थियों द्वारा देय शुल्क

5.1 ट्यूशन शुल्क

ट्यूशन शुल्क (प्रति सेमेस्टर)

कार्यक्रम		ट्यूशन शुल्क
बी.टेक./बी.डिज़ाइन/बी.एस./दोहरी उपाधि		Rs. 1,00,000**
एम.एससी./एम.ए.		Rs. 7,500
एम.टेक./एम.एस.(आर.)/एम.डेस./एम.पी.पी. (प्राप्तकर्ता संस्थान/परियोजना सहायक या शिक्षण पद धारक)		Rs. 17,500
एम.टेक./एम.एस.(आर.)/एम.पी.पी./स्नातकोत्तर डी.आई.आई.टी. (प्रायोजित, एफ.टी./पी.टी. और संकाय पद धारक)		Rs. 75,000
पीएच.डी. (पूर्णकालिक)		Rs. 7,500
पीएच.डी. (अंशकालिक/प्रायोजित)		Rs. 17,500
एम.बी.ए. स्व-वित्तपोषित	पूर्णकालिक	Rs. 3,00,000
	अंशकालिक	Rs. 4,50,000
विदेशी नागरिक@	सार्क देश	US$ 1,000
बी.टेक./बी.डेस./बी.एस./दोहरी उपाधि	गैर-सार्क देश	US$ 2,000

@ स्नातकोत्तर/पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले विदेशी नागरिकों के लिए शुल्क भारतीय विद्यार्थियों के बराबर होगा।

 # ड्युअल-उपाधि कार्यक्रम के लिए 9वें सेमेस्टर और उसके बाद ट्यूशन शुल्क 17,500/- रु. प्रति सेमेस्टर होगा।

*** जिन विद्यार्थियों के परिवार की वार्षिक आय 1 लाख रु. से 5 लाख रु. के बीच है, उन्हें ट्यूशन शुल्क का 1/3 भाग जमा करना होगा। अन्य विद्यार्थी (अ.जा., अ.ज.जा. और दिव्यांगजन के अतिरिक्त) जिनके परिवार की वार्षिक आय 1 लाख रु. से कम है, उन्हें ट्यूशन शुल्क में 100% छूट मिलेगी।*

5.2 अन्य शुल्क

प्रत्येक सेमेस्टर ट्यूशन शुल्क के साथ देय

A) संस्थान शुल्क

परीक्षा शुल्क	Rs. 1,500
पंजीकरण/नामांकन शुल्क	Rs. 750
जिमखाना	Rs. 1,250
चिकित्सा शुल्क*	Rs. 750
इंटरनेट और कंप्यूटर एक्सेस शुल्क	Rs. 1,000
परिवहन शुल्क	Rs. 100
छात्र संकट कोष योजना (प्रत्येक सेमेस्टर)	Rs. 400
कुल	Rs. 5,750

B) वार्षिक भुगतान

बीमा योजना (वार्षिक)	Rs. 500
कुल	Rs. 500

प्रवेश के समय एकमुश्त भुगतान करना होगा।

C) अप्रतिदेय

प्रवेश शुल्क	Rs. 2,000
छात्र कल्याण कोष	Rs. 750
आधुनिकीकरण शुल्क	Rs. 1,500
कल्याण कोष	Rs. 400
पूर्व विद्यार्थी शुल्क	Rs. 2,000
प्रशिक्षण और नियोजन शुल्क	Rs. 1,500
कुल	Rs. 8,150

*चिकित्सा शुल्क केवल पूर्णकालिक विद्यार्थियों पर लागू है।

D) प्रतिदेय

संस्थान प्रतिभूति जमा राशि	Rs. 4,000
पुस्तकालय प्रतिभूति जमा राशि	Rs. 4,000
प्रवेश के समय कुल देय शुल्क	Rs. 8,000

टिप्पणियाँ:

1. उपर्युक्त बातों के अतिरिक्त छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को छात्रावास से जुड़े शुल्क देने होंगे, जिसमें प्रत्येक सेमेस्टर में छात्रावास सीट का किराया @ 8,600/- रु. (अप्रतिदेय) शामिल है।
2. एम.एस.(आर.) और पीएच.डी. के लिए थीसिस शुल्क क्रमशः 500/- रु. और 5,000/- रु. है और यह थीसिस जमा करते समय देय होगा।
3. सभी अ.जा., अ.ज.जा. और दिव्यांग विद्यार्थियों को ट्यूशन शुल्क में 100% छूट दी जाएगी।
4. छात्रावास केवल पूर्णकालिक (full-time) विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है, बशर्ते सीटें खाली हों।
5. भोजनशाला और बिजली शुल्क की गणना प्रत्येक सेमेस्टर के पूर्ण होने पर की जाएगी और इनकी जानकारी अलग से दी जाएगी।
6. विद्यार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे विभिन्न आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए scorner पोर्टल पर अपने माता-पिता की आय संबंधी सही दस्तावेज़ अद्यतित करें।

विदेशी अतिथि विद्यार्थी

नीचे स्व-वित्तपोषित विदेशी नागरिकों से लिया जाने वाला प्रति सेमेस्टर ट्यूशन शुल्क दिया गया है, जिनमें आगंतुक विद्यार्थी के रूप में प्रवेश चाहने वाले विद्यार्थी भी शामिल हैं।

i. सार्क देशों के लिए 1,000 यूएस डॉलर

ii. अन्य देशों के लिए 2,000 यूएस डॉलर

5.3 भुगतान का माध्यम

A. संस्थान के शुल्क: संस्थान के सभी शुल्क ई.आर.पी./भारतीय स्टेट बैंक (SBI) की I-collect सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन जमा किए जाएंगे। केवल निम्नलिखित के लिए ही चालान पर्ची द्वारा भुगतान की अनुमति है:

I. जिन विद्यार्थियों ने बैंक से (शैक्षिक उद्देश्यों के लिए) ऋण लिया है, या

II. जिन विद्यार्थियों को बाहरी स्रोतों से छात्रवृत्ति मिली है और जो शुल्क के लिए सीधे संस्थान के नाम पर चेक भेजते हैं।

B. भोजनशाला का बकाया: छात्रावास भोजनशाला शुल्क के भुगतान के लिए पेमेंट पोर्टल :-

कृपया इस यू.आर.एल. पर क्लिक करें - https://ecampus.iitd.ac.in/scorner/login

5.4 भुगतान की समय-सीमा

A. संस्थान को देय राशि:

i. विलंबित पंजीकरण की अंतिम तिथि (यह तिथि आमतौर पर कक्षाओं के पहले दिन के एक सप्ताह बाद होती है) से पहले संस्थान की सभी बकाया राशि पूरी तरह से जमा की जानी चाहिए।

ii. जो विद्यार्थी इस तिथि तक निर्धारित राशि का भुगतान नहीं करते हैं या जो आंशिक भुगतान करते हैं, उनका पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा। संस्थान के नियमों के अनुसार शुल्क और जुर्माने का भुगतान करने पर पंजीकरण बहाल कर दिया जाएगा।

iii. प्रवेश लेने वाले नए विद्यार्थियों द्वारा शुल्क का भुगतान पंजीकरण के दिन संस्थान में शामिल होने के समय किया जाएगा।

B. भोजनशाला बकाया: भोजनशाला का समस्त बकाया छात्रावास के आवंटन के दिन या उससे पहले जमा करना अनिवार्य है।

5.5 शुल्क का प्रतिदाय

यदि विद्यार्थी किसी भी कारण से अपना प्रवेश रद्द करता है, तो शुल्क की वापसी निम्नानुसार होगी:

प्रवेश की समय-सीमा	सत्र 2026-27 के प्रथम सेमेस्टर की शुल्क वापसी के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि	वापस की जाने वाली राशि
3 जुलाई 2026 से पहले स्वीकार किए गए प्रवेश के लिए	3 जुलाई 2026 को या उससे पहले	भुगतान किए गए शुल्क में से 1000/- रुपये (प्रोसेसिंग फीस) कम।
	4 जुलाई से 17 जुलाई 2026	प्रतिभूति राशि में से 1000/- रुपये (प्रोसेसिंग फीस) कम।
4 जुलाई 2026 से 17 जुलाई 2026 तक स्वीकार किए गए प्रवेश के लिए	17 जुलाई 2026 को या उससे पहले	भुगतान किए गए शुल्क में से 1000/- रुपये (प्रोसेसिंग फीस) कम।
	17 जुलाई 2026 के बाद	प्रतिभूति राशि में से 1000/- रुपये (प्रोसेसिंग फीस) कम।

6. छात्र कार्य

परिसर का परिवेश तथा विविध सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियाँ आई.आई.टी. दिल्ली में समग्र शैक्षिक अनुभव के लिए एक प्रेरणादायी एवं सृजनात्मक परिवेश प्रदान करती हैं।

आई.आई.टी. दिल्ली में विद्यार्थियों को एकसाथ मिलकर कार्य करने के साथ-साथ उनकी स्वतंत्र सोच के विकास को भी महत्त्व दिया जाता है। सभी संवादों के मूल में सहनशीलता और विविधता के प्रति सम्मान जैसे मूल्य होते हैं। सभी विद्यार्थियों को अपनी रुचि विकसित करने और पोषित करने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे इस स्वतंत्रता के प्रति अपनी जवाबदेही सीखते हैं जो जीवन भर उनके काम आती है।

यद्यपि परिसर में विद्यार्थियों के रहने की सुविधा सीमित है तथापि परिसर में रहने या न रहने वाले सभी विद्यार्थियों को अत्याधुनिक शैक्षणिक प्रयोगशालाओं, खेल संबंधी सुविधाओं और सह-पाठ्यक्रम एवं पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेने और मनोरंजन के अन्य साधनों के उपयोग के भरपूर अवसर मिलते हैं। परिसर में रहने की जगह की अत्यंत कमी है जिस कारण सभी विद्यार्थियों को परिसर में आवासीय सुविधा नहीं दी जा सकती बावजूद इसके आई.आई.टी. दिल्ली में विद्यार्थियों को रूचि के अनुसार कार्य करने में कोई बाधा नहीं आती।

विद्यार्थियों और शिक्षकों के बीच आपसी तालमेल को बढ़ावा देने और उसे मज़बूत करने के लिए भी विशेष प्रयास किए जाते हैं। विद्यार्थियों को परामर्शी सेवा देने तथा शुरुआती और नियमित रूप से ढलने में सहायता करने के लिए विशेष व्यवस्थाएँ की गईं हैं। इस प्रकार संस्थान में रहने के दौरान आने वाली किसी भी समस्या का निदान किया जाता है।

आई.आई.टी. दिल्ली परिसर में विद्यार्थियों के जीवन की गति और स्वरूप को निम्नलिखित विद्यार्थी निकायों द्वारा नियोजित, कार्यान्वित और समर्थित किया जाता है:

6.1 छात्र कार्य परिषद् एवं इसके पांच निकाय

छात्र कार्य परिषद् विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की एक संयुक्त सीनेट समिति है, जिसका कार्य विद्यार्थियों से संबंधित गैर-शैक्षणिक मामलों के लिए समग्र नीति निर्माण, समन्वय और समीक्षा करना है।

छात्र कार्य परिषद् विभिन्न विद्यार्थी संगठनों की गतिविधियों जैसे मनोरंजन और रचनात्मक गतिविधियों, खेल-कूद, छात्रावास प्रबंधन, विद्यार्थी प्रकाशन और विद्यार्थी कल्याण के बोर्ड का समन्वय करती है। यह विद्यार्थियों के हितों को बढ़ावा देने के साथ-साथ परिसर जीवन में स्वस्थ परंपराएँ स्थापित करने का प्रयास करती है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://sac.iitd.ac.in/ देखें।

6.1.1 छात्रावास प्रबंधन बोर्ड

छात्रावास प्रबंधन बोर्ड, आवास-गृहों के प्रबंधन से संबंधित सभी मामलों के लिए नीति-निर्धारण, समन्वय और समीक्षा हेतु उत्तरदायी है। यह छात्र कार्य परिषद् और संस्थान के प्राधिकारियों द्वारा समय-समय पर निर्धारित सभी निर्णयों, नियमों और विनियमों को लागू करता है तथा उनका प्रबंधन करता है।

6.1.2 मनोरंजन एवं सर्जनात्मक गतिविधि बोर्ड (BRCA)

बी.आर.सी.ए. कॉलेज के तनाव को दूर भगाने और विभिन्न मनोरंजक व रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होने का एक बेहतरीन केंद्र है। यह सह-पाठ्यक्रम संबंधी रूचि में अपनी प्रतिभा को निखारने और प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इसका मुख्य आकर्षण भारत के सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक हमारा अपना सांस्कृतिक उत्सव 'रोंदेवू' है। इसमें आकर्षक 'प्रो-नाइट्स' और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

इस बोर्ड के अंतर्गत अनेक क्लब संचालित किए जाते हैं, जो विविधतापूर्ण आई.आई.टी. दिल्ली समुदाय की बहुविध आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये क्लब इस प्रकार हैं:-

ललित कला एवं शिल्प क्लब, हिंदी समिति, संगीत क्लब, स्वास्थ्य क्लब, वाद-विवाद क्लब, नृत्य क्लब, छायाचित्रण एवं चलचित्र क्लब, प्रश्नोत्तरी क्लब, साहित्यिक क्लब, नाट्य कला क्लब, डिज़ाइन क्लब, फैशन क्लब, स्पिक मैके।

6.1.3 खेल-कूद गतिविधि बोर्ड

मानव के विकास में खेल-कूद अत्यंत महत्त्वपूर्ण घटक है। खेल-कूद अच्छे स्वास्थ्य तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने में सहायक होते हैं और ऊर्जा, उत्साह तथा प्रेरणा से ओत-प्रोत युवाओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास पर सकारात्मक गहरा प्रभाव डालते हैं। खेल-कूद गतिविधि बोर्ड परिसर में खेल संबंधी वातावरण विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह सुनिश्चित करता है कि खिलाड़ियों को पर्याप्त सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ।

हमारी कुछ सुविधाएँ इस प्रकार हैं—चार टर्फ विकेट वाला एक क्रिकेट मैदान, चार फ्लड-लाइट क्रिकेट अभ्यास पिच, फ्लड-लाइट हॉकी और फुटबॉल मैदान, तीन फ्लड-लाइट वॉलीबॉल और दो बास्केटबॉल कोर्ट, आठ फ्लड-लाइट टेनिस कोर्ट (चार सिंथेटिक और चार क्ले कोर्ट), टेनिस अभ्यास दीवार, दो स्क्वैश कोर्ट, एक बैडमिंटन हॉल, सिंथेटिक फ्लोरिंग वाले दो टेबल टेनिस हॉल, एक वेट-लिफ्टिंग हॉल, ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल, बच्चों का पूल, दो मल्टी-जिम, 400 मीटर एथलेटिक्स ट्रैक वाला एक फ्लड-लाइट स्टेडियम, फ्लड-लाइट जॉगिंग ट्रैक और सभी खेलों के लिए सहायक व्यवस्थाएँ।

यहाँ एक नव निर्मित बहुउद्देशीय हॉल है, जिसमें बैडमिंटन, टेबल टेनिस और स्क्वैश कोर्ट की सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

6.1.4 विद्यार्थी प्रकाशन बोर्ड

विद्यार्थी प्रकाशन बोर्ड विभिन्न विषयों पर छात्र समुदाय के विचारों को प्रस्तुत करता है। यह विद्यार्थियों के बीच रचनात्मकता और अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करता है। यह एक ऐसा मंच है जो जागरूकता फैलाता है और प्रासंगिक मुद्दों पर विचारोत्तेजक चर्चाओं के लिए अवसर प्रदान करता है। यह पत्रकारिता संबंधी विश्लेषण प्रकाशित करता है, पुस्तक मेले का आयोजन करता है और पूरे वर्ष विभिन्न प्रतियोगिताओं का संचालन करता है।

प्रत्येक वर्ष विद्यार्थी प्रकाशन बोर्ड द्वारा एक विशिष्ट साहित्यिक महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में मीडिया, सामाजिक सक्रियता और लेखन जगत से जुड़े कई वक्ताओं को आमंत्रित किया जाता है।

6.1.5 छात्र कल्याण बोर्ड

छात्र कल्याण बोर्ड आई.आई.टी. दिल्ली का एक विद्यार्थी-निकाय है, जिसे विद्यार्थी समुदाय के कल्याण के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। छात्र कल्याण बोर्ड हमेशा से ही आई.आई.टी. दिल्ली में जीवन के हर पहलू में विद्यार्थी समुदाय की सहायता करने के लिए समर्पित रहा है। यह बोर्ड इस सिद्धांत का पालन करता है कि वह एक ऐसा संगठन बने जो विद्यार्थियों का हो, विद्यार्थियों के लिए हो और विद्यार्थियों द्वारा ही संचालित किया जाए।

छात्र कल्याण बोर्ड के अंतर्गत मुख्य रूप से दो विभागों को संचालित किया जाता है: मार्गदर्शक (मेंटरशिप) और प्रचालन (ऑपरेशंस)।

मेंटरशिप के अंतर्गत नए विद्यार्थियों का हर प्रकार से मार्गदर्शन किया जाता है। ऑपरेशंस के अंतर्गत विद्यार्थियों का समग्र कल्याण, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता और पूरे वर्ष आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम शामिल हैं।

6.2 छात्र परामर्श सेवाएँ

परामर्शी सेवाएँ विद्यार्थियों को उनकी कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने, बेहतर प्रदर्शन करने और विभिन्न प्रकार के तनावों का सामना करने में सहायता प्रदान करती हैं।

इन सेवाओं में किसी व्यक्ति के संज्ञानात्मक, व्यवहारात्मक, तार्किक, भावनात्मक, सहायक, अस्तित्वगत तथा अंतर्वैयक्तिक, अंतरा-वैयक्तिक और व्यक्तित्व संबंधी क्षेत्रों पर आधारित चिकित्सा पद्धतियाँ शामिल होती हैं।

6.3 विद्यार्थी-शिक्षक परस्पर संवाद परिषद्

विद्यार्थी-शिक्षक परस्पर संवाद परिषद् विभिन्न संकाय सदस्यों और उनके संबंधित पाठ्यक्रमों में नामांकित विद्यार्थियों के बीच संवाद में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, कई विभाग विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए अपने सभी विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को शामिल करते हुए अन्य कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। हर छात्रावास एक वार्षिक "STIC रात्रिभोज" भी आयोजित करता है, जो विद्यार्थियों और उनके शिक्षकों के बीच कक्षा के बाहर संवाद के लिए एक अनौपचारिक मंच प्रदान करता है।

6.4 राष्ट्रीय सेवा योजना

आई.आई.टी. दिल्ली की राष्ट्रीय सेवा योजना में 2000 से ज़्यादा विद्यार्थी और संकाय सदस्य स्वयंसेवक के रूप में जुड़े हैं, जो समाज के साथ मिलकर आगे बढ़ने में विश्वास रखते हैं। इसका उद्देश्य समाज सेवा करते हुए स्वयंसेवकों में सहानुभूति की भावना को जगाना है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, समाज जैसे कई क्षेत्रों में काम करती है।

इन क्षेत्रों में चल रही कुछ परियोजनाएँ जैसे- विद्या टीचिंग प्रोजेक्ट, फ़ूड4थॉट, आरोहण, नीम स्कूल प्रोजेक्ट, शीकोड्स प्रोजेक्ट, टीच फॉर इंडिया, रक्तदान, मानसिक स्वास्थ्य, नशा मुक्ति प्रोजेक्ट, क्लाइमेट क्रूसेड प्रोजेक्ट, ग्रीन वारियर्स, पशु देखभाल, एडूराइड वालंटियरिंग, लैंगिक समानता, वृद्धाश्रम और ऐसी ही कई अन्य परियोजनाएँ विद्यार्थियों को इनमें भाग लेने के अवसर देती हैं।

6.5 राष्ट्रीय कैडेट कोर

राष्ट्रीय कैडेट कोर एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं के बीच नेतृत्व, चरित्र, भाईचारा, खेल भावना और सेवा के आदर्श का विकास करना है। एन.सी.सी. का आदर्श वाक्य "एकता और अनुशासन" है।

6.6 राष्ट्रीय खेल संगठन

राष्ट्रीय खेल संगठन शिक्षा व्यवस्था के अंतर्गत एक ऐसा वर्गीकरण है, जिसे युवाओं की शिक्षा अवधि के दौरान उनमें खेल-चेतना का माहौल बनाने तथा उनके शारीरिक स्वास्थ्य (और साथ ही मानसिक शक्ति) में सुधार लाने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। आई.आई.टी. दिल्ली के पाठ्यक्रम में खेलों को भी शामिल किया गया है।

6.7 सह-पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक परस्पर संवाद परिषद्

यह परिषद् स्नातक पूर्व विद्यार्थियों, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों की एक संयुक्त समिति है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों के मध्य अधिक से अधिक संवाद को बढ़ावा देना, एक बेहतर शैक्षिक वातावरण बनाना और आपसी सलाह-मशविरे से सही निर्णय लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित करना है। इन प्रयासों के माध्यम से यह परिषद् विद्यार्थियों का समग्र विकास करने की ओर अग्रसर है जिससे वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें। वे सभी शैक्षणिक और संबंधित मामलों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। सह-पाठ्यक्रम एवं शैक्षणिक परस्पर संवाद परिषद् में निम्नलिखित क्लब और समितियाँ शामिल हैं:

रोबोटिक्स क्लब, Axlr8r फ़ॉर्मूला रेसिंग क्लब, एयरो-मॉडलिंग क्लब, भौतिकी एवं खगोल विद्या क्लब, देवक्लब (Devclub), अर्थशास्त्र क्लब, आईजेम (iGem)-क्लब, विद्त् इंजीनियरी सोसाइटी, मैथमेटिक्स सोसाइटी। अधिक जानकारी के लिए कृपया https://caic.iitd.ac.in/ देखें।

6.8 छात्रावास सुविधा एवं शुल्क

आई.आई.टी. दिल्ली में विद्यार्थी जीवन का एक महत्त्वपूर्ण भाग है यहाँ के छात्रावास। परिसर में छात्रावासों का संचालन और प्रबंधन छात्रावास प्रबंधन बोर्ड द्वारा किया जाता है।

हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की संख्या में तेज़ी से हुई बढ़ोतरी और परिसर में छात्रावासों की सीमित संख्या के कारण रहने की जगह की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

इस कारण परिसर में केवल सीमित संख्या और ज़्यादातर साझेदारी के आधार (शेयरिंग बेसिस) पर ही विद्यार्थियों को छात्रावास आबंटित किए जा सकते हैं। विशेष रूप से, स्नातकोत्तर पुरुष विद्यार्थियों को छात्रावास में जगह मिलने की संभावना सबसे अधिक होती है। हालांकि यह संभावना भी जगह उपलब्ध होने और शेयरिंग बेसिस पर तथा कम से कम दो सेमेस्टर पूरे होने के बाद ही बनती है।साथ ही, इसके लिए कोई भी आश्वासन नहीं दिया जा सकता।

उल्लेखनीय है कि विद्यार्थी परिसर के आसपास ही बाहर निजी आवासों में रह सकते हैं। हालांकि, इनमें से कुछ आवासों की सूची छात्र कार्य अनुभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा सकती है, लेकिन विद्यार्थियों और इन आवास प्रदाताओं के बीच संवाद पूरी तरह से निजी होगा (अर्थात्, इसमें आई.आई.टी. दिल्ली की किसी भी रूप में कोई भूमिका नहीं होगी)।

आई.आई.टी. दिल्ली परिसर में अपने पूर्णकालिक स्नातक और स्नातकोत्तर (पीएच.डी. शोधार्थियों सहित) विद्यार्थियों के लिए कुल 12 पुरुष छात्रावास, 4 महिला छात्रावास और महिलाओं के लिए 1 अस्थायी (ट्रांज़िट) आवास उपलब्ध हैं।

छात्रावासों का विवरण इस प्रकार है:-

पुरुष छात्रावास: नीलगिरि, काराकोरम, अरावली, ज्वालामुखी, सतपुड़ा, जंस्कार, कुमाऊं, विंध्याचल, शिवालिक, गिरनार, उदयगिरि और द्रोणगिरि (नया)

महिला छात्रावास: कैलाश, हिमाद्रि, सह्याद्रि (नया), सप्तगिरि (नया) और नालंदा (अस्थायी)

आई.आई.टी. दिल्ली में लगभग 13,000 विद्यार्थियों के लिए केवल लगभग 7,000 छात्रावास सीटें ही उपलब्ध हैं (इनमें से कई सीटें केवल साझेदारी आधार पर हैं; कृपया नीचे दिया गया लिंक देखें – https://bhm.iitd.ac.in/static/media/Hostel_Accommodation_IITD.66923f5fb-816b23af9cc.pdf)

चूँकि प्रत्येक विद्यार्थी को छात्रावास में रहने की सुविधा उपलब्ध कराना संभव नहीं है इसलिए छात्रावासों में सीटों का आवंटन एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। यह प्रक्रिया संस्थान की स्पष्ट रूप से परिभाषित नीति के कार्यान्वयन पर आधारित होती है। जब भी छात्रावास में सीटें उपलब्ध होती हैं, तो सभी विद्यार्थियों के लिए घोषणा की जाती है और उपरोक्त पारदर्शी प्रक्रिया का पालन किया जाता है। छात्रावास आवंटन प्रक्रिया में किसी प्रकार की विशेष छूट नहीं दी जा सकती।

सेमेस्टर 1, 2026-2027 से लागू होने वाले छात्रावास शुल्कों से संबंधित विवरण इस प्रकार है:-

एकबारगी शुल्क (हर नए आवंटन के लिए)

क्र.सं.	श्रेणी	शुल्क (भारतीय रुपये में)
A.	**भीम-BHIM जमा (एकबारगी)**	
	सीट आबंटन शुल्क (अप्रतिदेय)	**7,000/-**
	प्रतिभूति राशि (प्रतिदेय)	**15,000/-**

प्रति सेमेस्टर शुल्क (सेमेस्टर-1, 2026-27 के लिए)

(छात्रावास का कार्य पूरी तरह से सहकारी होने के कारण कोई यथानुपात (प्रो-रेटा) लागू नहीं होगा)

B.	***छात्रावास मेस शुल्क** *(इसमें भोजन, रसोई की उपभोग्य वस्तुएँ, मानव संसाधन, आईजीएल और संबंधित लागतें शामिल हैं)*	
1.	**पुराने छात्रावास**	***36,000/-**
2.	**नालंदा (अस्थायी आवास)** *- मेस, भोजन तथा आवास शुल्क*	
3.	**नए छात्रावास**	
C.	****केंद्रीयकृत वातानुकूलन शुल्क** *(नए छात्रावासों के सभी निवासियों पर लागू; कार्यक्रम/प्रवेश वर्ष चाहे जो भी हो)*	
1.	**नए छात्रावास**	**15,000/- (एकल आवास व्यवस्था)** **7,500/- (द्वि-आवास व्यवस्था)**

**मेस के शुल्क पिछले सेमेस्टर के दौरान हुए व्यय (जिसमें अवसंरचना एकक द्वारा दिए गए अनुमान भी शामिल हैं) के आधार पर अस्थायी होते हैं और वास्तविक व्यय के अनुसार इनमें बदलाव हो सकता है, वास्तविक व्यय की गणना केवल सेमेस्टर के अंत में की जाती है। ये शुल्क समय-समय पर संशोधित भी हो सकते हैं (उदाहरण के लिए, आई.जी.एल. दरों में बदलाव, सरकार द्वारा न्यूनतम मजदूरी में संशोधन आदि के कारण)। सेमेस्टर के अंत में, विद्यार्थियों द्वारा किसी सेमेस्टर में भुगतान की गई अतिरिक्त राशि को अगले सेमेस्टर के शुल्कों के साथ समायोजित कर दिया जाएगा; अर्थात्, अगले सेमेस्टर में विद्यार्थियों द्वारा भुगतान की जाने वाली राशि में से पिछले सेमेस्टर में भुगतान की गई अतिरिक्त राशि को घटा दिया जाएगा। कोई भी विद्यार्थी जो छात्रावास को स्थायी रूप से छोड़ने/खाली करने वाले विद्यार्थी (चाहे निष्कासन के कारण या आई.आई.टी. दिल्ली में शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के कारण अथवा किसी असाधारण व्यक्तिगत परिस्थिति के कारण सक्षम प्राधिकारी से उचित सूचना और अनुमति प्राप्त करने के बाद), को आवश्यक जानकारी के साथ निर्धारित प्रपत्र जमा करने के बाद उसके बैंक खाते में भुगतान की गई अतिरिक्त राशि वापस कर दी जाएगी।*

*** नए छात्रावासों अर्थात् द्रोणागिरी, सप्तगिरी और सह्याद्रि, जिनमें वातानुकूलन की सुविधा उपलब्ध है, उनके लिए केंद्रीकृत वातानुकूलन शुल्क लागू होंगे। ये शुल्क समय-समय पर अवसंरचना एकक की सूचना के अनुसार संशोधित हो सकते हैं।*

कृपया ध्यान दें कि ये छात्रावास केवल स्नातकोत्तर विद्यार्थियों (इनमें पीएच.डी. शामिल है, किन्तु एम.एससी./एम.ए. और दोहरी उपाधि शामिल नहीं हैं) के लिए ही उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://home.iitd.ac.in/hall-of-residence.php देखें।

***कृपया ध्यान दें:** सेमेस्टर-1, 2026-27 से छात्रावास सीट किराया/संस्थान आवास शुल्क का भुगतान संस्थान के मुख्य खाते में करना होगा। विवरण के लिए कृपया शैक्षणिक शुल्क परिपत्र देखें।*

***कृपया ध्यान दें:** आई.आई.टी. दिल्ली में छात्रावास सुविधा लेना आवश्यक नहीं है, भले ही ऐसा प्रस्ताव दिया गया हो।*

छात्रावास आबंटन की पारदर्शी प्रक्रिया में किसी विशेष छात्रावास या सीट को अपनी इच्छा से चुनने का कोई प्रावधान नहीं है।

छात्रावास में रहने संबंधी अन्य जानकारी यहाँ उपलब्ध हैं-

(a) https://home.iitd.ac.in/hostel-rules.php

(b) https://bhm.iitd.ac.in/resources/

किसी भी अन्य जानकारी के लिए आप संकायाध्यक्ष (छात्र कार्य) के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं या adhm@admin.iitd.ac.in को ई-मेल कर सकते हैं।

6.9 विविधता एवं समावेशन

विविधता एवं समावेशन कार्यालय, विविधता एवं समावेशन संकायाध्यक्ष के मार्गदर्शन में, अपवर्जन के चार प्रमुख क्षेत्रों—लिंग, लैंगिकता, दिव्यांगता तथा जाति पर केंद्रित होकर कार्य करता है।

हमारा उद्देश्य आई.आई.टी. दिल्ली में एक समावेशी एवं सुगम वातावरण का निर्माण करना है, जो विविधता के प्रति समर्पित हो। हम शैक्षिक गतिविधियों, अवसंरचना तथा सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में समान अवसर वाले वातावरण के निर्माण हेतु जागरूकता बढ़ाने, समर्थन करने तथा नीतिगत संस्तुतियाँ प्रदान करने का कार्य करते हैं। हमारी समर्पित टीम, जिसमें कर्मचारी, विद्यार्थी स्वयंसेवक तथा संकाय सलाहकार शामिल हैं, इन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरंतर कार्यरत है।

ओ.डी.आई. के कार्य एवं इसके चार प्रमुख क्षेत्र

जाति समानता पहल (आई.सी.ई.): यह पहल आई.आई.टी. दिल्ली समुदाय को जाति समानता के प्रति जागरूक करने पर केंद्रित है। इसके अंतर्गत जातिगत भेदभाव और विशेषाधिकार से संबंधित मुद्दों पर विभिन्न कार्यक्रम, चर्चाएँ और संगोष्ठियां आयोजित की जाती हैं। आई.सी.ई. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए विशेष सहयोग भी प्रदान करता है, जिसमें प्लेसमेंट हेतु तैयारी तथा जातीय जागरूकता को बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं।

लैंगिक समानता एवं संवेदनशीलता पहल (आई.जी.ई.एस.): आई.जी.ई.एस. सभी के लिए सुरक्षित एवं समावेशी परिसर वातावरण के निर्माण के लिए समर्पित है। यह लैंगिक और लैंगिकता से संबंधित मामलों के समाधान हेतु एक गोपनीय मंच प्रदान करता है तथा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लैंगिक जागरूकता को बढ़ावा देता है। साथ ही, यह विभिन्न विभागों के साथ मिलकर लैंगिक-समावेशी नीतियों एवं प्रक्रियाओं की संस्तुति भी करता है।

इंद्रधनु (एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ समूह): आई.आई.टी. दिल्ली का एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ समूह "इंद्रधनु" लैंगिक एवं लैंगिक अल्पसंख्यकों के लिए सहयोगात्मक वातावरण निर्मित करने का कार्य करता है। यह जागरूकता कार्यक्रम, संवाद तथा सामाजिक आयोजनों का संचालन करता है और परिसर में एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ अधिकारों को मुख्यधारा में लाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा चुका है। समूह की प्रमुख उपलब्धियों में वर्ष 2023 में आई.आई.टी. दिल्ली में भारत के पहले एल.जी.बी.टी.क्यू.आई.ए.+ प्राइड फेस्टिवल "विभिन्न" का आयोजन तथा उसके बाद प्रत्येक वर्ष इसके आगामी संस्करणों का आयोजन शामिल है।

सुगम शिक्षा कार्यालय (ओ.ए.ई.): यह कार्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए समावेशी वातावरण सुनिश्चित करने हेतु कार्य करता है। इसके अंतर्गत दिव्यांगता जागरूकता कार्यशालाओं का आयोजन, ब्रेल संकेतकों की स्थापना, सुगम परिसर अवसंरचना सुनिश्चित करना, समावेशी भर्ती को बढ़ावा देना तथा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से अनुकूलित तकनीकी पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना शामिल है। दिव्यांग विद्यार्थियों की विविध आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। शिक्षण सामग्री को सुगम प्रारूपों में उपलब्ध कराया जाता है। पाठ्यक्रमों तथा मूल्यांकन प्रक्रियाओं में युक्तिसंगत सुविधाएँ यथासंभव प्रदान की जाती हैं। ओ.ए.ई. दिव्यांग विद्यार्थियों को परिसर में अधिक सुगमता से आने-जाने में सहायता हेतु निःशुल्क परिवहन सुविधा भी प्रदान करता है।

प्रमुख कार्यक्रम एवं पहलें

- **ट्रांसफॉर्मेटिव लीडरशिप इन एस.टी.ई.एम.एम. समिट (टी.एल.एस.) वर्कशॉप:** यह एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसके अंतर्गत आई.आई.टी. दिल्ली देशभर के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से उन्नत पीएच.डी. शोधार्थियों को संकाय निर्माण पर केंद्रित कार्यशाला हेतु आमंत्रित करता है। इसका ध्यान केवल शैक्षिक सत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि अनुदान लेखन, प्रकाशन तथा नौकरी आवेदन जैसे समग्र करियर कौशलों के विकास पर भी केंद्रित है।
- **निशान:** दिव्यांग विद्यार्थियों के समर्थन एवं उनकी प्रतिभा के उत्सव हेतु तैयार किया गया एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें प्रस्तुतियों और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया जाता है।
- **संगम:** दिव्यांग विद्यार्थियों में शारीरिक गतिविधियों एवं समावेशन को बढ़ावा देने हेतु समर्पित एक खेल उत्सव एवं कार्यक्रम।
- **आउटरीच कार्यक्रम:** पूर्व महिला विद्यार्थी वर्तमान विद्यार्थियों के साथ संवाद स्थापित करते हुए अपने अनुभव साझा करती हैं तथा मेंटरशिप कार्यक्रमों के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करती हैं, जिससे उपयोगी नेटवर्क का निर्माण होता है।
- **स्तनपान/फीडिंग कक्ष:** माताओं के सहयोग हेतु परिसर में स्तनपान एवं पंपिंग के लिए विशेष स्थान उपलब्ध कराए गए हैं।
- **संवेदनशीलता कार्यशालाएँ:** विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों तथा कर्मचारियों के लिए समावेशी व्यवहार एवं प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने हेतु प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाते हैं।
- **अंग्रेज़ी भाषा बूटकैंप:** विविध पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों को प्रभावी समझ एवं संप्रेषण क्षमता विकसित करने हेतु भाषा दक्षता प्रदान करने की पहल।

विविधता एवं सुगमता प्रतिनिधि

विविधता प्रतिनिधि: प्रत्येक छात्रावास में समावेशी प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने तथा ओ.डी.आई. पहलों के लिए संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करने हेतु विद्यार्थी प्रतिनिधि नियुक्त किए जाते हैं।

सुगमता प्रतिनिधि: प्रत्येक विभाग में संकाय प्रतिनिधि नामित किए जाते हैं, जो सुगमता एवं समावेशन से संबंधित विषयों में विद्यार्थियों, कर्मचारियों तथा संकाय सदस्यों को सहयोग प्रदान करते हैं।

ओ.डी.आई. से कैसे जुड़ें?

विद्यार्थी, संकाय सदस्य तथा कर्मचारी ओ.डी.आई. कार्यक्रमों में भाग लेकर, कार्य समूहों से जुड़कर अथवा हमारे आधिकारिक संचार माध्यमों के माध्यम से संपर्क कर सहयोग प्राप्त कर सकते हैं। हम एक वास्तविक समावेशी परिसर के निर्माण हेतु सहयोगात्मक भागीदारी एवं सक्रिय सहभागिता को प्रोत्साहित करते हैं।

6.10 पूर्व विद्यार्थी संबंध

आई.आई.टी. दिल्ली का पूर्व विद्यार्थी संबंध कार्यालय संस्थान और उसके 65,000 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों के वैश्विक नेटवर्क के बीच दीर्घकालिक संबंधों को सुदृढ़ एवं सक्रिय बनाए रखने का कार्य करता है। यह कार्यालय उन पेशेवरों के इस सशक्त समुदाय के लिए प्रमुख संपर्क बिंदु के रूप में कार्य करता है, जिनमें अपनी मातृसंस्था के प्रति गहरा गर्व और जुड़ाव है।

पूर्व विद्यार्थी संस्थान की विभिन्न पहलों में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा अपने मूल्यवान अनुभव, समय और वित्तीय सहयोग के माध्यम से आई.आई.टी. दिल्ली को नई उपलब्धियाँ प्राप्त करने और भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सहयोग प्रदान करते हैं।

पूर्व विद्यार्थी संबंध कार्यालय, विशिष्ट पूर्व विद्यार्थी पुरस्कारों के आयोजन के माध्यम से पूर्व विद्यार्थियों के योगदान को मान्यता और सम्मान प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य पूर्व विद्यार्थियों के साथ सतत बौद्धिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना, धन-संग्रह पहलों को सुगम बनाना तथा पूर्व विद्यार्थी-वित्तपोषित परियोजनाओं एवं गतिविधियों के क्रियान्वयन में सहयोग देना है।

इसके अतिरिक्त, यह कार्यालय समाचार-पत्रों के माध्यम से संस्थान की गतिविधियों एवं समाचारों के प्रसार, पूर्व विद्यार्थी पुनर्मिलन तथा विभिन्न आयोजनों के समन्वय का दायित्व भी निभाता है। उल्लेखनीय है कि संस्थान के अनेक संकाय सदस्य इसी संस्थान के पूर्व विद्यार्थी भी हैं।

आई.आई.टी. दिल्ली एंडोमेंट कार्यालय

वर्ष 2019 में स्थापना के बाद से आई.आई.टी. दिल्ली एंडोमेंट फंड में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और वर्तमान में इसके अंतर्गत 150 से अधिक विविध निधियाँ शामिल हैं, जो विद्यार्थी उपलब्धियों को प्रोत्साहित करने, संकाय अनुसंधान को आगे बढ़ाने तथा अवसंरचना विकास के लिए समर्पित हैं।

आई.आई.टी. दिल्ली अक्षय निधि संस्थान की दीर्घकालिक सफलता एवं सततता सुनिश्चित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एक सुदृढ़ वित्तीय आधार स्थापित करती है, जो रणनीतिक नीति निर्माण को समर्थन प्रदान करता है तथा सरकार या आंतरिक वित्तपोषण पर निर्भरता कम करते हुए महत्त्वाकांक्षी पहलों को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। यह दृष्टिकोण नवाचार, अवसंरचना विकास तथा उन्नत अनुसंधान को प्रोत्साहित करता है और आई.आई.टी. दिल्ली को शैक्षिक उत्कृष्टता के अग्रणी संस्थानों में बनाए रखता है।

अक्षय निधि संस्थान के विकास को सहयोग प्रदान करती है, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देती है तथा आई.आई.टी. दिल्ली की शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानकों तक सुदृढ़ बनाती है।

अक्षय निधि आई.आई.टी. दिल्ली के प्रति अटूट सहयोग का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों के निर्माण तथा ज्ञान-विकास को आगे बढ़ाने की सामूहिक प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है। यह शिक्षण शुल्क एवं आवास जैसी आवश्यक शैक्षिक आवश्यकताओं का वहन कर प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करती है, ताकि कोई भी योग्य विद्यार्थी वित्तीय बाधाओं के कारण पीछे न रह जाए।

इसके अतिरिक्त, यह परिसर सुविधाओं, नई अवसंरचना तथा वैश्विक चुनौतियों से संबंधित अभूतपूर्व अनुसंधान को भी सहयोग प्रदान करती है। यह हमारे संस्थान की तात्कालिक आवश्यकताओं के प्रति एक उत्तरदायी पहल है, जो शिक्षा एवं नवाचार की रूपांतरणकारी शक्ति में साझा विश्वास से प्रेरित है।

अनेक उदार दानदाता अपनी संस्तुतियों को विशेष उद्देश्यों जैसे विशिष्ट विद्यालयों, कार्यक्रमों अथवा गतिविधियों के लिए समर्पित करना चुनते हैं, जिससे उनका योगदान इस श्रेष्ठ प्रयास पर स्थायी छाप छोड़ता है। वर्तमान में, अक्षय निधि का 60% से अधिक भाग ऐसे लक्षित उद्देश्यों के लिए निर्धारित है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हमें सौंपा गया प्रत्येक संसाधन ठीक वहीं पहुँचे, जहाँ वह दानदाताओं की परिकल्पना के अनुरूप सर्वाधिक प्रभाव उत्पन्न कर सके।

लगभग 200 करोड़ रुपये की हमारी लचीली एवं निर्बंध अक्षय निधि, कुल निधि का लगभग 40% भाग है और यह हमें संस्थान की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप त्वरित एवं प्रभावी निर्णय लेने की महत्त्वपूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करती है। अनेक पीढ़ियों से प्राप्त योगदान आई.आई.टी. दिल्ली के विकास में अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहे हैं चाहे वह विशिष्ट परियोजनाओं के लिए समर्पित सहयोग हो अथवा उदार, निर्बंध दान, जिन्होंने हमें त्वरित एवं विवेकपूर्ण कार्य करने में सक्षम बनाया है। सामूहिक रूप से हम एक ऐसी विरासत का निर्माण कर रहे हैं, जो प्रतिबद्धता, उद्देश्य तथा प्रत्येक विद्यार्थी और संकाय सदस्य की असीम संभावनाओं में अटूट विश्वास पर आधारित है।

6.11 आचरण एवं अनुशासन

एक विद्यार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वह अनुशासन के उच्च मानकों का पालन करे तथा संस्थान परिसर के भीतर और बाहर ऐसा आचरण रखे, जो राष्ट्रीय महत्त्व के संस्थान के विद्यार्थी के अनुरूप हो। उसमें उद्देश्य के प्रति गंभीरता हो तथा वह प्रत्येक प्रकार से स्वयं को समर्पित प्रयास और सहयोगपूर्ण जीवन के लिए तैयार करे।

उसे कठोर नैतिक मानकों का पालन करना चाहिए। किसी भी परिस्थिति में वह किसी पाठ्यक्रम के मूल्यांकन के किसी भी घटक को पूर्ण करने हेतु अनुचित साधनों का प्रयोग नहीं करेगा/करेगी।

विद्यार्थी संस्थान एवं छात्रावासों के कर्मचारियों के प्रति उचित शिष्टाचार एवं सम्मान प्रदर्शित करेगा, अपने सहपाठी विद्यार्थियों के प्रति सद्भावपूर्ण व्यवहार रखेगा, छात्रावासों के वार्डनों एवं संस्थान के शिक्षकों का सम्मान करेगा तथा आगंतुकों के प्रति भी उचित ध्यान एवं विनम्रता प्रदर्शित करेगा।

6.12 सम्मान संहिता

नैतिक आचरण को प्रोत्साहित करने हेतु संस्थान प्रत्येक विद्यार्थी से सम्मान संहिता का पालन करने के लिए सहमति की अपेक्षा करता है। प्रवेश के समय प्रत्येक विद्यार्थी को सम्मान संहिता पर हस्ताक्षर कर उसकी एक प्रति संबंधित शैक्षिक अनुभाग में जमा करनी होती है। इस संहिता के उल्लंघन को अत्यंत गंभीरता से लिया जाता है तथा इसके परिणामस्वरूप निलंबन अथवा निष्कासन जैसी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। सम्मान संहिता इस दस्तावेज़ के पिछले अंदरूनी आवरण पृष्ठ पर दी गई है।

6.13 रैगिंग पर संस्थान की नीति

संस्थान में रैगिंग प्रतिबंधित है।यदि किसी विद्यार्थी द्वारा पूर्व में रैगिंग किए जाने का तथ्य प्रकाश में आता है, अथवा बाद में उसके रैगिंग में सम्मिलित होने की जानकारी प्राप्त होती है, तो उसे संस्थान से निष्कासित किया जा सकता है।

6.14 यौन उत्पीड़न के विरुद्ध नीति

संस्थान में यौन उत्पीड़न के विरुद्ध नीति लागू है तथा संस्थान कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से मुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

7. केंद्रीय सुविधाएँ

- केंद्रीय विनिर्माण सुविधा
- केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सी.आर.एफ.) एवं साथी
- केंद्रीय पुस्तकालय
- नैनोस्केल अनुसंधान सुविधा (एन.आर.एफ.)
- करियर सेवाएँ (ओ.सी.एस.)
- अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ

7.1 केंद्रीय विनिर्माण सुविधा (पूर्व में केंद्रीय कार्यशाला)

सी.एन.सी. वायरकट ई.डी.एम.

आई.आई.टी. दिल्ली की केंद्रीय विनिर्माण सुविधा एक महत्त्वपूर्ण केंद्र है, जिसका उद्देश्य मूलभूत विनिर्माण शिक्षा प्रदान करना है। यह प्रथम वर्ष के सभी विद्यार्थियों को वैचारिक रूप से यह समझाने का कार्य करती है कि किसी उत्पाद का निर्माण किस प्रकार किया जाता है। साथ ही, यह संपूर्ण संस्थान समुदाय, विशेषकर स्नातक विद्यार्थियों को उत्पाद निर्माण संबंधी सहयोग भी प्रदान करती है। यह सुविधा मेटल कास्टिंग, फॉर्मिंग, मशीनिंग, वेल्डिंग, सी.एन.सी. प्रोग्रामिंग, 3डी प्रिंटिंग तथा प्लास्टिक उत्पाद निर्माण सहित विभिन्न विनिर्माण प्रक्रियाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है।प्रतिवर्ष 900 से अधिक प्रथम वर्ष के स्नातक विद्यार्थी यहाँ व्यावहारिक कौशल प्राप्त करते हैं, जिससे उन्हें विनिर्माण की कला एवं विज्ञान का परिचय मिलता है तथा भविष्य की डिज़ाइन एवं उत्पादन गतिविधियों के लिए आत्मविश्वास विकसित होता है। इसके अतिरिक्त, यह यांत्रिक इंजीनियरी तथा उत्पादन एवं औद्योगिक इंजीनियरी के बी.टेक. विद्यार्थियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है। इसकी सुविधाओं का उपयोग एम.टेक. उत्पादन इंजीनियरी के विद्यार्थी व्यावहारिक पाठ्यक्रमों, परियोजनाओं तथा अनुसंधान कार्यों के लिए भी करते हैं।

केंद्रीय विनिर्माण सुविधा विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों की निर्माण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिनमें उत्पाद डिज़ाइन एवं विनिर्माण, माइनर एवं बी.टेक. परियोजनाएँ, मास्टर शोधप्रबंध तथा डॉक्टरल अनुसंधान शामिल हैं। यह बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को उत्पाद निर्माण करने तथा फॉर्मूला स्टूडेंट कार, मिनी बाजा और रोबोकॉन जैसी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु सक्षम बनाती है। इसके अतिरिक्त, अवकाश अवधि के दौरान बाहरी संस्थाएँ भी विनिर्माण एवं प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए इस सुविधा का उपयोग कर सकती हैं।

वेल्डिंग प्रयोगशाला

केंद्रीय विनिर्माण सुविधा में 12 विभिन्न प्रयोगशालाएँ शामिल हैं, जो विनिर्माण प्रौद्योगिकी के सभी प्रमुख क्षेत्रों को समाहित करती हैं। ये प्रयोगशालाएँ पारंपरिक प्रेस मशीनों के साथ-साथ वायर कट ई.डी.एम. तथा वाटर जेट कटिंग जैसी नवीनतम मशीनों से सुसज्जित हैं। इस सुविधा में तीव्र प्रोटोटाइप निर्माण हेतु एक समर्पित 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला भी स्थापित है, जिसमें पेशेवर स्तर की एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग प्रणालियाँ तथा एक लेज़र कटिंग मशीन उपलब्ध हैं। यह अवसंरचना विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को शीघ्र प्रोटोटाइप विकास में सहयोग प्रदान करती है। सी.एन.सी. मशीन प्रयोगशाला का हाल ही में महत्त्वपूर्ण उन्नयन किया गया है, जिसके अंतर्गत नई मिलिंग एवं टर्निंग सेंटर्स के साथ उन्नत सी.एन.सी. सिमुलेशन टूल को सम्मिलित किया गया है। यह सिमुलेटर एक महत्त्वपूर्ण शिक्षण उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो वास्तविक मशीनों पर कार्य करने से पूर्व संचालन प्रक्रियाओं एवं प्रोग्रामिंग में दक्षता विकसित करने में सहायता करता है। अब इस सुविधा में वाटर जेट कटिंग मशीन भी शामिल है, जो उच्च परिशुद्धता वाली कटिंग क्षमता प्रदान करती है।

अपघर्षी जल जेट कटाई

डिजिटल विनिर्माण प्रयोगशाला को समुदाय की इलेक्ट्रॉनिक्स संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इस सुविधा में विशेष सोल्डरिंग स्टेशन उपलब्ध हैं तथा अब इसमें एक नई, समग्र पी.सी.बी. निर्माण इकाई भी शामिल की गई है, जो संस्थान के भीतर ही प्रोटोटाइप निर्माण को सक्षम बनाती है। यह इकाई अनेक महत्त्वपूर्ण मशीनों से सुसज्जित है, जिनमें सर्फेस-माउंट घटकों की सटीक एवं स्वचालित स्थापना हेतु एस.एम.टी. पिक एंड प्लेस मशीन, नियंत्रित हीटिंग प्रोफाइल के माध्यम से इन घटकों की सोल्डरिंग हेतु एस.एम.टी. सोल्डरिंग रीफ्लो ओवन, स्थल पर ही सर्किट बोर्ड डिजाइनों के त्वरित निर्माण एवं परीक्षण के लिए महत्त्वपूर्ण पी.सी.बी. प्रोटोटाइपिंग मशीन तथा कंपोनेंट स्थापना से पूर्व पी.सी.बी. पैड्स पर सोल्डर पेस्ट के सटीक अनुप्रयोग हेतु आवश्यक सरफेस-माउंट टेक्नॉलजी (एस.एम.टी.) स्टेंसिल प्रिंटर्स शामिल हैं।

सी.एन.सी. मिलिंग मशीन

समकालीन विनिर्माण प्रक्रियाओं को आगे बढ़ाते हुए, इस सुविधा में मेटल-इनर्ट-गैस (एम.आई.जी.) वेल्डिंग प्रौद्योगिकी पर आधारित एक रोबोटिक वेल्डिंग सेल भी स्थापित है। यह सेल केवल एक उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि इंडस्ट्री 4.0 की प्रमुख अवधारणाओं के व्यावहारिक प्रदर्शन के रूप में कार्य करता है।

अपनी आधुनिक सुविधाओं के अतिरिक्त, यह कार्यशाला लकड़ी पर कार्य करने, शीट मेटल को आकार देने एवं काटने, फाउंड्री में धातु ढलाई करने तथा धातु को गर्म कर हथौड़े से आकार देने (फोर्जिंग) जैसी मूलभूत मैकेनिकल प्रक्रियाओं के लिए आवश्यक एवं पारंपरिक अनुभागों से पूर्णतः सुसज्जित है। ये समर्पित कार्यक्षेत्र एक व्यापक एवं व्यावहारिक शिक्षण वातावरण प्रदान करते हैं, जो केवल पाठ्यपुस्तकों एवं सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित न रहकर इंजीनियरी को व्यवहारिक रूप से सजीव बनाते हैं। इनमें समकालीन तथा पारंपरिक दोनों प्रकार की इंजीनियरी तकनीकों को सम्मिलित किया गया है, जिससे सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक अधिगम का अवसर प्राप्त होता है।

सी.एन.सी. टर्निंग मशीन

इसके अतिरिक्त, प्रिसीजन मैन्युफैक्चरिंग प्रयोगशाला उच्च-सटीकता वाली गैर-पारंपरिक विनिर्माण प्रक्रियाओं पर केंद्रित है। इसकी उन्नत ई.डी.एम. प्रौद्योगिकियों में सी.एन.सी. वायर कट ई.डी.एम., सूक्ष्म एवं गहरे छिद्रों के निर्माण हेतु अनुकूलित स्मार्ट ड्रिल ई.डी.एम. तथा जटिल जिओमेट्रिक आकृतियों के निर्माण के लिए प्रयुक्त जेड.एन.सी. डाई सिंकिंग ई.डी.एम. मशीन शामिल हैं। यह प्रयोगशाला एक इंडस्ट्रियल डिजिटल लाइट प्रोसेसिंग (डी.एल.पी.) 3डी प्रिंटर तथा एक मेटल 3डी प्रिंटर से भी सुसज्जित है, जो उच्च जिओमेट्रिक परिशुद्धता एवं सामग्री की संरचनात्मक गुणवत्ता के साथ प्रोटोटाइप एवं कार्यात्मक अवयवों के निर्माण को सक्षम बनाते हैं।

7.2 केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सी.आर.एफ.) एवं साथी (SATHI)

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सी.आर.एफ.) एवं साथी (SATHI) किसी शैक्षिक संस्थान की आधारभूत संरचना के रूप में कार्य करते हैं, जो अत्याधुनिक विश्लेषणात्मक एवं उच्च स्तरीय उपकरण उपलब्ध कराते हैं। उच्च योग्यताप्राप्त विशेषज्ञों द्वारा संचालित सी.आर.एफ. एवं साथी, संकाय सदस्यों, शोधार्थियों तथा परियोजना विद्यार्थियों को महत्त्वपूर्ण वैज्ञानिक एवं तकनीकी सेवाएँ प्रदान करते हैं, जिससे अनुसंधान की दक्षता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुनिश्चित होती है। अपनी क्षमताओं को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आई.आई.टी. दिल्ली को वर्ष 2019 में डी.एस.टी. द्वारा साथी परियोजना प्रदान की गई।

अपनी सुविधाओं के विस्तार हेतु आई.आई.टी. दिल्ली ने न केवल हौज़ खास मुख्य परिसर में नई सुविधाओं का उन्नयन एवं अधिग्रहण किया है, बल्कि सोनीपत परिसर में एक स्वतंत्र भवन भी स्थापित किया है। यह आधुनिक अवसंरचना स्नातक पूर्व/स्नातकोत्तर विद्यार्थियों तथा शैक्षिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों के शोधार्थियों को सहयोग प्रदान करने हेतु अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

सी.आर.एफ. एवं साथी की अनेक सुविधाएँ बाहरी शैक्षिक संस्थानों, अनुसंधान संगठनों तथा उद्योगों के लिए भी उपलब्ध हैं, जिससे सहयोग एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलता है।

ब्लू डायोड लेज़र

नई सुविधाएँ

सी.आर.एफ.-साथी, हौज़ खास एवं सोनीपत परिसर में हाल ही में निम्नलिखित सुविधाएँ जोड़ी गई हैं:

1. **क्रायोस्टेट विद सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट**
2. **ब्लू डायोड लेज़र**
3. **एच.आर.एम.एस. (हाई-रिज़ॉल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमेट्री)**

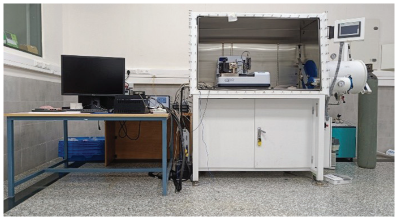

ए.एफ.एम. ग्लोव बॉक्स

एच.आर.एम.एम. उपकरण

4. **एफ.ई.एस.ई.एम.-कैथोडोल्यूमिनेसेंस**
5. **ए.एफ.एम. विद ग्लव बॉक्स**
6. **एन.एम.आर. 400 मेगाहर्ट्ज विद लिक्विड एंड सॉलिड प्रोब**
7. **पॉलिशिंग मशीन**
8. **हाई-इंटेंसिटी एक्स-रे डिफ्रैक्शन फैसिलिटी**
9. **स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप**
10. **200 के.वी. एच.आर.टी.ई.एम.**
11. **ड्यूल बीम प्लाज़्मा एफ.ई.एस.ई.एम. एफ.आई.बी. सिस्टम**
12. **लेटेस्ट एक्स.पी.एस. मशीन**
13. **फिजिकल प्रॉपर्टी मेज़रमेंट सिस्टम (पी.पी.एम.एस.) डाइना कूल-9**

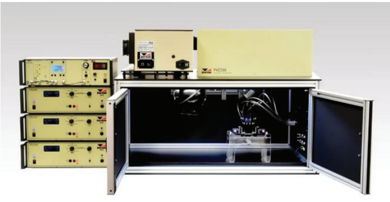

फोटोवोल्टाइक ई.क्यू.ई./आई.क्यू.ई. प्रणाली

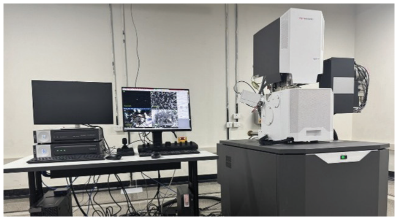

एफ.ई.एस.ई.एम. सी.एल. प्रणाली

एकल क्रिस्टल एक्स-रे विवर्तन प्रणाली

नई वित्तपोषण पहलें

केंद्रीय अनुसंधान सुविधा (सी.आर.एफ.) ने हाल ही में एफ.ई.एस.ई.एम. एफ.आई.बी., एच.आर. टी.ई.एम. तथा एक्स.पी.एस. जैसे अधिक उपयोग में आने वाले उपकरणों के अधिग्रहण हेतु नया वित्तपोषण प्राप्त किया है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अधिक मांग वाले ये उपकरण संस्थान के सभी उपयोगकर्ताओं तथा बाहरी उपयोगकर्ताओं के लिए बिना लंबी प्रतीक्षा अवधि के सहज रूप से उपलब्ध हो सकें।

अवसंरचनागत विकास

सोनीपत परिसर में निर्मित नया सी.आर.एफ.-साथी भवन (जिसके इस वर्ष पूर्ण होने की संभावना है) में 23 नई प्रयोगशालाएँ एवं कार्यालय स्थापित किए जाएँगे। यह भवन सी.आर.एफ. एवं साथी के संचालन हेतु उन्नत उपकरणों की स्थापना को सहयोग प्रदान करेगा।

पिछले एक वर्ष में सी.आर.एफ./ SATHI साथी में आयोजित कार्यशालाएँ एवं कार्यक्रम

सी.आर.एफ. एवं साथी न केवल वैज्ञानिक मापन एवं विश्लेषण संबंधी सेवाएँ प्रदान करते हैं, बल्कि शोधार्थियों को अत्याधुनिक सुविधाओं के उपयोग हेतु प्रशिक्षित करने के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। इससे न केवल कौशल विकास को बढ़ावा मिलता है, बल्कि युवा शोधार्थियों द्वारा सुविधाओं के सर्वोत्तम उपयोग को भी सुनिश्चित किया जाता है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान एवं ट्यूटोरियल्स के माध्यम से उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझाया जाता है, किंतु सबसे महत्त्वपूर्ण भाग सुविधाओं का व्यावहारिक संचालन है, जो उपयोगकर्ताओं की अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित करता है। पिछले वर्ष प्रति माह औसतन एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस वर्ष इसे दोगुना करने की योजना है, ताकि अधिकाधिक इच्छुक प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

क्र. सं.	कार्यशाला / कार्यक्रम	आयोजन तिथि
1	नेशनल वर्कशॉप ऑन सिंगल क्रिस्टल एक्स-रे डिफ्रैक्शन	08–09 जनवरी 2026
2	स्पेक्ट्रा 2025	10–14 नवंबर 2025
3	ओपन हाउस	08 नवंबर 2025
4	फ्यूज़न-2025	19–23 मई 2025
5	हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग: स्टेट-ऑफ़-द-आर्ट एनालिटिकल टूल्स	29–30 अप्रैल 2025
6	वर्कशॉप एंड हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग ऑन इन सीटू एफ.टी.आई.आर.	16 अप्रैल 2025
7	हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग: ई.पी.एम.ए., टी.ई.एम., ए.एफ.एम., रमन एंड आई.सी.पी.एम.एस.	05–07 मार्च 2025
8	वर्कशॉप कम सिम्पोजियम: मैटीरियल कैरेक्टराइजेशन एंड परफॉर्मेंस एनालिसिस फॉर इलेक्ट्रोलाइज़र एंड फ्यूल सेल फॉर ग्रीन हाइड्रोजन	11–12 फ़रवरी 2025

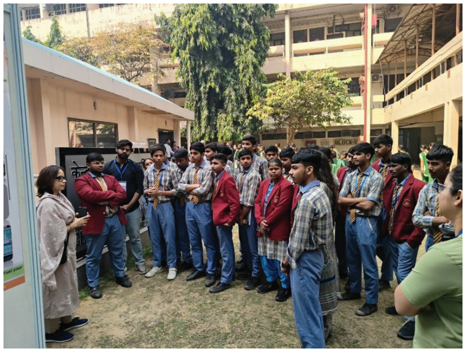

कार्यक्रम की कुछ तस्वीरें

अधिक जानकारी हेतु https://crf.iitd.ac.in/ तथा https://sathi.iitd.ac.in/ देखें।

7.3 केंद्रीय पुस्तकालय

आई.आई.टी. दिल्ली की पुस्तकालय प्रणाली में एक केंद्रीय पुस्तकालय तथा 36 विभागीय इकाई पुस्तकालय शामिल हैं, जो सामूहिक रूप से विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं पूर्व विद्यार्थियों सहित 13,000 से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान करते हैं। केंद्रीय पुस्तकालय उन्नत आर.एफ.आई.डी., ए.आई. तथा आई.सी.टी.-सक्षम अवसंरचना से सुसज्जित है तथा एक ओपन-सोर्स पुस्तकालय प्रबंधन प्रणाली- कोहा पर संचालित होता है।

पुस्तकालय एस.टी.ई.एम. विषयों, जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान, मानविकी, सामाजिक विज्ञान तथा प्रबंधन सहित विभिन्न क्षेत्रों में विस्तृत संग्रह बनाए रखता है। पुस्तकालय परिपूर्ण सेवाएँ प्रदान करता है, जिनमें सर्कुलेशन, डॉक्यूमेंट डिलीवरी, इंटर-लाइब्रेरी ऋण, संस्थागत रिपॉजिटरी, डिस्कवरी सेवाएँ, अनुसंधान सहयोग तथा वी.पी.एन. एवं शिब्बोलेथ-आधारित प्रणालियों के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों की रिमोट एक्सेस सुविधा शामिल है, जिससे संस्थान समुदाय के लिए संसाधनों की वैश्विक पहुँच सुनिश्चित होती है।

पारंपरिक पुस्तकालय सेवाओं से आगे बढ़ते हुए, केंद्रीय पुस्तकालय शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के लिए एक राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में भी सेवाएं प्रदान कर चुका है। पुस्तकालय ने स्वयं प्लेटफ़ॉर्म पर अर्पित मूक्स (ARPIT MOOCs) पाठ्यक्रमों का समन्वय किया है तथा वर्तमान में "साइंस कम्युनिकेशन: रिसर्च प्रोडक्टिविटी एंड डेटा एनालिटिक्स यूज़िंग ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर" विषय पर 12-सप्ताह तक चलने वाला सफल एन.पी.टी.ई.एल. पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है।

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन तथा साइंटिफिक नॉलेज सर्विसेज़, जर्मनी के सहयोग से पुस्तकालय "फोकस ऑन ओपन साइंस दिल्ली - क्रिएटिंग अ रिसर्च कल्चर फॉर द 21st सेंचुरी" नामक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम भी संचालित करता है। पुस्तकालय पूर्व में इंडेस्ट-एआईसीटीई (INDEST-AICTE) कंसोर्टियम के मुख्यालय के रूप में भी सेवाएं प्रदान कर चुका है, जो भारत में पुस्तकालय कंसोर्टियम की एक अग्रणी पहल थी। अगस्त 1961 में स्थापित केंद्रीय पुस्तकालय वर्तमान में लगभग 55,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल तथा तीन केंद्रीय वातानुकूलित मंजिलों में फैला हुआ है।

सदस्यताएँ

संस्थान के सभी विद्यार्थी, संकाय सदस्य एवं कर्मचारी पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग करने के पात्र हैं। इसी प्रकार, औद्योगिक प्रतिष्ठान कॉर्पोरेट सदस्यता लेकर पुस्तकालय सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। संस्थान के सेवानिवृत्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी तथा पूर्व विद्यार्थी भी पुस्तकालय सुविधाओं का उपयोग कर सकते हैं।

सदस्यता श्रेणियाँ एवं ऋण विशेषाधिकार सुविधाएँ निम्नानुसार हैं:

सदस्य श्रेणी	जारी पुस्तकों की सं.	जारी करने की अवधि
संकाय सदस्य, वैज्ञानिक एवं शैक्षिक कर्मचारी	12	एक सेमेस्टर
विजिटिंग / एडजंक्ट / इंस्पायर संकाय	06	एक सेमेस्टर
एमेरिटस फेलो	06	एक सेमेस्टर
सेवानिवृत्त संकाय / कर्मचारी (रु. 15,000/- की सुरक्षा जमा राशि सहित)	02	एक माह
प्रशासनिक कर्मचारी (सहायक कुलसचिव एवं उससे ऊपर के समकक्ष)	05	एक माह
तकनीकी एवं सहयोगी कर्मचारी	02	एक माह
संस्थान के अन्य कर्मचारी	02	एक माह
पोस्ट-डॉक्टरल फेलो	02	एक माह
आई.आर.डी. कर्मचारी (न्यूनतम एक वर्ष की अवधि सहित)	08	एक माह
एम.टेक./एम.एससी./एम.बी.ए./एम.एस.(आर.)/एम.डिज़ाइन/स्नातकोत्तर डिप्लोमा	08	एक माह
शोधार्थी (पीएच.डी.)	05	14 दिन
बी.टेक.	05	14 दिन
आई.आई.टी.डी. पूर्व विद्यार्थी	02	14 दिन
कॉर्पोरेट सदस्य	02	14 दिन
बुक बैंक पुस्तकें (केवल बी.टेक./बी.डिज़ाइन)	06	छह माह

पुस्तकालय का समय

केंद्रीय पुस्तकालय केवल छह अवकाशों को छोड़कर वर्षभर खुला रहता है, इन अवकाशों में दीपावली, दशहरा, होली, स्वतंत्रता दिवस, महात्मा गांधी जयंती तथा गणतंत्र दिवस शामिल हैं।

समय:

- **बुक स्टैक एरिया:** सभी कार्यदिवस/सोमवार से शुक्रवार/शनिवार/रविवार/सार्वजनिक अवकाश (प्रातः 9 बजे से रात्रि 9 बजे तक)।
- **रीडिंग एरिया:** सभी कार्यदिवस/सोमवार से शुक्रवार/शनिवार/रविवार/सार्वजनिक अवकाश (प्रातः 8 बजे से रात्रि 3 बजे तक), परीक्षा अवधि के दौरान 24x7।

पुस्तकालय संग्रह

केंद्रीय पुस्तकालय में दिसंबर 2025 तक 1,95,584 से अधिक मुद्रित पुस्तकें उपलब्ध हैं, जो भौतिक विज्ञान, इंजीनियरी, प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी, मानविकी, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन तथा अन्य विविध विषयों को कवर करती हैं। पुस्तकालय में वीडियो देखने की सुविधा भी उपलब्ध है तथा भूतल में स्थित इसके कंप्यूटर एप्लीकेशन डिवीज़न/प्रयोगशाला में वीडियो व्याख्यानों का एक विस्तृत संग्रह उपलब्ध है। ऑनलाइन संसाधनों के अतिरिक्त पुस्तकालय में विश्वकोशों, शब्दकोशों, हैंडबुक्स एवं ग्रंथसूचियों का एक पृथक संदर्भ संग्रह भी उपलब्ध है। पुस्तकालय ने हिंदी पुस्तकों का भी एक समृद्ध संग्रह विकसित किया है, जिसमें संस्थान में पढ़ाए एवं शोध किए जाने वाले विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकें तथा सामान्य पठन सामग्री शामिल हैं।

पुस्तकालय में एक बुक बैंक संग्रह उपलब्ध है, जिसमें चयनित पाठ्यपुस्तकों की अनेक प्रतियाँ रखी गई हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थी पूरे सेमेस्टर के लिए निःशुल्क रूप से अधिकतम छह पुस्तकें उधार ले सकते हैं। यह एक महत्त्वपूर्ण सुविधा है, जो विद्यार्थियों को उनकी शैक्षिक गतिविधियों में सहयोग प्रदान करती है तथा पाठ्यपुस्तकों की खरीद पर होने वाले वित्तीय भार को कम करने में सहायक है।

विस्तृत जानकारी हेतु https://library.iitd.ac.in/page/about-us/ देखें।

ई-संसाधन एवं डेटाबेस

आई.आई.टी. दिल्ली में 71,000 से अधिक फुल-टेक्स्ट इलेक्ट्रॉनिक जर्नल्स, 9,300 ई-पुस्तकों तथा 2,900 आर्काइव्स की सुविधा उपलब्ध है। इनकी सदस्यताएँ या तो सीधे प्रकाशकों अथवा विशिष्ट वितरकों से अथवा वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ओ.एन.ओ.एस.) के माध्यम से प्राप्त की जाती हैं। पुस्तकालय आई.एस.ओ., आई.ई.सी. तथा ए.एस.टी.एम. मानकों के व्यापक संग्रह के साथ-साथ ग्रामरली, क्विलबॉट, एंडनोट 21 तथा केमड्रॉ जैसे शैक्षिक सॉफ्टवेयरों की सदस्यता भी प्रदान करता है। केंद्रीय पुस्तकालय/आई.आई.टी. दिल्ली द्वारा सदस्यता प्राप्त ई-संसाधनों का उपयोग आई.आई.टी. दिल्ली इंटरनेट/आई.पी. रेंज का उपयोग करते हुए परिसर के किसी भी स्थान से किया जा सकता है। यही सुविधाएँ परिसर के बाहर से रिमोट लॉगिन के माध्यम से भी उपयोगकर्ताओं को उपलब्ध हैं।

ई-संसाधनों की विस्तृत सूची हेतु https://library.iitd.ac.in/divisions/erd/ देखें।

सुविधाएँ एवं सेवाएँ

केंद्रीय पुस्तकालय वर्ष 2010 से आर.एफ.आई.डी. प्रौद्योगिकी का उपयोग कर रहा है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ताओं को सेल्फ-चेक-आउट, सेल्फ-चेक-इन (बुक ड्रॉप), चोरी नियंत्रण, गलत स्थान पर रखी गई पठन सामग्री की पहचान, सॉर्टिंग, इन्वेंटरी की सटीकता, स्टॉक सत्यापन प्रक्रियाएँ, सुरक्षा नियंत्रण, वीडियो निगरानी, पीपल काउंटर आदि सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं। केंद्रीय पुस्तकालय में इंटरनेट कनेक्टिविटी सहित एक सुसज्जित कंप्यूटर प्रयोगशाला सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों तक पहुँच प्राप्त कर अपने अध्ययन, अनुसंधान एवं

शैक्षिक कार्य संपादित कर सकते हैं। यह प्रयोगशाला बड़े डेटा सेट्स तक पहुँच उपलब्ध कराने के अतिरिक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कार्यशालाओं के आयोजन हेतु भी उपयोग में लाई जाती है।

पुस्तकालय ने एक ओपन-सोर्स एल.एम.एस. कोहा को लागू किया है तथा उपयोगकर्ता-केंद्रित ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग को अनुकूलित किया है, जिसके माध्यम से उपयोगकर्ता मुद्रित पुस्तकों की उपलब्धता तथा अपने रिकॉर्ड जैसे जारी करने/वापसी/ओवर ड्यू पुस्तकें/जुर्माना आदि की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रत्येक लेन-देन के लिए पंजीकृत ईमेल पर स्वचालित ईमेल भेजा जाता है, ताकि पुस्तकालय कार्ड के दुरुपयोग से बचा जा सके। वेब ओपैक (बुक सर्च) निम्न लिंक पर उपलब्ध है: https://libcat.iitd.ac.in । पुस्तकालय इंटर-लाइब्रेरी लोन सुविधा के माध्यम से अन्य पुस्तकालयों से ऐसी मुद्रित पुस्तकें अथवा जर्नल लेख भी उपलब्ध कराता है, जो आई.आई.टी. दिल्ली में उपलब्ध नहीं हैं। इसके लिए अनुरोध ईमेल अथवा पुस्तकालय सर्कुलेशन काउंटर/डेलनेट के माध्यम से भेजे जा सकते हैं।

संस्थागत रिपॉजिटरी

आई.आई.टी. दिल्ली की संस्थागत रिपॉजिटरी संस्थान के शैक्षिक कार्यों एवं बौद्धिक सृजन के संरक्षण, प्रसार एवं प्रदर्शन हेतु एक केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करती है। वर्तमान में यह आई.आई.टी. दिल्ली के शोधार्थियों द्वारा प्रस्तुत पीएच.डी. शोधप्रबंधों के विस्तृत सारांशों तथा अन्य दस्तावेजों तक पहुँच प्रदान करती है। संस्थागत रिपॉजिटरी को डी-स्पेस 8 डिजिटल रिपॉजिटरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करके विकसित किया गया है, जो http://ir.iitd.ac.in पर उपलब्ध है। शोधप्रबंधों का पूर्ण-पाठ शोधगंगा राष्ट्रीय रिपॉजिटरी, जो भारतीय शोधप्रबंधों का एक संग्रह है, https://shodhganga.inflibnet.ac.in/jspui/handle/10603/421373 पर उपलब्ध है।

आई.आई.टी.डी. संकाय प्रोफाइलिंग प्रणाली

केंद्रीय पुस्तकालय ने शिक्षा मंत्रालय की आई.आर.आई.एन.एस. परियोजना के सहयोग से आई.आई.टी. दिल्ली की एक अनुकूलित प्रोफाइलिंग प्रणाली विकसित एवं प्रारंभ की है, जिसके माध्यम से संस्थान तथा उसके संकाय सदस्यों से संबंधित अनुकूलित डेटा को अत्यंत सुव्यवस्थित रूप में https://iitd.irins.org पर उपलब्ध कराया गया है। यह प्रणाली संकाय सदस्यों को शैक्षिक संचार गतिविधियों के संकलन, क्यूरेशन एवं प्रदर्शन में सुविधा प्रदान करती है तथा शैक्षिक नेटवर्क विकसित करने का अवसर उपलब्ध कराती है। इसे ओ.आर.सी.आई.डी. आई.डी., स्कोपस आई.डी., गूगल स्कॉलर आई.डी. तथा क्रॉसरेफ सहित विभिन्न शैक्षिक पहचान प्रणालियों के साथ एकीकृत किया गया है।

चैटबॉट

केंद्रीय पुस्तकालय ने "बिबडायल+ (BibDAIL+)" नामक एक चैटबॉट विकसित किया है, जिसे पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की मूलभूत सेवा संबंधी प्रश्नों में सहायता प्रदान करने हेतु तैयार किया गया है। इसे पुस्तकालय के वेब ओपैक पृष्ठ के माध्यम से उपयोग किया जा सकता है। यह चैटबॉट उपयोगकर्ताओं के साथ रियल-टाइम संवाद स्थापित कर पुस्तकालय समय, पुस्तक संस्तुतियों तथा सामान्य जानकारी से संबंधित प्रश्नों का समाधान करता है। यह मूलभूत पूछताछों को संभालने में सक्षम है तथा एक सुविधाजनक एवं त्वरित सहायता माध्यम प्रदान करता है। उपयोग हेतु देखें: https://library.iitd.ac.in/

न्यूज़ क्लिपिंग सेवा

केंद्रीय पुस्तकालय विभिन्न ई-स्रोतों/गूगल अलर्ट्स आदि से आई.आई.टी. दिल्ली से संबंधित समाचार क्लिप्स संकलित करता है तथा उन्हें प्रतिमाह आई.आई.टी. दिल्ली समुदाय के मध्य प्रसारित करता है। इसके अभिलेख वर्ष 2010 से उपलब्ध हैं। वेबसाइट लिंक: https://library.iitd.ac.in/page/news-clipping/

पुस्तक संस्तुति प्रणाली

केंद्रीय पुस्तकालय में ऑफ़लाइन एवं ऑनलाइन दोनों स्वरूपों में एक लचीली पुस्तक संस्तुति प्रणाली उपलब्ध है। यदि कोई संकाय सदस्य, कर्मचारी अथवा विद्यार्थी पुस्तकालय हेतु किसी पुस्तक की संस्तुति करना चाहता है, तो वह वेबसाइट पर उपलब्ध संस्तुति प्रपत्र https://library.iitd.ac.in/page/bkrecommendation/ को भरकर ऐसा कर सकता है: केंद्रीय पुस्तकालय ने संकाय सदस्यों की सुविधा हेतु संस्थान ई.आर.पी. के अतिरिक्त कोहा (ओपन-सोर्स एल.एम.एस.) आधारित ऑनलाइन पुस्तक संस्तुति प्रणाली भी विकसित की है। इसके माध्यम से संकाय सदस्य केंद्रीय पुस्तकालय तथा संबंधित विभागीय पुस्तकालयों के लिए पुस्तकों की संस्तुति कर सकते हैं। कोहा-आधारित ऑनलाइन पुस्तक संस्तुति प्रणाली तक पहुँच हेतु देखें: https://library.iitd.ac.in/page/obrs-new/ । लॉग-इन हेतु अपने केरबरोस आई.डी. एवं पासवर्ड का उपयोग करें।

पाथफाइंडर (विषय ग्रंथसूचियाँ)

पाथफाइंडर लेखक, विषय एवं प्रसिद्ध व्यक्तित्वों पर आधारित एक ग्रंथसूची है, जिसका उद्देश्य उपयोग को बढ़ावा देना तथा उपयोगकर्ता समुदाय में जागरूकता उत्पन्न करना है। इसमें केंद्रीय पुस्तकालय में उपलब्ध विभिन्न संसाधनों का विवरण दिया जाता है तथा यह पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को शिक्षण, अधिगम एवं अनुसंधान कार्यों में सहायता प्रदान करता है। वर्तमान में केंद्रीय पुस्तकालय में लगभग 50 ग्रंथसूचियाँ उपलब्ध हैं, जिन्हें https://library.iitd.ac.in/ पर देखा जा सकता है।

आई.आई.टी. दिल्ली संकाय एवं कर्मचारी द्वारा लिखित पुस्तकें

केंद्रीय पुस्तकालय आई.आई.टी. दिल्ली के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों द्वारा लिखित पुस्तकों का एक पृथक संग्रह निरंतर विकसित कर रहा है (संपादित पुस्तकें इसमें सम्मिलित नहीं हैं)। ऐसी पुस्तकों के लिए पुस्तकालय वेबसाइट पर एक वर्चुअल कॉर्नर https://library.iitd.ac.in/faculty-author-books/ विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय पुस्तकालय की प्रथम मंजिल (सर्कुलेशन डेस्क के निकट) पर इस संबंध में एक भौतिक गैलरी भी स्थापित की गई है।

टेक अ बुक / गिव अ बुक कार्यक्रम

केंद्रीय पुस्तकालय संस्थान समुदाय में पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने तथा पाठ्यपुस्तकों सहित पुस्तकों के पुनः उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से "टेक अ बुक / गिव अ बुक" नामक एक मंच प्रदान करता है। जो उपयोगकर्ता अपनी व्यक्तिगत पुस्तकों को पढ़ने के उपरांत साझा करना चाहते हैं, वे उन्हें केंद्रीय पुस्तकालय की प्रथम मंजिल (प्रवेश द्वार के निकट) स्थित निर्धारित बुकशेल्फ पर रख सकते हैं। इसी प्रकार, अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा छोड़ी गई पुस्तकें भी इच्छुक पाठक ले सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु देखें: https://library.iitd.ac.in/page/take-a-book-give-a-book/

अनुसंधान सहयोग सेवाएँ एवं आउटरीच कार्यक्रम

केंद्रीय पुस्तकालय का अनुसंधान सहयोग सेवाएँ एवं आउटरीच कार्यक्रम (आर.एस.एस. एंड ओ.पी.) अनुभाग विद्यार्थियों, संकाय सदस्यों एवं शोधार्थियों सहित शैक्षिक समुदाय को सहयोग प्रदान करने के लिए समर्पित है, ताकि अनुसंधान एवं अधिगम को अधिक सुगम एवं प्रभावी बनाया जा सके। रिसर्च इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट (आर.आई.एम.) तथा विविध पुस्तकालय संसाधनों, सेवाओं एवं उपकरणों के माध्यम से यह अनुभाग नई अवधारणाओं की खोज, अनुसंधान रूपरेखा निर्माण, शोध कार्य की तैयारी एवं उसके प्रसार तक शैक्षिक यात्रा के प्रत्येक चरण में सहयोग प्रदान करता है।

केंद्रीय पुस्तकालय नियमित रूप से लेखक एवं प्रकाशन संबंधी कार्यशालाओं का आयोजन करता है तथा उपयोगकर्ताओं को ग्रामरली, क्विलबॉट, एंडनोट 21, ऑनलाइन डेटाबेस तथा ई-पुस्तकों जैसे शैक्षिक लेखन एवं अनुसंधान उपकरणों के प्रभावी उपयोग में सहायता प्रदान करता है। कार्यक्रमों में पंजीकरण हेतु कैलेंडर पुस्तकालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु देखें: https://library.iitd.ac.in/divisions/rss/

लाइब्रेरी ऐप

लाइब्रेरी मोबाइल ऐप अत्यंत उपयोगी है तथा इसे एंड्रॉयड उपकरणों पर निम्न लिंक से इंस्टॉल किया जा सकता है: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.iitd.cl

क्यू.आर. कोड-आधारित प्रणालियाँ

केंद्रीय पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए संसाधनों की सुगम उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर प्रयासरत है। अधिकांश पुस्तकालय सेवाएँ अब क्यू.आर. कोड के माध्यम से उपलब्ध हैं, जिससे त्वरित एवं सुविधाजनक पहुँच सुनिश्चित होती है। उपयोगकर्ता संबंधित क्यू.आर. कोड को स्कैन कर अपनी प्रतिक्रिया भी तुरंत साझा कर सकते हैं। क्यू.आर. कोड के माध्यम से पुस्तकालय सेवाओं का उपयोग करने हेतु कृपया स्कैन करें।

पुस्तकालय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्लब

पुस्तकालय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक क्लब पाठकों एवं सृजनात्मक व्यक्तित्वों के एक सक्रिय समुदाय को एक साथ लाता है। साहित्यिक क्लब पुस्तक प्रेमियों को नए लेखकों की खोज, विचारों के आदान-प्रदान तथा सार्थक चर्चाओं में सहभागिता हेतु एक अनुकूल मंच प्रदान करता है। इसके साथ ही, सांस्कृतिक क्लब विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों एवं शैक्षिक दौरों आदि का आयोजन करता है।

बेस्ट लाइब्रेरी यूज़र अवॉर्ड्स

केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकालय संसाधनों, सेवाओं एवं सुविधाओं के प्रभावी उपयोग हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से "बेस्ट लाइब्रेरी यूज़र अवॉर्ड्स" प्रारंभ करने का प्रस्ताव किया गया है। ये पुरस्कार प्रतिवर्ष लाइब्रेरी डे एवं मई माह में आयोजित सी.एल.ए.एन. मीट के अवसर पर प्रदान किए जाएँगे। पुरस्कार में प्रमाणपत्र, पुस्तक/स्मृति-चिह्न तथा ₹5,000 की नकद राशि शामिल होगी। पीएच.डी., स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर के विद्यार्थियों हेतु एक-एक पुरस्कार प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। चयन लाइब्रेरी विज़िट्स, संसाधनों के उपयोग, पुस्तकालय के विकास में योगदान, आउटरीच गतिविधियों में सहभागिता, पुस्तकों की समय पर वापसी तथा अनुशासन जैसे मापनीय एवं गुणात्मक मानदंडों के आधार पर किया जाएगा। कैलेंडर वर्ष के दौरान अर्जित अंकों के आधार पर चयन निर्धारित किया जाएगा तथा आगामी वर्षों के लिए मानदंडों की समीक्षा की जाएगी।

पुस्तकालय वीडियो के लिंक:

लाइब्रेरी टूर - https://youtu.be/bq7McjKg3Jw?si=4YznlID5jGPfyWWY

नेशनल टेलीविजन पर आई.आई.टी. दिल्ली लाइब्रेरी https://www.youtube.com/watch?v=GC-SU1DOYqbQ

ओरिएंटेशन वीडियो - https://www.youtube.com/watch?v=XqTnzmJvPOI&t=1s

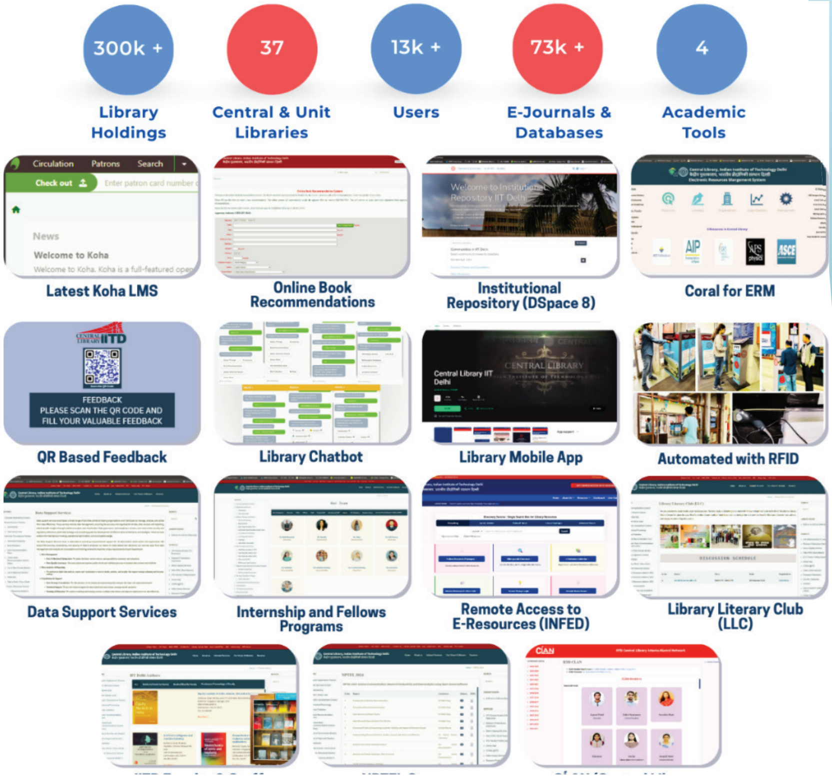

समग्र रूप से, आई.आई.टी. दिल्ली का केंद्रीय पुस्तकालय उच्च गुणवत्ता वाली शैक्षिक सूचना एवं सेवाएँ प्रदान करते हुए संस्थान के शिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार को सहयोग देने तथा उसके विज़न, मिशन एवं वैल्यूज़ की प्राप्ति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

केंद्रीय पुस्तकालय एवं उसकी सेवाओं से संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु https://library.iitd.ac.in देखें अथवा लाइब्रेरी हैंडबुक 2025 डाउनलोड करें: https://library.iitd.ac.in/media/pdf/menu/LibraryHandBook2025.pdf

7.4 नैनोस्केल अनुसंधान सुविधा (एन.आर.एफ.)

नैनोस्केल अनुसंधान सुविधा (एन.आर.एफ.) में क्लास-100 एवं क्लास-1000 क्लीन रूम्स उपलब्ध हैं, जो अत्याधुनिक फैब्रिकेशन/थिन फिल्म डिपॉज़िशन उपकरणों एवं कैरेक्टराइजेशन सुविधाओं से सुसज्जित हैं। एन.आर.एफ. का अनुसंधान कार्यक्रम राष्ट्रीय महत्त्व के विषयगत क्षेत्रों तथा नैनोविज्ञान एवं नैनोप्रौद्योगिकी के विकास से संबंधित मूलभूत अनुसंधान दोनों पर केंद्रित रहा है। एन.आर.एफ. सुविधा 24×7 खुली रहती है। आई.आई.टी. दिल्ली के विभिन्न विभागों एवं केंद्रों के 200 से अधिक संकाय सदस्य नैनोस्केल अनुसंधान सुविधा में अत्याधुनिक अनुसंधान कार्यों में संलग्न हैं। एन.आर.एफ. की सुविधाओं का उपयोग करते हुए नैनोफोटोनिक्स, नैनोमैग्नेटिक्स, नैनोमैकेनिक्स, नैनोफोटोवोल्टाइक्सि, नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स तथा बायोसेंसिंग से संबंधित अनेक उपलब्धियों का सफल प्रदर्शन किया गया है। वर्तमान में एन.आर.एफ. का अनुसंधान मुख्य रूप से स्वास्थ्य, कृषि, सुरक्षा एवं ऊर्जा क्षेत्र हेतु नैनोस्केल उपकरणों के विकास पर केंद्रित है। विशेष बल ऐसे माइक्रो/नैनोस्केल उपकरण विकसित करने पर दिया जा रहा है, जिन्हें उपयोगकर्ताओं तक पहुँचाया जा सके। भविष्य में संभावित नैनोस्केल उपकरणों के विकास हेतु नई अवधारणाओं एवं रणनीतियों की खोज की भी योजना है।

एन.आर.एफ. के उद्देश्य

- नैनोस्केल संरचनाओं एवं उपकरणों का डिज़ाइन, निर्माण एवं प्रदर्शन करना।
- नैनोस्केल प्रक्रियाओं हेतु नई अवधारणाओं एवं मूलभूत सिद्धांतों का अध्ययन करना।
- विभिन्न फैब्रिकेशन एवं कैरेक्टराइजेशन सुविधाओं का संचालन एवं अनुरक्षण करना।
- विद्यार्थियों को नैनोप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना।

उपलब्ध सुविधाएँ

एन.आर.एफ. में पर्याप्त कैरेक्टराइजेशन प्रयोगशाला सुविधाएँ उपलब्ध हैं, जिनमें एक्स.आर.डी., एस.ई.एम., एस.पी.वी., हाई रिज़ॉल्यूशन ए.एफ.एम.-रमन, पी.एल.-रमन, यू.वी.-विज़, एफ.टी.आई.आर., डी.एल.एस., जी.सी.एम.एस., एच.पी.एल.सी., ए.जी.एम., सेमिकंडक्टर कैरेक्टराइजेशन सिस्टम, कॉन्टैक्ट एंगल मेज़रमेंट, थर्मल कंडक्टिविटी आदि सहित 20 से अधिक उपकरण सम्मिलित हैं। यहाँ एक फैब्रिकेशन प्रयोगशाला (क्लीन रूम सुविधा: क्लास-100 एवं क्लास-1000) भी उपलब्ध है, जिसमें मास्कलेस लिथोग्राफी, मास्क अलाइनर, इलेक्ट्रॉन बीम एवापोरेशन, स्पटरिंग, रिएक्टिव आयन एचिंग, सी.वी.डी., एटॉमिक लेयर डिपॉज़िशन, पल्स लेज़र डिपॉज़िशन, वेट बेंच आदि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इन सुविधाओं का उपयोग एन.आर.एफ. वेबसाइट (https://nano.iitd.ac.in/) पर पंजीकरण के उपरांत

ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली के माध्यम से किया जा सकता है। वर्तमान में आई.आई.टी. दिल्ली के विभिन्न विभागों एवं केंद्रों के लगभग 2400 उपयोगकर्ता (संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी) इन सुविधाओं के उपयोग हेतु पंजीकृत हैं। ये सुविधाएँ देशभर के अन्य संस्थानों एवं उद्योगों के लिए भी उपलब्ध हैं।

अनुसंधान एवं उपलब्धियाँ

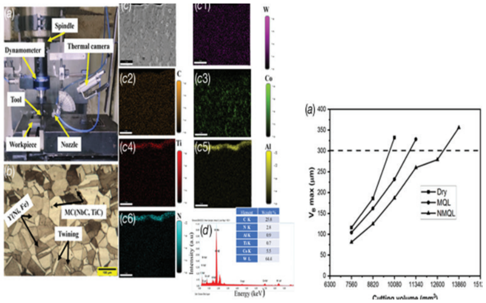

इन्वेस्टिगेटिंग द वियर मेकेनिज्म ऑफ़ TiAlN/ TiN पी.वी.डी.-कोटेड डब्ल्यू.सी. इंसर्ट्स इन एंड मिलिंग ऑफ़ इनकोलॉय 925 अंडर द सिनर्जी ऑफ़ बायो-डिग्रेडेबल फैटी एसिड्स एंड नैनो-मेटैलिक सॉलिड लुब्रिकेंट।

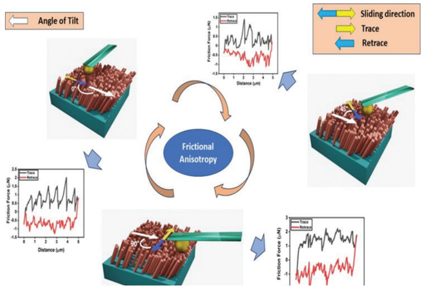

एनाइसोट्रॉपिक स्टिक-स्लिप फ्रिक्शनल सरफेसेज़ वाया टाइटेनिया नैनोरॉड।

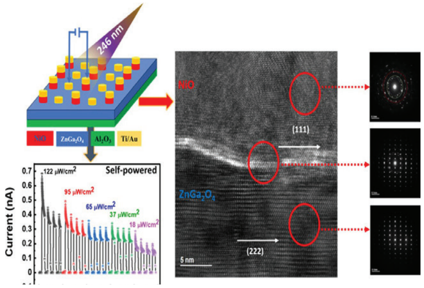

लिंग सुपीरियर सोलर-ब्लाइंड फोटोडिटेक्शन विद अ $NiO/ZnGa_2O_4$ हेटेरोजंक्शन डायोड।

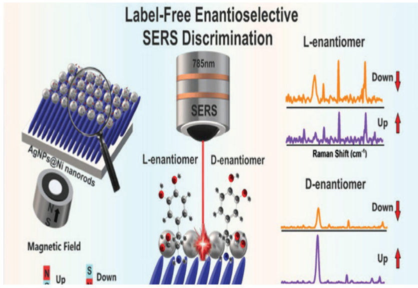

स्पिन-सेलेक्टिव चार्ज ट्रांसफर-एस.ई.आर.एस. ड्रिवन लेबल-फ्री एनैन्टियोसेलेक्टिव डिस्क्रिमिनेशन ऑफ़ काइरल मॉलीक्यूल्स ऑन Ag नैनोपार्टिकल-डेकोरेटेड Ni नैनोरॉड अरेज़।

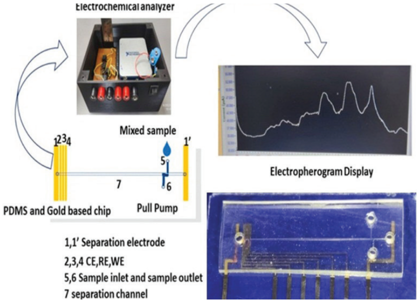

माइक्रोचिप इलेक्ट्रोफोरेसिस और पल्स एम्पेरोमेट्रिक डिटेक्टर आधारित मृदा कीटनाशक विश्लेषण का विकास तथा विशेषताओं का निर्धारण।

“सेमिकंडक्टर डिवाइसेज़ फॉर क्वांटम एप्लिकेशंस” विषय पर हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन एन.आर.एफ. में 21-25 जुलाई, 2025 को किया गया। यह वर्कशॉप नेशनल क्वांटम मिशन (एन.क्यू.एम.) के तत्त्वावधान में आयोजित की गई तथा इसे क्यू.एम.डी. फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से एडवांस्ड क्वांटम-इनेबल्ड सेमिकंडक्टर डिवाइसेज़ के फैब्रिकेशन एवं कैरेक्टराइजेशन से संबंधित ज्ञान प्रदान किया गया।

- एन.आर.एफ. यूज़र्स अवेयरनेस वर्कशॉप ऑन द यूज़ ऑफ़ द फैब्रिकेशन एंड कैरेक्टराइजेशन फैसिलिटीज का आयोजन 06 नवंबर 2025 को आई.आई.टी. दिल्ली के ब्लॉक-6 में किया गया। इस वर्कशॉप का उद्देश्य एन.आर.एफ. की सुविधाओं के उपयोग हेतु जागरूकता उत्पन्न करना तथा फैसिलिटी के यूज़र बेस का विस्तार करना था।

- सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग टेक्नॉलजी पर सी.ई.पी. प्रोग्राम के अंतर्गत 13 दिसंबर 2025 को एन.आर.एफ. विज़िट का आयोजन किया गया। इस विज़िट के माध्यम से प्रतिभागियों को सेमिकंडक्टर फैब्रिकेशन प्रोसेसेज़ एवं क्लीनरूम प्रोटोकॉल्स का प्रथम हैंड्स-ऑन एक्सपोज़र प्राप्त हुआ।
- एन.आर.एफ. में नए उपकरण:- हाई रिज़ॉल्यूशन ए.एफ.एम.-रमन, पी.ई.सी.वी.डी., वेट बेंच फैसिलिटी, कॉन्टैक्ट एंगल मेज़रमेंट, रमन-2, थर्मल कंडक्टिविटी, सी.वी.डी.-MoS_2 एवं सी.वी.डी.-ग्राफीन।
- पेटेंट्स की संख्या :- 11

7.5 करियर सेवाएं

करियर सेवाएं कार्यालय (OCS) करियर सेवाओं के लिए दुनिया भर के अग्रणी संगठनों के साथ संस्थान के केंद्रीय इंटरफेस के रूप में कार्य करता है। यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थियों को पर्याप्त तकनीकी अनुभव दिया जाए और उन्हें रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बनाया जाए। कॉर्पोरेट, अनुसंधान, सार्वजनिक क्षेत्र और उद्यमशीलता इकोसिस्टम के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से, OCS यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थी पेशेवर भूमिकाओं में सफलतापूर्वक प्रवेश करने के लिए भली-भांति तैयार हैं।

प्रशिक्षुता कार्यक्रम:

OCS सक्रिय रूप से इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराता है, जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव और इंडस्ट्री का अनुभव मिल सके। बी.टेक., बी.डिज़ाइन और ड्यूअल डिग्री प्रोग्राम (द्वितीय वर्ष से पूर्व-अंतिम वर्ष तक) के विद्यार्थी, गर्मी की छुट्टियों के दौरान व्यावहारिक प्रशिक्षण/इंटर्नशिप का विकल्प चुन सकते हैं। विद्यार्थी अपने मूल विभाग के विभागीय मानदंडों के अधीन अपने डिज़ाइन और व्यावहारिक अनुभव (DPE) घटक आवश्यकताओं की आंशिक पूर्ति के लिए इसके लिए क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं।

OCS द्वारा पूर्व-अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप की सुविधा भी प्रदान की जाती है:

- **एम. डिज़ाइन (डिज़ाइन निष्णात)**
- **एम.एससी. (संज्ञानात्मक विज्ञान)**
- **एम.एससी. (अर्थशास्त्र)**
- **एम.एससी. (गणित)**
- **एम.एससी. (भौतिकी)**
- **एम.एससी. (रसायन विज्ञान)**
- **एम.ए. (संस्कृति, समाज एवं विचार)**
- **सार्वजनिक नीति में निष्णात (एम.पी.पी.)**

सुनियोजित मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग के माध्यम से, OCS यह सुनिश्चित करता है कि विद्यार्थियों को अपनी अकादमिक पृष्ठभूमि और करियर की आकांक्षाओं के अनुरूप इंटर्नशिप मिल सके।

परिसर सेवायोजनः

OCS संस्थान से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए गतिशील एवं सुव्यवस्थित परिसर सेवायोजन कार्यक्रम आयोजित करता है। प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों को भी भर्ती अभियानों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाता है, जिनमें प्री-प्लेसमेंट वार्ता, चयन प्रक्रियाएँ और परिसर में या वर्चुअल माध्यमों से आयोजित साक्षात्कार शामिल होते हैं।

कार्यालय विद्यार्थियों के लिए अवसरों को व्यापक बनाने और उद्योग साझेदारी को मजबूत करने के लिए नए और उभरते संगठनों तक भी सक्रिय रूप से संपर्क करता है।

करियर विकास और सहायता सेवाएं

प्रशिक्षण और सेवायोजन के अलावा, OCS पूरे शैक्षणिक वर्ष में करियर विकास की एक व्यापक श्रृंखला प्रदान करता है। इनमें निम्नलिखित पर व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं और संवादात्मक सत्र शामिल हैंः

- **कैरियर परामर्श और योजना**
- **बायोडाटा और कवर पत्र की तैयारी**
- **साक्षात्कार तकनीक**
- **संचार और प्रस्तुति कौशल**
- **व्यावसायिक शिष्टाचार और सॉफ्ट कौशल**

विद्यार्थियों को विभिन्न संगठनों तक सीधी पहुंच प्रदान करने के लिए एक वार्षिक कैरियर मेले का आयोजन किया जाता है, जिससे वे करियर के विभिन्न रास्तों को तलाश सकें, उद्योग की अपेक्षाओं को समझ सकें और सोच-समझकर पेशेवर निर्णय ले सकें।

इन पहलों के माध्यम से, करियर सेवा कार्यालय संस्थान के विद्यार्थियों के पेशेवर भविष्य को संवारने और उद्योग के साथ मज़बूत व स्थायी संबंध बनाने में एक अहम भूमिका निभाता है।

7.6 अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ

संस्थान अस्पताल 20 बिस्तरों से सुसज्जित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सुविधा है जहाँ ओ.पी.डी. उपचार तथा सामान्य बीमारियों के लिए भर्ती की सुविधा उपलब्ध है। परिसर के केन्द्र में स्थित होने के कारण, हमारे रोगियों के लिए चिकित्सा सुविधा तक पहुँचना बहुत आसान है। अस्पताल में एक आउटसोर्स अपोलो फार्मेसी है जो सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक अच्छी गुणवत्ता वाली दवाइयां उपलब्ध कराती हैं। अस्पताल का संचालन 8 पूर्णकालिक ऐलोपैथी डाक्टरों, एक होम्योपैथी डॉक्टर, एक दन्त चिकित्सक और IRD के माध्यम से अनुबंध (contract) पर रखे गए आठ डॉक्टरों की एक टीम द्वारा किया जाता है। ये डॉक्टर OPD और आपातकालीन सेवाओं में सहायता करते हैं और सप्ताह के सभी दिनों (छुट्टियों सहित) में चौबीसों घंटे ड्यूटी पर तैनात रहते हैं, जिससे आपातकालीन स्थिति में डॉक्टरों की 24x7 उपलब्धता सुनिश्चित होती है। अस्पताल में एक फिजियोथेरेपी यूनिट है, साथ ही जांच के लिए अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों से लैस एक बुनियादी कम्पोजिट प्रयोगशाला और एक आउटसोर्स्ड उन्नत पैथोलॉजी प्रयोगशाला भी है। दन्त इकाई पूर्ण रूप से सुसज्जित है तथा दन्त चिकित्सक लघु मौखिक सर्जिकल प्रक्रियाओं के साथ-साथ सभी दन्त आपात स्थितियों का प्रबन्धन कर रहे हैं। सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार बायोमेडिकल वेस्ट प्रोटोकॉल का पालन किया जाता है। फरवरी 2025 से डिजिटल रेडियोग्राफी की सुविधा भी उपलब्ध हो गई है। इसके अलावा, अस्पताल में सप्ताह के कुछ दिनों में (अस्पताल की वेबसाइट पर प्रदर्शित विशेषज्ञों के शेड्यूल के अनुसार) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) और सफदरजंग अस्पताल से कार्डियोलॉजी, ENT, ऑर्थोपेडिक्स, ऑप्थाल्मोलॉजी, साइकियाट्री, न्यूरोलॉजी, पल्मोनोलॉजी, डर्मेटोलॉजी, पीडियाट्रिक्स और आयुर्वेद के क्षेत्र के अंशकालिक विशेषज्ञ भी आते हैं।

डॉक्टरों की सहायता कुशल नर्सें, फिजियोथेरेपिस्ट और अन्य पैरामेडिकल कर्मचारी करते हैं, जो प्राथमिक आपात स्थितियों को संभालते हैं तथा गंभीर रोगियों को दो एम्बुलेंस (एक PTA और एक BLS) के माध्यम से अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), सफदरजंग अस्पताल (SJH) या IIT द्वारा सूचीबद्ध अस्पतालों में भेजा जाता है। ये एम्बुलेंस सप्ताह के सभी दिनों में 24X7 उपलब्ध रहती हैं। कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे सेवारत और सेवानिवृत्त लाभार्थी, बीमा योजना के अंतर्गत आने वाले अच्छे अस्पतालों में सभी प्रकार के इनडोर और सर्जिकल उपचार प्राप्त कर सकते हैं।

सभी स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थी मेसर्स नेशनल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के साथ "विद्यार्थी (ग्रुप) मेडिक्लेम इंश्योरेंस कवर पॉलिसी' का लाभ भी उठा सकते हैं।

विस्तृत ईमेल आई.डी.- iitdelhi.helpdesk@vidalhealth.com और https://vidalhealthtpa.com/vidalhealthtpa/network-hospital.html देखें।

भा.प्रौ.सं. दिल्ली अस्पताल 'पल्स पोलिया प्रतिरक्षण' के लिए मान्यता प्राप्त केन्द्र है। और कई महीनों तक सरकारी कोविड टीकाकरण केंद्र भी रहा है। यह अस्पताल स्पोर्ट्स मीट, रोंदेवू, वार्षिक दीक्षांत समारोह, अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आयोजनों के दौरान चिकित्सा सहायता प्रदान करता है; साथ ही भा.प्रौ.सं. समुदाय के लिए निःशुल्क शिक्षाप्रद स्वास्थ्य जाँच शिविर प्रदान किए जाते हैं। ग्रुप 'ए' कर्मचारियों को आई.आई.टी. द्वारा सूचीबद्ध अस्पतालों में वार्षिक स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी मिलती है। कर्मचारियों और विद्यार्थियों, दोनों के लिए पूरे वर्ष निवारक स्वास्थ्य जांच की जाती है। सभी नए नियुक्त कर्मचारियों की संस्थान में शामिल होने से पहले अस्पताल में चिकित्सा जांच की जाती है।

यह अस्पताल पूरे वर्ष स्वच्छता, आंखों के स्वास्थ्य, BMD स्क्रीनिंग, मैमोग्राफी स्क्रीनिंग और CPR प्रशिक्षण से संबंधित स्वास्थ्य और जागरूकता शिविर आयोजित करने में सक्रिय भूमिका निभाता है।

8. औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (आई.आई.टी. दिल्ली) प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक सहयोग के माध्यम से ज्ञान और तकनीकी नवाचार को आगे बढ़ाने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाता है। इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए, औद्योगिक अनुसंधान और विकास (आई.आर.डी.) इकाई की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं और परामर्श कार्यों के लिए समर्पित प्रशासनिक और प्रबंधकीय सहायता प्रदान करने और विविध अनुसंधान और विकास गतिविधियों को मजबूत करना हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, संस्थान ने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं को विकसित करके और आंतरिक रूप से वित्तपोषित परियोजनाओं के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देकर एक मजबूत और जीवंत अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण किया है। आई.आई.टी. दिल्ली एक विश्वसनीय राष्ट्रीय भागीदार है, जो राष्ट्रीय चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक, समयबद्ध अनुसंधान और परामर्श समाधानों के माध्यम से समस्या निवारण, उत्पाद और प्रक्रिया विकास, डिजाइन सत्यापन और जटिल समस्या समाधान को हल करने में सक्रिय रूप से काम करता है।

संस्थान प्रमुख राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय संगठनों और विश्वविद्यालयों के साथ बड़े पैमाने पर सहयोग करता है। संकाय और विद्यार्थी गतिशीलता के माध्यम से सार्थक अनुसंधान साझेदारी और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है। आई.आर.डी. एकक राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जुड़ी मिशन-उन्मुख, उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं को समर्थन देना जारी रखे हुए है, जो तकनीकी समाधानों और ठोस सामाजिक प्रभाव में योगदान दे रही है ।

8.1 औद्योगिक अनुसंधान विकास अनुसंधान निधियन - सांख्यिकी

प्रायोजित परियोजना तथा परामर्श कार्य

कैलेंडर वर्ष 2025 में, आई.आर.डी. एकक के माध्यम से 364.40 करोड़ रुपये के कुल निधियन के साथ 644 प्रायोजित परियोजनाएँ और परामर्श कार्य किए गए।

आई.आई.टी. दिल्ली के संकाय-सदस्यों और विद्यार्थियों के बीच आई.आर.डी. अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए कई योजनाएं चलाता है।

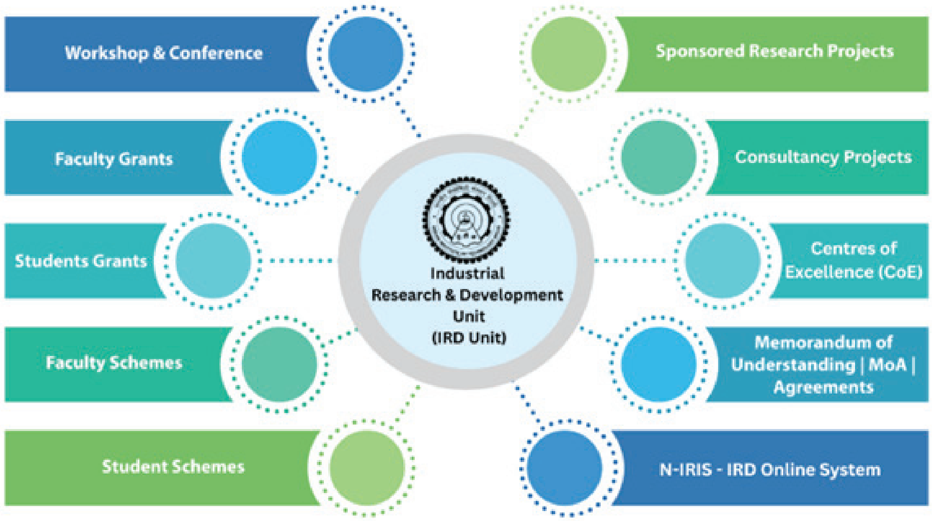

पिछले कुछ वर्षों में आई.आर.डी. की भूमिका में विविधता आई है।

https://ird.iitd.ac.in/

8.2 संकाय सदस्यों के लिए आई.आर.डी. सहायता

नए संकाय सदस्य के लिए अनुसंधान अनुदानः आई.आर.डी. संस्थान में शामिल होने वाले प्रत्येक नए संकाय सदस्य को 1 लाख रु. का एक बारगी अनुदान प्रदान करता है।

न्यू फैकल्टी सीड ग्रांट (NFSG): संस्थान में शामिल होने वाले प्रत्येक नए संकाय सदस्य को 20 लाख रु. तक का न्यू फैकल्टी सीड ग्रांट (NFSG) उपलब्ध है, और इसे कार्यभार ग्रहण करने के 3 वर्ष के अंदर लेना अनिवार्य है।

इक्विपमेन्ट मैचिंग ग्रांटःसंकाय सदस्यों के लिए 30 लाख रुपये तक का इक्विपमेन्ट मैचिंग ग्रांट (ई.एम.जी.) उपलब्ध है, जो उनके शामिल होने के तीन साल के भीतर अनुमोदित बाहरी रूप से वित्तपोषित प्रायोजित परियोजनाओं से जुड़ा है। संकाय सदस्य 30 लाख रुपये की अधिकतम सीमा तक पहुंचने तक ई.एम.जी. के लिए कई बार आवेदन कर सकते हैं, प्रत्येक मंजूरी से मिले धन का उपयोग करने के लिए एक वर्ष का समय दिया जाता है। खरीदे गए इक्विपमेंट का प्रायोजित परियोजनाओं से संबंधित होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन ई.एम.जी. का उपयोग व्यक्तिगत उपकरणों, फर्नीचर या कार्यालय की आपूर्ति के लिए नहीं किया जा सकता।

संकाय यात्रा अनुदान: नवगठित संकाय यात्रा अनुदान के अनुसार, भारत सरकार द्वारा पेशेवर विकास भत्ते (पीडीए) के तहत प्रदान की गई सहायता के अलावा, तीन साल के ब्लॉक में राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों से संबंधित खर्चों—जैसे यात्रा, सम्मेलन पंजीकरण शुल्क, आवास, वीजा, बीमा, दैनिक भत्ता और अन्य संबद्ध खर्चों को कवर करने के लिए अतिरिक्त 3 लाख रुपये प्रदान किए जा रहे हैं।

दीपक राघवन फैमिली फाउंडेशन (डी.आर.एफ.एफ.) सम्वर्धन कार्यक्रम: संकायाध्यक्ष (अल्युमनी संबंध) के सहयोग से, आई.आर.डी. ने डी.आर.एफ.एफ. के तहत एक विशेष अनुसंधान कार्यक्रम शुरू किया है। यह विशेष रूप से युवा संकाय सदस्यों (45 वर्ष तक की आयु तक) का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और इसके तहत एक चेयर प्रोफेसरशिप और 5 वर्ष तक अनुसंधान अनुदान दोनों प्रदान किए जाते हैं।

8.3 विद्यार्थियों के लिए आई.आर.डी. योजनाएं

- **समर अंडर ग्रेजुएट्स रिसर्च अवार्ड (SURA):** SURA योजना सबसे लोकप्रिय योजनाओं में से एक है, जिसका उद्देश्य युवा स्नातक विद्यार्थियों के बीच अनुसंधान और विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना है। विद्यार्थियों को समस्याओं की पहचान करने, अध्ययन एवं विश्लेषण करने के साथ-साथ समाधान तैयार करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।
- **आई.आर.डी. द्वारा प्रदत्त गैप पीरियड सहायतावृत्ति/अध्येतावृत्ति:** आई.आर.डी. द्वारा पीएच.डी. एम.टेक. तथा एम.एस.(आर.) करने वाले उन विद्यार्थियों को सहायतावृत्ति/अध्येतावृत्ति प्रदान की जाती है। जिन्हें पहले किसी शोध परियोजना (Project) से वित्तीय सहायता प्राप्त हो रही थी। यह सहायता उन विद्यार्थियों के लिए है, जिनकी परियोजना समाप्त हो जाने के बाद कुछ समय तक कोई अन्य वित्तीय स्रोत उपलब्ध नहीं होता। एम.टेक. तथा एम.एस. (आर.) विद्यार्थियों को अधिकतम 6 माह तक सहायता प्रदान की जा सकती है। पीएच.डी. विद्यार्थियों को अधिकतम 1 वर्ष तक सहायता दी जा सकती है।
- **आई.आर.डी. अर्ली-डॉक फेलोशिप:**सफलतापूर्वक पीएच.डी. मौखिक परीक्षा (viva) पूर्ण करने के पश्चात् पीएच.डी. विद्यार्थियों को आई.आर.डी. अर्ली-डॉक फेलोशिप प्रदान की जाती है। इसके अंतर्गत थीसिस पांडुलिपि (Thesis Manuscript) को पूर्ण करने के लिए अधिकतम 3 माह तक ₹40,000 प्रतिमाह की वित्तीय सहायता दी जाती है। डिग्री को समय से पहले पूर्ण करने के उद्देश्य से इस योजना में वर्तमान में संशोधन किया जा रहा है।
- **अनुसंधान उत्कृष्टता यात्रा पुरस्कार (RETA):** अत्यंत प्रतिभाशाली शोधार्थियों (पूर्णकालिक एवं अंशकालिक दोनों) को आई.आर.डी. की प्रोत्साहन निधि से ₹2,00,000/- तक का अनुसंधान उत्कृष्टता यात्रा पुरस्कार (RETA) प्रदान किया जाता है। RETA का उपयोग केवल किसी एक सम्मेलन में भाग लेने हेतु यात्रा व्यय के लिए किया जा सकता है।

- **अनुसंधान शोधार्थी यात्रा पुरस्कार (RSTA):** सभी शोधार्थियों को अनुसंधान शोधार्थी यात्रा पुरस्कार (RSTA) के अंतर्गत आई.आर.डी. की अनुसंधान प्रोत्साहन निधि से अधिकतम ₹1,80,000/- तक की यात्रा सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता संस्थान द्वारा दिए जाने वाले प्रारंभिक ₹20,000/- के अनुदान के अतिरिक्त होती है।

- **स्टूडेंट स्टार्ट-अप एक्शन तथा डिस्कवर एवं लर्न (1-2-3-4) योजना:** आई.आर.डी. ने वर्ष 2016 में विद्यार्थियों के शोध कौशल तथा अनुभवात्मक अधिगम को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्टूडेंट स्टार्ट-अप एक्शन तथा डिस्कवर एवं लर्न (1-2-3-4) योजना प्रारम्भ की। तब से अब तक प्रमुख अनुसंधान क्षेत्रों में 32 स्टूडेंट स्टार्ट-अप परियोजनाओं तथा 56 डिस्कवर एंड लर्न परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है।

  वित्तीय वर्ष 2024-2025 में एक स्टूडेंट स्टार्ट-अप परियोजना तथा 11 डिस्कवर एंड लर्न परियोजनाएँ प्रारम्भ की गईं। इस योजना ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं, जिनमें 8 शोध प्रकाशन, 5 पेटेंट (दाखिल) तथा विभिन्न पुरस्कारों के माध्यम से प्राप्त सम्मान शामिल हैं। सुश्री कुसुम सैनी को वर्ष 2024 का विश्वकर्मा पुरस्कार तथा बैच ऑफ़ 1969 इनोवेशन फेलो अवार्ड 2024 प्रदान किया गया। इस परियोजना के अंतर्गत विकसित नवाचारों के परिणामस्वरूप एक स्टार्ट-अप की स्थापना भी हुई है।

8.4 आई.आई.टी. दिल्ली ओपन हाउस

ओपन हाउस भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य संस्थान के विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा किए जा रहे अत्याधुनिक शोध एवं नवाचारों को उद्योग जगत, वित्तपोषण एजेंसियों तथा स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत करना है।

हर वर्ष इस आयोजन में लगभग 3000–4000 आगंतुक भाग लेते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के वरिष्ठ विद्यार्थी, शिक्षक, उद्योगों के प्रतिनिधि तथा वित्तपोषण एजेंसियों के सदस्य शामिल होते हैं। आगंतुकों को देश के अग्रणी विज्ञान एवं इंजीनियरी संस्थानों में से एक को करीब से जानने और यहाँ किए जा रहे अभूतपूर्व शोध, नवाचारी परियोजनाओं, वैज्ञानिक प्रदर्शनों तथा शोध पोस्टरों को देखने का अवसर मिलता है।

8.5 उत्कृष्टता केंद्र (Centres of Excellence)

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली ने पिछले पाँच वर्षों (जनवरी 2021 – दिसंबर 2025) के दौरान उन्नत अनुसंधान, नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने हेतु कुल 12 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनके माध्यम से विभिन्न उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। ये उत्कृष्टता केंद्र विशेष क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं, जिनमें बुद्धिमत्ता एवं स्वच्छ नदी प्रणालियाँ, विद्दुत प्रणालियों में विनियामक मामले, सतत आयुर्वेद, जलवायु मॉडलिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ, क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ, स्मार्ट टेक्सटाइल्स, प्रक्रिया सुरक्षा एवं जोखिम प्रबंधन, प्रिसिजन मेडिसिन एवं मेडटेक, अल्ट्रा-प्रिसिजन ऑप्टिक्स विनिर्माण तथा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं।

8.6 निष्पादित समझौता ज्ञापन (MoUs) एवं महत्त्वपूर्ण अनुसंधान पहलें

औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास (IRD) एकक ने पिछले पाँच वर्षों (जनवरी 2021 – दिसंबर 2025) के दौरान अंतरराष्ट्रीय संगठनों एवं विश्वविद्यालयों के साथ कुल 57 समझौता ज्ञापनों की पहल की है।

इनमें से 19 समझौता ज्ञापन अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ निम्नलिखित क्षेत्रों पर केंद्रित हैं: व्यवसाय एवं व्यापार, सतत घरेलू उपकरण प्रौद्योगिकियाँ, गतिशील (मोबिलिटी) प्रौद्योगिकियाँ, प्रिसिजन एवं रोगी-विशिष्ट चिकित्सा, जैव-प्रौद्योगिकी, ऑप्टिक्स, क्वांटम प्रौद्योगिकियाँ, जलविद्‌त ऊर्जा, सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग आदि।

इसके अतिरिक्त, 38 समझौता ज्ञापन राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संगठनों/उद्योगों के साथ किए गए हैं, जो विधि, पेट्रोलियम एवं ऊर्जा, हेल्थ-टेक एवं चिकित्सा प्रौद्योगिकियाँ, कौशल विकास, रक्षा, उन्नत सामग्री, मृदा, जल एवं पर्यावरण संरक्षण, कार्बन डाइऑक्साइड कैप्चर एवं उपयोग (CCU), कृषि प्रौद्योगिकियाँ, अवसंरचना विकास, डेटा माइनिंग तथा बिग डेटा विश्लेषण जैसे अनुसंधान क्षेत्रों पर केंद्रित हैं।

ये समझौता ज्ञापन विज्ञान, प्रबंधन, इंजीनियरी तथा सामाजिक विज्ञान की एक या अधिक विषय में सहयोगी कार्यक्रमों के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। जिससे आपसी हित के क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग, अकादमिक आदान-प्रदान और प्रयोगशाला सुविधाओं के साझा उपयोग को बढ़ावा मिलता है।

8.7 वैश्विक अनुसंधान साझेदारी कार्यक्रम

औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास (IRD) एकक ने विभिन्न विश्वविद्यालयों के राष्ट्रीय एवं वैश्विक अनुसंधान साझेदारों के साथ एक बीज-वित्तपोषित (Seed-funded) सहयोगात्मक कार्यक्रम की शुरुआत की है। इन साझेदार संस्थानों की विशेषज्ञता एक-दूसरे की पूरक है, जिसका उद्देश्य समाज और पृथ्वी के समक्ष उपस्थित तकनीकी चुनौतियों का समाधान करना है।

जी.आर.एफ. कार्यक्रम, जिसे पहले मल्टी-इंस्टीट्यूट फैकल्टी इंटरडिसिप्लिनरी प्रोजेक्ट्स (MFIRP) कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था, कम-से-कम दो संस्थानों के शिक्षकों की टीमों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु बीज अनुदान (Seed Grants) प्रदान करता है। हर संस्थान इस साझा प्रोजेक्ट में अपने संकाय सदस्य को सहयोग देता है। संस्थान की ओर से मिलने वाला यह सहयोग आमतौर पर एक से दो साल की अवधि में 5 से 10 लाख रुपये तक का होता है, जो संस्थानों के बीच हुए समझौतों पर निर्भर करता है।

अब तक औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास एकक ने राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ 119 तथा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ 194 संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को सहयोग प्रदान किया है। इस प्रकार, कुल 313 वैश्विक अनुसंधान साझेदारी (GRP) परियोजनाओं को समर्थन दिया जा चुका है।

वर्तमान में, औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास की जी.आर.एफ. योजना के अंतर्गत 3 राष्ट्रीय तथा 10 अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ कुल 81 (57+24) संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इन संस्थानों का विवरण निम्नलिखित है:

अंतरराष्ट्रीय संस्थान

- **हिब्रू यूनिवर्सिटी ऑफ़ जेरूसलम, इज़राइल**
- **नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी, ताइवान**
- **डेल्फ्ट टेक्निकल यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड**
- **यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन, यूनाइटेड किंगडम**
- **यूनिवर्सिटी एट बफ़ेलो, अमेरिका**
- **सोरबोन विश्वविद्यालय, फ्रांस**
- **यूनिवर्सिटी ऑफ़ एक्सेटर, यूनाइटेड किंगडम**
- **खलीफा यूनिवर्सिटी, संयुक्त अरब अमीरात**
- **मोहम्मद बिन जायद ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंट यूनिवर्सिटी, संयुक्त अरब अमीरात**
- **यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया**

राष्ट्रीय संस्थान

- **इंस्टीट्यूट ऑफ़ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज़, नई दिल्ली**
- **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली**
- **क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबाद**

8.8 संयुक्त डिग्री कार्यक्रम

नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी (ताइवान) – आई.आई.टी. दिल्ली कार्यक्रम: नेशनल यांग मिंग चियाओ तुंग यूनिवर्सिटी तथा आई.आई.टी. दिल्ली ने 29 अगस्त, 2024 को संयुक्त डॉक्टरल कार्यक्रम (JDP) संबंधी समझौता ज्ञापन का नवीनीकरण करके अपनी शैक्षणिक साझेदारी को पुनः सुदृढ़ किया है। यह सहयोग विशेष रूप से सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान उत्कृष्टता और अंतरविद्याशाखायी नवाचार को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रवेश वर्ष भर खुले रहते हैं। विस्तृत जानकारी NYCU-IITD वेबसाइट: https://nycu.iitd.ac.in पर उपलब्ध है।

प्रमुख उपलब्धियाँ

- कई विद्यार्थियों ने JDP कार्यक्रम की आवश्यकताओं के अंतर्गत संयुक्त रूप से शोध-पत्र एवं सम्मेलन कार्यवाहियों (Conference Proceedings) का सह-लेखन किया है।
- उल्लेखनीय रूप से, अनेक विद्यार्थियों को एन.वाई.सी.यू. में अपने शोध कार्यकाल के दौरान माइक्रॉन टेक्नॉलजी, मीडियाटेक तथा ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी (TSMC) जैसी उद्योगों से स्पॉन्सरशिप प्राप्त की।
- कुछ शोधार्थियों ने एन.वाई.सी.यू. में पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान के लिए भी प्रवेश प्राप्त किया है।
- एन.वाई.सी.यू. ने "विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त उत्कृष्ट शोध परिणामों हेतु प्रोत्साहन योजना" के अंतर्गत IITD-NYCU JDP के तीन विद्यार्थियों को शोध-पत्र प्रकाशन के लिए प्रति शोध-पत्र 20,000 एनटीडी (NTD) की प्रोत्साहन राशि प्रदान की है।

यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया (UQ-IITD रिसर्च अकादमी): यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के संयुक्त सहयोग से UQ-IITD रिसर्च अकादमी (Academy) की स्थापना वर्ष 2018 में की गई थी। UQ और IIT दिल्ली दोनों ही अनुसंधान उत्कृष्टता के माध्यम से विश्व में योगदान देने की साझा दृष्टि रखते हैं। यह सहयोग अनुसंधान के प्रभाव को सुदृढ़ करने तथा दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक, सतत एवं पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी विकसित करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। यह अकादमी एक अभिनव साझेदारी का प्रतिनिधित्व करती है, जो दोनों संस्थानों के सभी संकायों एवं अनुसंधान संस्थानों की सहभागिता से संयुक्त पीएच.डी. कार्यक्रम जैसी प्रमुख पहल के माध्यम से एक सुदृढ़ अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान कार्यक्रम का विकास कर रही है।

इस अकादमी के अंतर्गत विद्यार्थी विभिन्न प्रकार की अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य करते हैं, जिनमें दोनों संस्थानों की संयुक्त विशेषज्ञता, प्रयोगशाला सुविधाओं तथा अनुसंधान क्षमताओं का उपयोग करते हुए वैश्विक स्तर की महत्त्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान खोजने का प्रयास किया जाता है। यद्यपि विद्यार्थी मुख्य रूप से अपने मूल संस्थान में अध्ययन एवं शोध कार्य करते हैं, उन्हें यूनिवर्सिटी ऑफ़ क्वींसलैंड तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों द्वारा संयुक्त मार्गदर्शन (Dual Supervision) प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को 12 माह तक सहयोगी विश्वविद्यालय में अध्ययन एवं शोध करने का अवसर भी प्राप्त होता है। कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा होने पर विद्यार्थियों को UQ तथा IIT दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से पीएच.डी. उपाधि प्रदान की जाती है। अब तक अकादमी में 135 विद्यार्थी नामांकित हो चुके हैं तथा 23 विद्यार्थी स्नातक उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। अकादमी प्रतिवर्ष नए विद्यार्थियों को अधिकतम 25 पीएच.डी. छात्रवृत्तियाँ प्रदान करती है, इसके अतिरिक्त बाहरी वित्तपोषण प्राप्त विद्यार्थियों को भी छात्रवृत्ति के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैं।

अकादमी के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://uqiitd.org/ देखें:

सोरबोन यूनिवर्सिटी (फ्रांस): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली (IITD) और सोरबोन यूनिवर्सिटी (SU) के मध्य स्थापित IITD-SU "वन हेल्थ कैंपस" एक रणनीतिक साझेदारी है। यह बहुविषयक मंच स्वास्थ्य सेवा अनुसंधान एवं शिक्षा पर केंद्रित है, जिसमें जैव-इंजीनियरी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, तंत्रिका-विज्ञान तथा कैंसर चिकित्सा जैसे क्षेत्रों का समावेश किया गया है।इसकी प्रमुख उपलब्धियों में जून 2023 में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर शामिल हैं। इस पहल के अंतर्गत शैक्षणिक वर्ष 2024 एवं 2025 के लिए आयोजित विंटर एवं स्प्रिंग स्कूलों में 30 विद्यार्थियों का नामांकन किया गया। इसके अतिरिक्त, जुलाई 2025 में सोरबोन यूनिवर्सिटी के साथ एक संयुक्त डिग्री कार्यक्रम को भी स्वीकृति प्रदान की गई। इस पहल का उद्देश्य दोनों संस्थानों की संयुक्त विशेषज्ञता का लाभ उठाकर वैश्विक स्वास्थ्य समाधानों को आगे बढ़ाना है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट https://international.iitd.ac.in/student-exchanges देखें।

9. प्रशासनिक संरचना

कुलाध्यक्ष

श्रीमती द्रौपदी मुर्मू
(भारत की माननीय राष्ट्रपति)

अध्यक्ष, अभिशासक परिषद

हरीश साल्वे, किंग्स काउंसिल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता

निदेशक

प्रो. रंगन बनर्जी

उप-निदेशक

प्रो. अरविंद के. नेमा (प्रचालन) | **प्रो. विवेक वी. बुवा** (नीति एवं योजना)

संकायाध्यक्ष

प्रो. धान्या सी.टी. : (शैक्षणिक)

प्रो. सिद्धार्थ पांडेय : (संकाय)

प्रो. अश्विनी के. अग्रवाल : (अनुसंधान एवं विकास)

प्रो. अनिल वर्मा : (अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम)

प्रो. बी.के. पाणिग्रही : (छात्र कार्य)

प्रो. दीप्ति रंजन साहू : (अवसंरचना)

प्रो. सोमनाथ बैद्य रॉय : (योजना)

प्रो. जयंत जैन : (कॉर्पोरेट संबंध)

प्रो. नीलांजन सेनरॉय : (पूर्व छात्र संबंध)

प्रो. दीपक कुमार : (विविधता एवं समावेशन)

सह-संकायाध्यक्ष

प्रो. अभिजीत राज : शैक्षणिक (पाठ्यक्रम)

प्रो. सुप्रीत सिंह बघा : शैक्षणिक (स्नातकोत्तर अनुसंधान)

प्रो. शिल्पी शर्मा : शैक्षणिक (ONI)

प्रो. शुचि सिन्हा : संकाय

प्रो. सुनील झा : अनुसंधान एवं विकास

प्रो. एस. प्रद्युम्न : छात्र कार्यक्रम

प्रो. प्रबल तालुकदार : छात्रावास प्रबंधन

प्रो. श्रीदेवी उपाध्यायुला : छात्र कल्याण

प्रो. सेशन श्रीरंगराजन : अवसंरचना (विद्युत)

प्रो. श्री हर्षा कोटा : अवसंरचना (नवीनीकरण)

प्रो. अमित गुप्ता : अवसंरचना (रखरखाव)

कुलसचिव

अतुल व्यास

बोर्डों के अध्यक्ष

प्रो. रंगन बनर्जी	शैक्षिक अनुसंधान एवं योजना बोर्ड, सीनेट की कार्यकारी समिति तथा छात्र कार्य परिषद
प्रो. धान्या सी.टी.	शैक्षणिक कार्यक्रम बोर्ड

छात्र गतिविधियों से संबंधित बोर्डों के अध्यक्ष

प्रियंका कौशल	छात्र प्रकाशन बोर्ड (BSP)
बप्पादित्य मन्ना	मनोरंजन एवं सृजनात्मक गतिविधि बोर्ड (BRCA)
प्रबल तालुकदार	छात्रावास प्रबंधन बोर्ड (BHM)
श्रीदेवी उपाध्यायुला	छात्र-शिक्षक संवाद समिति (STIC)
वीरेश्वर कुमार	खेल गतिविधि बोर्ड (BSA)
श्रीदेवी उपाध्यायुला	छात्र कल्याण बोर्ड (BSW)
कौशिक मुखर्जी	उपाध्यक्ष, छात्र कल्याण बोर्ड एवं समन्वयक, विद्यार्थी मेंटरशिप कार्यक्रम
श्रीनिवासन वेंकटरमण	उपाध्यक्ष, छात्र गतिविधि बोर्ड
तपन के. नायक	उपाध्यक्ष, मनोरंजन एवं सृजनात्मक गतिविधि बोर्ड

अन्य पदाधिकारी

सर्वेश के. श्रीवास्तव	विदेशी विद्यार्थियों के सलाहकार
सुजीत मन्ना	एन.सी.सी. समन्वयक
कामना पोरवाल	एन.सी.सी. (महिला) समन्वयक
अंकेश जैन	एन.एस.एस. समन्वयक
मनोज चरणदास रामटेके	एस.सी./एस.टी. प्रारंभिक पाठ्यक्रम समन्वयक
सुजिन बी. बाबू	सुलभ शिक्षा कार्यालय (OAE-I) सलाहकार
गौरब कर	सुलभ शिक्षा कार्यालय (OAE-II) सलाहकार
शहज़ाद गनी	इंद्रधनुष सलाहकार
यशपाल जोगदंड	एस.सी./एस.टी. छात्र एवं जातीय समानता पहल सलाहकार
रिजुरेखा सेन	लैंगिक समानता एवं संवेदनशीलता पहल संयोजक
संजीवा प्रसाद	सह-संयोजक, लैंगिक समानता एवं संवेदनशीलता पहल

शैक्षणिक गतिविधियों के अध्यक्ष

स्मृति रंजन सारंगी *अध्यक्ष, CSC (Ex-Officio)*	कंप्यूटर प्रयोक्ता समिति (CUC)
सुदीप के. पटनायक	जे.ई.ई. (एडवांस्ड)-2026, अध्यक्ष
प्रमित के. चौधरी	जे.ई.ई. (एडवांस्ड)-2026, उपाध्यक्ष
बी.जे. अल्लापट	पुस्तकालय सलाहकार समिति (ACL)
विमलेश पंत	गेट/जैम-2026, अध्यक्ष
शेख ज़ियाउद्दीन अहमद एवं जोसमोन जैकब	गेट/जैम-2026, उपाध्यक्ष
श्रीदेवी उपाध्यायुला *अध्यक्ष, BSW (Ex-Officio)*	छात्र परामर्श सेवाएँ (SCS), अध्यक्ष
नीरज चौरसिया	हिंदी कक्ष, अध्यक्ष
सुमित प्रमाणिक	ग्रेड एवं पंजीकरण (स्नातक एवं स्नातकोत्तर)
शुभ्रा दत्ता	समय-सारिणी समिति (स्नातक एवं स्नातकोत्तर)
मनोज कुमार सी. रामटेके	क्यू.आई.पी./सी.ई.पी./ओ.सी.डी.सी., अध्यक्ष

अंतरविद्याशाखायी कार्यक्रमों के समन्वयक

अंकेश जैन	VLSI डिज़ाइन उपकरण एवं प्रौद्योगिकी (JVL, JVY)
जॉली ज़ेवियर पी.	उपकरण प्रौद्योगिकी (JID)
संदीप कुमार	दूरसंचार प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन (JTM)
हुज़ूर सरन	साइबर सुरक्षा (JCS)
शुभेंदु भसीन	रोबोटिक्स (JRB)
अमर्त्य सेनगुप्ता (भौतिकी), **सांतनु मन्ना (विद्युत इंजीनियरी)**	ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रकाशीय संचार (JOP)

केन्द्रीय कार्यशाला

सुनील झा	अध्यक्ष

छात्रावासों के वार्डन एवं सह वार्डन

अंकेश जैन	अरावली
अंकुश अग्रवाल	ज्वालामुखी
मीनाक्षी कुमारी	कैलाश
बिपिन कुमार	काराकोरम
साहिल बंसल	कुमाऊँ
पिंटू दास	नीलगिरि
अर्नब चंदा	शिवालिक
हारुन वेंकटेशन	विंध्याचल
समीरन मंडल	गिरनार
शरण कुमार	ज़ांस्कर
प्रसन्ना आर.	उदयगिरि
पूजा घोष	हिमाद्रि
विक्रांत	सतपुड़ा
बिस्वरूप मुखर्जी	द्रोणागिरि
शहाब फ़ातिमा	सह्याद्रि
बिस्वजित परिडा	सप्तगिरि
अर्चना सामंता	नालंदा / आई.पी. / न्यू विंध्याचल / ट्रांज़िट आवास

विभिन्न अनुभागों के प्रभारी प्रोफेसर

श्री हर्षा कोटा	अतिथि गृह एवं सभागार
शुभ्रा दत्ता	एल.एच.सी. (लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स)
एस. नागेन्द्रन	ई.एच.एल.एस. एकक
नरेश वर्मा दातला	ओ.सी.एस.

केंद्रीय सतर्कता प्रकोष्ठ (CVC)

मुख्य सतर्कता अधिकारी	एस.के. साहा

सूचना का अधिकार (RTI)

लोक सूचना अधिकारी	दीपक राजा
प्रथम अपीलीय अधिकारी	एन. भास्कर
पारदर्शिता अधिकारी	अतुल व्यास

प्रशासन

अतुल व्यास	कुलसचिव
के.के. भट्टाचार्जी *(प्रतिनियुक्ति पर)*	संयुक्त कुलसचिव
मोहम्मद शमीम	संयुक्त कुलसचिव (लेखा)
एन. भास्कर	संयुक्त कुलसचिव (निदेशक कार्यालय, सतर्कता, शिकायत मामले एवं प्रथम अपीलीय प्राधिकारी)
एलन वी. सिनाटे	उप-कुलसचिव (शैक्षणिक)
देब रंजन मुखर्जी	उप-कुलसचिव (स्थापना-I, आई.आर.डी. लेखा, टिम्बल)
अमिताभ मुकर्जी	उप-कुलसचिव (लेखा परीक्षण)
संजय पांडे	उप-कुलसचिव (स्थापना -II, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ)
रमा शर्मा	उप-कुलसचिव (भर्ती प्रकोष्ठ)
पंकज प्रसाद	सहायक कुलसचिव (लेखा)
कुमार सौरभ	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक अनुभाग, IIT सोनीपत परिसर)
स्नेहा जालान	सहायक कुलसचिव (निर्माण कार्य)
मनीष भारद्वाज	सहायक कुलसचिव (अस्पताल एवं स्वास्थ्य सेवाएँ, रोस्टर, भंडार एवं क्रय अनुभाग)
दीपक राजा	सहायक कुलसचिव (विधि प्रकोष्ठ, ई.आर.पी., ई-ऑफिस, समन्वय, आर.एंड आई.एकक, आर.टी.आई. प्रकोष्ठ)
सुचित्रा भटनागर	सहायक कुलसचिव (योजना एकक)
रजनीश जरयाल	सहायक कुलसचिव (छात्र कार्य)
गुरसेवक सिंह	सहायक कुलसचिव (शैक्षणिक)
शिव प्रकाश यादव	जनसंपर्क अधिकारी; प्रकाशन प्रकोष्ठ प्रभारी
अशोक कुमार *(कार्यवाहक)*	संस्थान अभियंता

अनुज गौड़	कार्यकारी अभियंता (सिविल)
अशोक कुमार	कार्यकारी अभियंता (सिविल)
आशीष कुमार विनोदिया	कार्यकारी अभियंता (विद्दुत)
रफ़त जमाल	कार्यपालक अभियंता (विद्दुत)
राजू राम परिहार	कार्यपालक अभियंता (सिविल)
प्रदीप कर्मकार	सहायक कार्यपालक अभियंता (विद्दुत)
अशोक कुमार सिंह	सहायक कार्यपालक अभियंता (सिविल अनुरक्षण एवं पी.एच.)
राजगोपाल आत्मकुरा	सहायक कार्यपालक अभियंता (विद्दुत)
दीपक त्यागी	सहायक कार्यपालक अभियंता (विद्दुत)
राजेश कुमार	सहायक कार्यपालक अभियंता (सिविल)
स्वाती ठाकुर	हिंदी अधिकारी
सर्वेश कुमार श्रीवास्तव	सुरक्षा अधिकारी
भारत वाधवा	वरिष्ठ सिस्टम विश्लेषक
भूपेंद्र सिंह (प्रतिनियुक्ति पर)	प्रमुख तकनीकी अधिकारी
उदय डड़वाल	प्रमुख तकनीकी अधिकारी
वंदना आहलूवालिया	तकनीकी अधिकारी
मनजीत सिंह	तकनीकी अधिकारी
अजय प्रताप सिंह	तकनीकी अधिकारी
अमित बुंदेला	तकनीकी अधिकारी
लोकेन्द्र सिंह डांगी	तकनीकी अधिकारी
जसवंत दीपक बारा	तकनीकी अधिकारी
दिव्या सचदेवा	तकनीकी अधिकारी
अशोक कुमार लूनिया	तकनीकी अधिकारी
अनिल आर.	तकनीकी अधिकारी
सुजीथ एस.	तकनीकी अधिकारी
बूरला सागर कुमार	तकनीकी अधिकारी
आशीष कुमार विजय	तकनीकी अधिकारी
प्रशांत पॉल	तकनीकी अधिकारी
नितीश कुमार	तकनीकी अधिकारी
राजीव रंजन राठौर	तकनीकी अधिकारी
एम.के. सागर	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG)

अजय कुमार जैन	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG)
अनिला खोसला	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (SAG)
पी. के. राजेश	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (NFSG)
मो. अशफाक हुसैन	मुख्य चिकित्सा अधिकारी (NFSG)
सैयद यास्मीन रौनक	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
एल. पांगरलेम्बा	मुख्य चिकित्सा अधिकारी
राजलक्ष्मी बोरा	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी
शालिनी सिंह	चिकित्सा अधिकारी (दंत)
अनिश्या ओबराय मदान	औद्योगिक संपर्क अधिकारी
गरिमा सिंह	प्रशिक्षण एवं सेवायोजन अधिकारी
शची माथुर	वरिष्ठ काउंसलर
आकृति आस्था *(EOL पर)*	परामर्शदाता (EOL पर)
ममता सिन्हा	परामर्शदाता
संदीप शर्मा	सुरक्षा अधिकारी
कपिल कुमार	सुरक्षा अधिकारी
दीपक नेगी	खेल अधिकारी
रेखा सती देओली	संयुक्त खेल अधिकारी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

सम्मान संहिता (HONOUR CODE)

मैं..., प्रविष्टि संख्या ....,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के एक विद्यार्थी के रूप में एतद्द्वारा यह वचन देता/ देती हूँ कि:-

1. मैं परीक्षाओं में किसी प्रकार की अनुचित सहायता न दूँगा/दूँगी और न ही प्राप्त करूँगा/करूँगी; तथा मंम कक्षा कार्य, रिपोर्ट तैयार करने या किसी अन्य ऐसे कार्य में, जिसका उपयोग शिक्षक मूल्यांकन के आधार के रूप में करते हैं, किसी प्रकार की अनधिकृत सहायता न दूँगा/दूँगी और न ही प्राप्त करूँगा/करूँगी; और

2. मैं अपने दायित्व का निर्वहन करूँगा/करूँगी तथा यह सुनिश्चित करने में सक्रिय भाग लूँगा/लूँगी कि मैं स्वयं तथा अन्य सभी विद्यार्थी सम्मान संहिता की भावना और प्रावधानों का पालन करें।

   - मेरी समझ से निम्नलिखित कदाचार के ऐसे कुछ उदाहरण हैं जिन्हें सम्मान संहिता का उल्लंघन माना जाता है:-
   - किसी अन्य की उत्तर पुस्तिका से नकल करना अथवा दूसरे को अपनी उत्तर पुस्तिका से नकल करने देना;
   - बिना अनुमति के सहयोग करना,
   - साहित्य की चोरी,
   - जांची गई प्रश्नोत्तरी अथवा परीक्षा पत्रों को अनुदेशक की जानकारी और सहमति के बिना पुनः ग्रेडिंग के लिए संशोधित करना एवं पुनः प्रस्तुत करना,
   - गृह परीक्षाओं (Take Home Examinations) में अनुमति के बिना सहायता देना और लेना,
   - इन्टरनेट पर उपलब्ध सूचना सहित दूसरे के कार्य को अपना बताकर प्रस्तुत करना,
   - किसी शैक्षणिक कार्य में ऐसी परिस्थितियों में सहायता देना या प्राप्त करना, जहाँ एक सामान्य व्यक्ति को यह ज्ञात होना चाहिए था कि ऐसी सहायता अनुमत नहीं है; तथा
   - साइबर अपराध करना जैसे कि पासवर्ड और खातों को भंग करना, पासवर्ड साझा करना, इलेक्ट्रॉनिक नकल, वायरस स्थापित करना आदि।

मैं स्वीकार करता/करती हूँ कि मेरे द्वारा किया गया कोई भी ऐसा कार्य, जिसे सम्मान संहिता का उल्लंघन माना जाएगा, तो मुझ पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है।

दिनांक..

विद्यार्थी के हस्ताक्षर ....

नाम ....

प्रविष्टि संख्या ....

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

हौज़ खास, नई दिल्ली-110016

www.iitd.ac.in